संस्थापक : श्रद्धेय राकेश भारद्वाज | समूह संपादक : रवि भारद्वाज | ऊना, रविवार, 21 मई 2023 | ₹ 2 | www.actionindialive.com | facebook.com/actionindialive

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

एक्शन इंडिया

वर्षः 12 अंकः 137 पृष्ठः 12 | RNI : HPHIN/2012/48072

actionindiauna@gmail.com | हिमाचल संस्करण | दिल्ली - हरियाणा - हिमाचल प्रदेश - उत्तराखण्ड

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

पीएम नरेंद्र मोदी जापान में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति का अनावरण किया।

'दो हजार रुपये के नोट वापस लेने से अर्थव्यवस्था पर नहीं पड़ेगा असर'

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया इंडिया (आरबीआई) के 2,000 रुपये के नोट को वापस लेने के फैसले पर नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगड़िया ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

पनगड़िया ने कहा है कि आरबीआई के फैसले से अर्थव्यवस्था पर कोई प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ेगा, क्योंकि ऐसे वापस हुए नोटों के स्थान पर उसी कीमत में कम मूल्यवर्ग के नोट जारी कर दिए जाएंगे। अरविंद पनगड़िया ने शनिवार को दो हजार रुपये के करेंसी नोट वापस लेने के फैसले को सही करार देते हुए कहा कि इस कदम के पीछे संभावित मकसद अवैध धन की आवाजाही को और मुश्किल बनाना है। उन्होंने कहा कि दो हजार रुपये के नोट वर्तमान में लोगों के हाथों में कुल नकदी का केवल 10.8 फीसदी हैं।

वायुसेना ने सभी मिग-21 लड़ाकू विमानों की उड़ान रोकी

नई दिल्ली: इंडियन एयरफोर्स ने मिग-21 लड़ाकू विमान के पूरे बेड़े के उड़ान भरने पर रोक लगा दी है। राजस्थान में 8 मई को क्रैश हुए मिग-21 की जांच पूरी होने तक सभी विमानों को ग्राउंडेड रखने का फैसला किया है। राजस्थान के हनुमानगढ़ में मिग-21 फाइटर जेट क्रैश में 3 महिलाओं की मौत हो गई थी। एयरफोर्स अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि हादसे की वजहों का पता लगने तक मिग विमान उड़ान नहीं भरेंगे। फिलहाल एयरफोर्स में मिग-21 की 3 स्क्वाड्रन हैं। हर स्क्वाड्रन में 16 से 18 एयरक्राफ्ट होते हैं। इस हिसाब से लगभग 50 मिग-21 सर्विस में हैं। इन्हें 2025 तक रिटायर किया जाना है। इंडियन एयरफोर्स के पास कुल 31 कॉम्बेट स्क्वाड्रन हैं। मिग-21 को सोवियत संघ में बनाया गया था। इसे भारतीय वायुसेना में 1963 में शामिल किया गया था।

जी-7 की चीन को चेतावनी- किसी का दबदबा मंजूर नहीं

जापान: दुनिया की सात विकसित इकोनॉमी के संगठन जी-7 ने साझा स्टेटमेंट में चीन को सख्त चेतावनी दी है। संगठन ने चीन का नाम लिए बिना दुनिया से किसी एक देश का आर्थिक दबदबा खत्म करने की शपथ ली। जापान के हिरोशिमा शहर में संगठन की मीटिंग के दूसरे दिन जॉइंट स्टेटमेंट जारी किया गया। इस स्टेटमेंट में कहा गया कि जी-7 और उसके साथी देशों के आर्थिक हालातों को हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया तो परिणाम भुगतना होगा।

किसी एक देश के आर्थिक दबदबे को रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। जी-7 देशों ने चीन से अपील की है कि वो यूक्रेन से जंग खत्म करने के लिए रूस पर दबाव बनाए।

बिना सर्च वारंट के घर की तलाशी लेने से जुड़े मामले की जांच के आदेश जारी

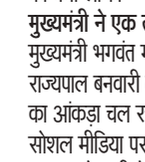

टीम एक्शन इंडिया (जय राम शर्मा) न्यायिक दंडाधिकारी शिमला ने पुलिस कर्मियों द्वारा बिना सर्च वारंट के घर की तलाशी लेने से जुड़े मामले की जांच एसएचओ पुलिस थाना सुन्नी से करवाने के आदेश जारी किए हैं। न्यायिक दंडाधिकारी मृदुला शर्मा ने आवेदन की प्रतिलिपि एचएचओ पुलिस थाना सुन्नी को भेजने के आदेश जारी किए हैं। प्रार्थी सुनीता ने यह आरोप लगाया है कि 26 जनवरी 2023 को सांय 7:30 बजे जब वह अपने आवास गांव सोहल डाकघर सैंज, सब तहसील धामी, जिला शिमला में अपनी दो नाबालिग बेटियों के साथ थी तो चार-पांच पुलिसकर्मी जिनमें एक महिला पुलिसकर्मी भी थी उनके घर आ धमके। उसकी सहमति के बिना घर की तलाशी लेने लगे। उनके पास इसके लिए किसी भी तरह का सर्च वारंट नहीं था। यह भी आरोप है कि जब प्रार्थी ने आपत्ति जताई तो इन्होंने उससे धक्का-मुक्की की और यह धमकी दी।

जी-7: पूरे विश्व के लिए बड़ा मुद्दा है युद्ध: मोदी

जेलेंस्की से मिले पीएम मोदी : युद्ध के समाधान के लिए हर मुमकिन कोशिश करेंगे: मोदी

टीम एक्शन इंडिया/टोक्यो जापान के हिरोशिमा में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने पहुंचे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। इस दौरान भारतीय प्रधानमंत्री ने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध के समाधान के लिए हर मुमकिन कोशिश करेंगे। पिछले साल यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद पहली बार जेलेंस्की और मोदी की मुलाकात हुई। जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए पहुंचे दोनों नेताओं की सम्मेलन से इतर द्विपक्षीय बातचीत हुई। यूक्रेन के राष्ट्रपति से मुलाकात के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यूक्रेन युद्ध दुनिया का एक बड़ा मुद्दा है। वे इसे सिर्फ अर्थव्यवस्था और राजनीति का मुद्दा नहीं मानते, उनके लिए यह मानवता का मुद्दा है। उन्होंने कहा कि भारत और वे स्वयं भी युद्ध की समस्या के समाधान के लिए हर मुमकिन कोशिश करेंगे।

मैक्रों व गुटेरेस से हुई मुलाकात: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान बैस्टिल दिवस के लिए प्रधानमंत्री मोदी की आगामी फ्रांस यात्रा पर चर्चा हुई। साथ ही दोनों नेताओं ने भारत-फ्रांस के सामने मौजूद समस्याओं का मुख्य रूप से उल्लेख किया तथा कहा कि इन देशों की आशाओं और अपेक्षाओं को पूरा करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। प्रधानमंत्री ने विश्व समस्याओं का सामना करने में अमीर देशों की परोक्ष रूप से आलोचना की। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान वैक्सीन और दवाओं की उपलब्धता को मानव भलाई के स्थान पर राजनीति से जोड़ा गया। इस महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सहायता प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुरक्षा का भावी स्वरूप क्या हो इस बारे में आत्मचिंतन बहुत जरूरी है।

मोदी ने जी-7 में ग्लोबल साउथ से जुड़े मुद्दों पर दिया जोर

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिरोशिमा (जापान) में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में दुनिया विशेषकर विकासशील देशों के सामने मौजूद खाद्य सुरक्षा, उर्वरक उपलब्धता और महामारी की चुनौतियों का उल्लेख करते हुए अंतरराष्ट्रीय बिरादरी का आह्वान किया कि वह इनके समाधान को प्राथमिकता दें। अमेरिका के नेतृत्व वाले विकसित देशों के संगठन जी-7 के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व के सामने मौजूद संकटों पर केंद्रित छठे सत्र को संबोधित किया। उन्होंने ग्लोबल साउथ (विकासशील और गरीब देशों)

मानवता का मुद्दा

- यूक्रेन युद्ध दुनिया का एक बड़ा मुद्दा है। अर्थव्यवस्था, राजनीति का मुद्दा नहीं मानते, उनके लिए मानवता का मुद्दा है

रणनीतिक साझेदारी में प्रगति का जायजा लिया। प्रधानमंत्री मोदी संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से भी मिले। भारतीय प्रधानमंत्री ट्वीट कर संयुक्त राष्ट्र महासचिव के साथ हुई अपनी बातचीत को शानदार करार दिया।

जर्मनी के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा: भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज के साथ बैठक की, जिसमें दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति की समीक्षा की और क्षेत्रीय घटनाक्रम एवं वैश्विक चुनौतियों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के ट्वीट में जानकारी दी गयी कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति का सकारात्मक मूल्यांकन एवं समीक्षा की। साथ ही क्षेत्रीय घटनाक्रमों एवं वैश्विक चुनौतियों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

कर्नाटक में शनिवार को कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वहीं डी के शिवकुमार ने डिप्टी सीएम की शपथ ली। इस मौके पर विपक्ष ने एकजुटता का परिचय दिया।

मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर के खिलाफ गैर जमानती वारंट

मऊ: विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और समाजवादी पार्टी के गठबंधन के तहत सुहेलदेव पार्टी से मऊ सदर विधानसभा सीट से चुनाव लड़े अब्बास अंसारी और उसके छोटे भाई उमर अंसारी सहित कुल 9 लोगों पर आचार संहिता के उल्लंघन के दो मामले नगर कोतवाली में दर्ज किए गए थे । पहले मामले में चुनाव के पहले बिना परमिशन के रोड शो करने को लेकर और दूसरे मामले में चुनाव जीतने के बाद बिना परमिशन के विजय जुलूस निकालने के मामले में यह दोनों मुकदमा आचार संहिता के उल्लंघन को लेकर मोहन नगर कोतवाली में दर्ज किया गया था । जिसके बाद दोनों मुकदमों में विवेचकों द्वारा चार्ज सीट को न्यायालय में प्रेषित कर दिया गया था ।

सिद्धारमैया कर्नाटक सीएम, डीके शिवकुमार डिप्टी बने

टीम एक्शन इंडिया/बेंगलुरू कर्नाटक में शनिवार को सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। डी के शिवकुमार डिप्टी सीएम बनाए गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे समेत 8 मंत्रियों को भी राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शपथ दिलाई। कार्यक्रम के आखिरी में राहुल गांधी मंच पर आए और कहा- हमने 5 वादे किए थे, वो कैबिनेट की पहली मीटिंग में ही पूरे कर दिए जाएंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और डिप्टी सीएम विधानसभा पहुंचे और कैबिनेट की मीटिंग की। राहुल ने जिन पांच वादों की बात कही थी, उस पर कैबिनेट ने मुहर लगा दी। सिद्धारमैया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया- कैबिनेट ने आदेश दे दिया है। हफ्ते भर में अगली मीटिंग होगी, उसमें इन पांचों गारंटियों को लागू कर दिया जाएगा।

चार कैबिनेट और चार राज्य मंत्री: कर्नाटक की नई सरकार में डीके शिवकुमार ने इकलौते डिप्टी सीएम के तौर पर शपथ ली। कर्नाटक में डॉ जी परमेश्वर, केएच मुनियप्पा, केजे जॉर्ज और एमबी पाटिल को कैबिनेट मंत्री बनाया गया। सतीश जारकीहोली, प्रियांक खड़गे (मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे), रामालिंगा रेड्डी और जमीर अहमद खान ने राज्यमंत्री के तौर पर शपथ ली। पहली कैबिनेट में नॉर्थ कर्नाटक की जगह साउथ कर्नाटक को तवज्जो दी गई है। साउथ कर्नाटक से 5 मंत्री हैं, जबकि नॉर्थ से सिर्फ 3 हैं। वहीं, 8 में से सबसे ज्यादा 3 मंत्री एससी से हैं। बाकी समुदाय से भी मंत्री बनाकर कांग्रेस ने सोशल इंजीनियरिंग की है। , डॉ जी परमेश्वर, केएच मुनियप्पा, प्रियांक खड़गे रु से हैं। सतीश जारकीहोली रळ, एमबी पाटिल लिंगायत कम्युनिटी, केजी जॉर्ज क्रिश्चियन, जमीर अहमद खान मुस्लिम और रामालिंगा रेड्डी रेड्डी समुदाय से हैं।

5 गारंटी लागू

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे समेत 8 मंत्रियों को भी राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शपथ दिलाई

'कांग्रेस ने दलितों-मुसलमानों की उपेक्षा की'

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ कर्नाटक में शनिवार को नई सरकार के गठन के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कांग्रेस पर हमला बोला है। बसपा प्रमुख मायावती ने शनिवार को अपने अधिकारिक ट्विटर हैंडल से दो ट्वीट किए हैं। पहले ट्वीट में उन्होंने लिखा, "कर्नाटक विधानसभा चुनाव उपरान्त मंत्रिमण्डल में डीके शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री बनाकर कांग्रेस ने अपनी अन्दरूनी कलह को थोड़ा दबाने का प्रयास किया है। किन्तु दलित व मुस्लिम समाज की उपेक्षा क्यों, जबकि इन दोनों वर्गों ने एकजुट होकर कांग्रेस को वोट देकर विजयी बनाया है।" उन्होंने आगे कहा, "कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के लिए दलित समाज की उठी दावेदारी की पूरी तरह से कांग्रेस ने अनदेखी की है। अब किसी भी दलित व मुस्लिम को उपमुख्यमंत्री नहीं बनाना यह इनकी जातिवादी मानसिकता को दर्शाता है।

कश्मीर जी-20 में शामिल होने से चीन का इंकार

विवादित जगह पर बैठक नहीं करेंगे, भारत का जवाब- हमें अपने क्षेत्र में मीटिंग करने की आजादी

चीन को करारा जवाब

- भारत ने पड़ोसी देश को जवाब देते हुए कहा, वह अपने क्षेत्र में बैठकें आयोजित करने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र है

टीम एक्शन इंडिया/श्रीनगर श्रीनगर में 22 से 24 मई तक जी-20 की बैठक होनी है। चीन ने शनिवार को इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। पहले बीजिंग के हिस्सा नहीं लेने की खबरें आ रही थीं। अब वहां के विदेश मंत्रालय ने ऑफिशल बयान जारी कर मीटिंग का बॉयकाट की पुष्टि की। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वैनबिन ने कहा, चीन विवादित क्षेत्र पर किसी भी प्रकार की जी-20 बैठक का पूरी तरह से विरोध करता है।

भारत ने कहा- हम पूरी तरह से स्वतंत्र: चीन के इस बयान पर भारत ने आपत्ति जताई है। भारत ने पड़ोसी देश को जवाब देते हुए कहा, वह अपने क्षेत्र में बैठकें आयोजित करने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र है। इससे पहले मार्च में

1984 सिख दंगा: नई चार्जशीट दाखिल

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली सीबीआई ने शनिवार को 1984 सिख दंगों को लेकर नई चार्जशीट दाखिल की है। इसमें 78 साल के कांग्रेस नेता जगदीश टाइटलर का नाम शामिल किया है। सिख विरोधी दंगों को लेकर सीबीआई अधिकारियों का कहना है पूरे मामले में उनके पास नए सबूत हैं। इन्हीं सबूतों के आधार पर जगदीश टाइटलर के खिलाफ जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। एजेंसी ने टाइटलर के खिलाफ आईपीसी की धारा 147 (दंगा), धारा 109 (उकसावे) और धारा 302 (हत्या) लगाई है। इन आरोपों पर 2 जून को सुनवाई होगी। कुछ दिनों पहले एजेंसी ने टाइटलर की आवाज की रिकॉर्डिंग भी की है। आरोप है कि 39 साल पहले टाइटलर ने अपने भाषण में दंगाइयों को हत्या के लिए उकसाया था। जिसके बाद दिल्ली के पुल बंगश गुरुद्वारे में 1 नवंबर, 1984 को तीन सिखों की हत्या हुई। इस भाषण का सैंपल इसलिए लिया गया है ताकि सिख विरोधी दंगों में उनकी भूमिका की स्पष्ट जांच की जा सके। टाइटलर की वॉयस के नमूने की जांच एफएसएल लैब में की जा रही है। सिख दंगा केस में सीबीआई टाइटलर को पहले तीन बार क्लीन चिट दे चुकी थी। पहली क्लीन चिट 2007 में मिली थी। मगर अदालत ने इसे सिरे से खारिज कर दोबारा जांच के आदेश दिए।

पहलवानों के समर्थन में जंतर-मंतर पहुंचेगी एसजीपीसी

टीम एक्शन इंडिया/अमृतसर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सदस्यों की बैठक शनिवार को अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के तेजा सिंह समुंद्री हॉल में हुई। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह को हटाने को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया। मिली जानकारी के अनुसार जत्थेदार को हटाने के निर्णय पर अकाली दल में ही फूट डलती दिख रही थी, जिसके बाद इस पर निर्णय को रोक दिया गया। एसजीपीसी अब पहलवानों के हक में भी उतर आई है।

ट्रांसफर-पोस्टिंग: सुप्रीम कोर्ट पहुंचा केंद्र

फैसले पर विचार करने को कहा; दिल्ली सरकार की सलाह पर काम करेंगे एलजी

टीम एक्शन इंडिया/नई दिल्ली दिल्ली में ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर उपराज्यपाल (एलजी) और अरविंद केजरीवाल सरकार की लड़ाई एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। दरअसल, 11 मई को दिल्ली सरकार की याचिका पर 5 जजों की बेंच ने कहा था- पब्लिक ऑर्डर, पुलिस और जमीन को छोड़कर उप-राज्यपाल बाकी सभी मामलों में दिल्ली सरकार की सलाह और सहयोग से ही काम करेंगे। 7 दिन बाद 19 मई को केंद्र सरकार ने अध्यादेश लाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया। अध्यादेश के मुताबिक, दिल्ली में अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग का आखिरी फैसला उपराज्यपाल का होगा। इसमें मुख्यमंत्री का कोई अधिकार नहीं होगा। अब 20 मई आज केंद्र सरकार खुद सुप्रीम कोर्ट पहुंची और पांच जजों की बेंच के फैसले पर फिर से विचार करने की अर्जी लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मई को फैसला दिया कि दिल्ली में सरकारी अफसरों पर चुनी हुई सरकार का ही कंट्रोल रहेगा।

'देश को 30-31 राज्यपाल-पीएम चला लें'

टीम एक्शन इंडिया/जालंधर दिल्ली में आईएएस अधिकारियों की कमान राज्यपाल तो सौंपने के अध्यादेश के बाद आम आदमी पार्टी में हड़कंप मच गया है। सुबह से ही सोशल मीडिया पर एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। इसी बीच दिल्ली में एलजी को सशक्त किए जाने पर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान का गुस्सा भी भड़क गया है। उन्होंने इसको लेकर एक के बाद लगातार ट्वीट किए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने पहले ट्वीट में कहा कि अगर भारतीय संविधान में लोकतंत्र के कातिलों को सजा का प्रावधान होता तो पूरी भाजपा को फांसी की सजा हो सकती थी। इसके बाद भी उनका गुस्सा शांत नहीं हुआ तो पंजाबी में किया और लिखा कि देश को 30-31 राज्यपाल और एक प्रधानमंत्री चला लें, मतदान पर करोड़ों-अरबों खर्चने का क्या लाभ।

मुख्यमंत्री ने एक तीर से साधे दो निशाने: मुख्यमंत्री भगवंत मान का पंजाब में राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित के साथ 36 का आंकड़ा चल रहा है। दोनों के बीच सोशल मीडिया पर ही कई बार तीखी तकरार हो चुकी है। आज भगवंत ने अपने ट्वीट देश को 30-31 राज्यपाल और एक प्रधानमंत्री चला लें, मतदान पर करोड़ों-अरबों खर्चने का क्या लाभ से पंजाब के राज्यपाल पर भी निशाना साधा है।

फांसी की सजा तो पूरी आप को हो जाती: दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा ने मुख्यमंत्री के ट्वीट का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने अपने ट्वीट की आधी लाइन ठीक लिखी है कि यदि संविधान में लोकतंत्र की हत्या करने की सजा होती, लेकिन आगे भाजपा की जगह आप होना चाहिए। पूरी आम आदमी पार्टी को लोकतंत्र की हत्या के लिए सजा-ए-मौत हो सकती थी। उन्होंने कहा कि आप ने चीफ सेक्रेटरी को पीट कर लोकतंत्र की हत्या की है। 26 जनवरी को केजरीवाल ने धरना लगाकर लोकतंत्र की हत्या की है।

विपक्ष की खिचड़ी? सीएम के बाद मंत्रियों के जनसंवाद की तैयारी; 2024 लोकसभा-विधानसभा चुनाव देख बीजेपी घटाएगी जनता से दूरी

हरियाणा के मंत्री करेंगे अब 'सच का सामना'

टीम एक्शन इंडिया/हिसार हरियाणा में जनसंवाद कार्यक्रम में सीएम मनोहर लाल खट्टर के आगे सरकार के विरोध के बाद ने रणनीति बदल दी है। अब हरियाणा सरकार के मंत्री भी फील्ड में जाकर जनसंवाद करेंगे। मंत्रियों की कारगुजारी का अंजाम सीएम को न भुगतना पड़े, इसलिए अब उन्हें भी 'सच का सामना' करना पड़ेगा। यही नहीं, संगठन भी सरकार के बचाव में मैदान में उतरेगा। हरियाणा बीजेपी अध्यक्ष ओपी धनखड़ के अलावा दूसरे पार्टी पदाधिकारी भी लोगों से मिलकर शिकायतें सुनेंगे ताकि पार्टी के खिलाफ एंटी इनकंबेंसी के माहौल को न बनने दिया जाए।

इसकी 2 वजहें हैं...: पहली... हरियाणा में बीजेपी 10 साल से सत्ता में है। राज्य में कुल 90 विधानसभा सीटें हैं। 2014 में भाजपा ने 47 सीटें जीतकर अकेले दम पर सरकार बनाई। 2019 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को बहुमत नहीं मिला। भाजपा 40 सीटों पर सिमट गई। नतीजा यह हुआ कि तब 10 महीने पहले बनी जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) से गठबंधन करना पड़ा। इस वक्त यही गठबंधन सरकार चल रही है। सत्ता की कमान बीजेपी के हाथ में ही है तो वोटरों की ज्यादा नाराजगी और जीतने की चुनौती बीजेपी के लिए ही है। हरियाणा में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

दूसरी ... देश में 11 महीने बाद अगले ही साल लोकसभा चुनाव भी हैं। हरियाणा में 10 लोकसभा सीटें हैं। 2019 के चुनाव में सभी सीटें बीजेपी ने जीती। इस बार बीजेपी के आगे सभी सीटें बचाने की चुनौती है। सीटें हारे तो हाईकमान की नजर में सरकार से लेकर संगठन तक का कद घटेगा। ऐसे में पिछली बार हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीटें जीतने वाली बीजेपी लगातार रणनीति बदल रही है।

सीएम गांवों में रात बिताएंगे: सीएम मनोहर लाल पलवल, भिवानी, कुरुक्षेत्र और सिरसा में जनसंवाद कर चुके हैं। यहां वह दिन में लोगों की मुश्किलें सुनते थे। अब रणनीति बदली गई है। इसे सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़ाकर लोगों से नजदीकी की तरफ ले जाया जाएगा।

प्रदेश में तैयार होगी नई हरित हाइड्रोजन नीति

हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध करवाएगी राज्य सरकार : मुख्यमंत्री

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सरकार एक नई हरित हाइड्रोजन नीति बना रही है, जिसका उद्देश्य हरित हाइड्रोजन के उपयोग को बढ़ावा देना और राज्य को इसके उत्पादन के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करना है। पर्याप्त धूप, पानी और हवा सहित नवीकरणीय ऊर्जा के प्रचुर संसाधन उपलब्ध होने से हिमाचल हरित हाइड्रोजन उत्पन्न करने के लिए एक आदर्श स्थल है। इस नीति का प्राथमिक उद्देश्य बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश आकर्षित करना है ताकि इलेक्ट्रोलिसिस के लिए हरित विद्युत की निरंतर और टिकाऊ आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। हिमाचल प्रदेश का लक्ष्य हरित हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना है। इससे न केवल जलवायु परिवर्तन के खिलाफ वैश्विक लड़ाई में योगदान सुनिश्चित होगा बल्कि राज्य को सत्त विकास में भी अग्रणी बनाएगा। उन्होंने कहा कि हरित हाइड्रोजन उत्पादन की दिशा में प्रयासों को बल देते हुए राज्य सरकार ने हाल ही ऑयल इंडिया लिमिटेड ओआईएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पायलट आधार पर हरित हाइड्रोजन और हरित अमोनिया का उत्पादन संभव होगा। इसके अलावा, सरकार युवा उद्यमियों को राज्य में निवेश के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रही है और नई हरित ऊर्जा नीति में उनकी भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए विभिन्न प्रावधान शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कंपनी ने हिमाचल प्रदेश में एक संयंत्र स्थापित करने में भी रूचि दिखाई है जो हरित हाइड्रोजन का उत्पादन करेगा और इसे ई-इथेनॉल में परिवर्तित किया जाएगा।

सरकार की पहल के अनुरूप इस वैकल्पिक ईंधन को सीधे पेट्रोल के विकल्प के रूप में उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के निवेश और प्रयास न केवल ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने में सहायक होंगे बल्कि राज्य में स्वच्छ मोबिलिटी के विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन महत्वाकांक्षी पहलों के अलावा, एनएचपीसी नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन चंबा जिले में पायलट आधार पर एक ग्रीन हाइड्रोजन मोबिलिटी प्रोजेक्ट भी स्थापित कर रही है। इस परियोजना में एक समर्पित सौर संयंत्र, हाइड्रोजन उत्पादन के लिए एक इलेक्ट्रोलाइजर इकाई और एक डिस्पेंसर के साथ एक हाइड्रोजन भंडारण प्रणाली की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए चंबा जिले के मोहाल मोनखरी में भूमि चिन्हित की गई है। इस संयंत्र के कार्यशील होने के उपरांत, हिमाचल पथ परिवहन निगम द्वारा

राष्ट्रीय पेंशन योजना कर्मचारी संघ कर्नाटक ने मुख्यमंत्री से भेंट की

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

राष्ट्रीय पेंशन योजना कर्मचारी संघ, कर्नाटक के सदस्यों ने आज बेंगलुरु में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू से भेंट की तथा हिमाचल प्रदेश में पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए आभार व्यक्त किया। संघ के अध्यक्ष शांताराम तेजा के नेतृत्व में सदस्यों ने राज्य में कांग्रेस सरकार के गठन के बाद से सरकारी कर्मचारियों के पक्ष में निर्णय लेने के लिए मुख्यमंत्री का

आभार व्यक्त किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार के गठन के बाद अब यहां भी जल्द ही पुरानी पेंशन योजना बहाल होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने से लगभग 1.36 लाख कर्मचारियों को लाभ हुआ है। उन्होंने राज्य की विकास यात्रा में कर्मचारियों के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया और उनकी सामाजिक सुरक्षा के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर भी बल दिया।

जीवन में सुखी बनने के लिए परिस्थिति नहीं, आंतरिक स्थिति बदलें

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

न्यू शिमला सेक्टर-1 स्थित स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर में त्रिदिवसीय श्री रामचरितमानस ग्रन्थ की कथा ने गत दिवस दूसरे दिन में प्रवेश किया। कथा शुरू होने से पहले दूसरे दिन के यजमानों के द्वारा भगवान, श्री रामचरितमानस ग्रन्थ एवं कथाव्यास दिल्ली अक्षरधाम से पधारे विद्वान संत पूज्य जयतीर्थ स्वामी का पूजन किया गया। कथा का श्रवण करने आए हुए भाविक भक्तगण को सम्बोधित करते हुए पूज्य जयतीर्थ स्वामी ने कथा के प्रवाह को कल के पड़ाव से आगे बढ़ाया। दशरथ जी के दर्पण दर्शन के बाद उन्होंने भगवान श्रीराम का राज्याभिषेक करने का संकल्प किया। परन्तु मंथरा की कुसंगति के कारण कैकेयी का मन परिवर्तित हो गया और कैकेयी के दो वरदान के कारण भगवान को चौदह वर्ष का वनवास प्राप्त हुआ। ऐसी विपरीत

परिस्थिति में भगवान राम की स्थिरता का वर्णन किया गया। आगे उन्होंने यह बताया कि राम का चरित्र हमारे लिए आदर्श है। जीवन में स्थिरता प्राप्त करने के लिए आत्मा-परमात्मा का ज्ञान, भगवान के कर्तृत्व का ज्ञान और जगत की नश्वरता का ज्ञान होना आवश्यक है। आज की कथा का यहां पर विश्राम हुआ। कल रविवार को तीन दिन की इस रामकथा की पूणार्हुति की जाएगी।

रास्ते के विवाद को लेकर 2 गुटों में खूनी झड़प

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ

जिला सिरमौर के उपमंडल पांवटा साहिब के तहत पलहोड़ी क्षेत्र में 2 गुटों में खूनी झड़प होने का मामला सामने आया है। वहीं इस झड़प में 6 लोग जख्मी हो गए। इस खूनी झड़प में हुसन

33 पुत्र सकुराए यासिन 40 पुत्र सकुरा, सलीम 42 पुत्र रूटला निवासी पलहोड़ी गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया है। दोनों पक्षों ने इस बाबत पुलिस थाना में शिकायत दर्ज करवाई है। वहीं पुलिस ने शिकायत के आधार पर क्रॉस मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, पलहोड़ी में काफी समय से रास्ते को लेकर विवाद चला हुआ था। यासीन अपने घर पर था। इसी बीच वहां गांव के ही रहने वाले फिरोज, गुलफान, इस्लाम, मोमीन, मंजूरा, शमशेर व हारून आदि पहुंचे और कहासुनी शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि देखते ही देखते दोनों गुट तलवारें, गंडासे व लाठियों से एक-दूसरे पर वार करने लग गए। इस खूनी झड़प में हुसन, यासिन, सलीम गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें सिविल अस्पताल पांवटा साहिब पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि तीन अन्यों को भी चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मामले की पुष्टि पांवटा साहिब के डीएसपी मानवेंद्र ठाकुर ने की है।

भाजपा एक दिवसीय कार्यसमिति बैठक पीटीहॉफ में प्रारंभ हुई

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

भाजपा एक दिवसीय कार्यसमिति बैठक पीटीहॉफ में प्रारंभ हुई, बैठक में केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल, प्रदेश प्रभारी अविनाश राय खन्ना, सह प्रभारी संजय टंडन, पूर्व पंजाब प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बाराला, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप, महामंत्री राकेश जम्वाल, त्रिलोक कपूर, त्रिलोक जम्वाल, सांसद कृष्ण कपूर, इंदु गोस्वामी, डॉ सिकंदर कुमार, समस्त कार्यसमिति के सदस्य उपस्थित रहे।

शहर में उत्पाती बन्दरों का कहर जारी

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ

शहर में उत्पाती बन्दरों का कहर लगातार जारी है। इस मामले में नगर परिषद व वन विभाग नियमों की माला जपकर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाडते रहे है। ऐसे में बंदरों की बढती तादाद बेकाबू हो रही है। उधर कुत्ता पालने वालों का शौक तो लम्बे अरसे से लोगों पर भारी पड़ रहा है। शहर की सडकों पर एनिमल लवर्स कहलाने वाले लोग तो अक्सर देखे जा सकते हैं। जो कहीं भी स्ट्रे डॉग्स को खाना खिला रहे है। लेकिन अब तो लोग उत्पाती बन्दरों का भी पेट पालने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे

है। आरोप है कि लोग नियमों के विरुद्ध उत्पाती बन्दरों को ब्रेड व अन्य सामान रोजाना खाने को दे रहे हैं। ऐसे में शहर के कई हिस्सों में लगातार बन्दरों की तादाद में इजाफा हुआ है। खाने के नाम पर उत्पात मचाने वाले बन्दर तडके से ही उन महोल्लों में इक्ठा हो कर उत्पात मचा रहे है। जहाँ लोग इनको को खाने को दे रहे हैं। आसपास रहने वाले लोगों को परेशानी हो रही है। उधर शहर में लोगों पर आए दिन हमला कर रहे आवारा व पालतू कुत्ते सडकों पर चलने वाले लोगों को निशाना बना रहे है। नगर परिषद के उपाध्यक्ष ने बताया कि सडकों पर गंदगी फैला रहे कुतों के मालिकों को नोटिस भेजे गए है यह क्रम जारी रहेगा। कुत्ता पालने वाले लोगों को शहर की स्वच्छता का भी ध्यान रखना होगा। उत्पाती बन्दरों को ब्रेड व अन्य सामान खाने को न दें।

न्यूज फ्लैश

जमा दो में विभूति शर्मा ने प्रदेश भर में हासिल किया पांचवा स्थान

प्रशासनिक अधिकार बनकर देश सेवा करना चाहती है विभूति शर्मा

टीम एक्शन इंडिया/घुमारवीं/नीरज शर्मा

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के घोषित जमा दो के वार्षिक परीक्षा परिणाम में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल घुमारवीं की विभूति शर्मा ने 500 में से 482 अंक हासिल कर आर्ट्स संकाय में प्रदेश भर में पांचवा स्थान हासिल किया। बेटी की इस उपलब्धी पर इलाके में खुशी है।

विभूति के स्कूल पहुंचने पर स्कूल में सादा समारोह आयोजित कर बेटी का मुंह मीठा करवाकर उसे बधाई दी। वही बच्चो ने विभूति के स्कूल पहुचने पर उनका का भव्य स्वागत किया। विभूति शर्मा बड़ी होकर प्रशासनिक अधिकारी बनकर जनसेवा करना चाहती है। विभूति शर्मा घुमारवीं उपमंडल के ओहर गांव की रहने वाली है। विभूति के पिता प्रदीप शर्मा पूर्व सैनिक हैं। जबकि माता रेणु शर्मा गृहणी है। विभूति की एक बड़ी बहन और एक छोटा भाई है। बेटी ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी दादी उर्मिला, माता पिता, प्रधानाचार्य कुलदीप डोगरा तथा स्कूल अध्यापकों को दिया है। विभूति शर्मा का कहना है कि उसकी हर मुश्किल में उसकी दादी हमेशा उसके साथ खड़ी रही तथा उन्होंने ही उसे इस मुकाम तक पहुंचने के लिए प्रेरित किया। विभूति ने बताया कि बच्चे अपनी पढ़ाई पर फोकस रखें तथा सोशल मीडिया से दूर रहें। विभूति शर्मा ने बताया कि वह स्कूल समय सारणी के अलावा दिन में वह पांच से छः घंटे पढ़ाई करती थी तथा उसने जो मुकाम हासिल किया है यह उसी परिश्रम का नतीजा है।

सुकेती फोसिल पार्क से सिरमौर का नाम अंतर्राष्ट्रीय पटल पर उभरा

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ

भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण, चंडीगढ़ द्वारा शुक्रवार को सिरमौर जिला के सुकेती स्थित शिवालिक फोसिल पार्क में आजादी के अमृत महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कई राज्य सरकार के अधिकारियों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों, स्थानीय स्कूल और कॉलेजों के संकाय सदस्यों को आस-पास के गांवों के स्थानीय लोगों के साथ आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के अलावा शिवालिक जीवाश्म पार्क को धरोहर स्थल और भू-पर्यटन के केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित

किया गया था। विधायक नाहन अजय सोलंकी ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए कहा कि सुकेती स्थित इस फॉसिल पार्क की देश और दुनिया में अपनी अलग पहचान है। उन्होंने कहा कि इस फॉसिल पार्क के कारण नाहन क्षेत्र और सिरमौर का नाम राष्ट्रीय पटल पर उभर कर आया है। उन्होंने कहा कि विलुप्त होती वन्य जीवों व जानवरों की प्रजातियों के संरक्षण की दिशा में भारतीय भू-वैज्ञानिकों द्वारा शानदार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से जहां जीवाश्मों के अनुसंधान में जुटे स्कॉलर, वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को सहायता मिलती है। वहीं पर क्षेत्र के लोगों को भी जीवाश्म सम्बन्धी महत्वपूर्ण जानकारी हासिल होती है और साथ ही पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलता है। अजय सोलंकी ने स्थानीय लोगों के बीच जागरूकता फैलाने में संग्रहालय और जीएसआई के योगदान की सराहना की। उन्होंने सिरमौर के नाहन में जीएसआई के अधिकारियों को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। जीएसआई के उप-महानिदेशक चंडीगढ़ डॉ.जी.एस. तिवारी ने छात्रों और अन्य प्रतिभागियों के साथ जीवाश्म और शिवालिक जीवाश्म पार्क, सुकेती के महत्व के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि सुकेती स्थित फासिल पार्क में आयोजित आजादी का अमृत महोत्सव आयोजन सफल रहा और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजन किये जाते रहेंगे। उन्होंने इस आयोजन में भाग लेने के लिए स्थानीय विधायक और जिला प्रशासन के अधिकारियों का आभार जताया। पीएस सेठी निदेशक ने जीवों के विकास को समझने में जीवाश्मों की भूमिका पर जोर देने के अलावा, जीएसआई के इतिहास और राष्ट्र निर्माण में इसके योगदान पर एक व्याख्यान भी प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री ने वरिष्ठ पत्रकार के निधन पर शोक व्यक्त किया

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने जिला मंडी के वरिष्ठ पत्रकार हेमकान्त कात्यान के निधन पर शोक व्यक्त किया। उनका मंडी में गत रात्रि निधन हो गया। वह 80 वर्ष के थे। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि हेमकान्त कात्यान ने पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में उच्च मानक स्थापित किए। मुख्यमंत्री ईश्वर से दिव्यगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

नशे के खिलाफ पुलिस का चाबुक, 42 हुए गिरफ्तार

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ

जिला सिरमौर के मुख्यालय नाहन में पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में आज सिरमौर में घटित अपराध की समीक्षा की गई। पत्रकारों से बातचीत करते हुए पुलिस अधीक्षक सिरमौर रमन कुमार मीणा ने कहा कि पुलिस ने नशा माफियाओं पर शिकंजा कसा है। पिछले साल के मुकाबले इस साल एनडीपीएस के कई मामलों में पुलिस ने बेहतरीन कार्य किया है। ऐसे मामलों में कई लोगों की गिरफ्तारी की गई है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि

2022 में 6.584 किलोग्राम चरस बरामद की गई थीए इस साल अबतक 10.724 किलोग्राम चरस बरामद कर ली है। पिछले साल बरामद 1.349 चुरा पोस्त के मुकाबले इस वर्ष अबतक 4.271 किलोग्राम चरस पकड़ी है। उन्होंने बताया कि इस साल 2.812 किलोग्राम गांजा बरामद हो चुका है। इसी तरह हेरोइन 87.133 ग्राम, 3579 अफीम के पौधे, 1694 प्रतिबंधित कैप्सूल, 1458 बोतल सिरप बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि एनडीपीएस के इन मामलों में इस साल अबतक 42 लोगों की गिरफ्तारी हुई है। इसके साथ साथ अवैध खनन के 303 चालान कर 19,69,500 रुपए का जुमार्ना इसी साल अबतक वसूला है। 12 वाहन सीज किए। पिछले साल 116 चालान कर 8,76,500 रुपए जुमार्ना वसूला था, जिसमें पांच वाहन सीज किए गए थे।

स्वाद व औषधीय गुणों से भरपूर जंगली फल काफल

टीम एक्शन इंडिया/नाहन/एसपी जैरथ

बेमौसमी बारिशों होने के कारण इस बार राजगढ़ क्षेत्र में जंगली फल काफल करीब 15 दिन देरी से पकने शुरू हो गए है । एक विशेष प्रकार पक्षी घर के बाहर पेड़ पर बैठकर कहता है कि काफल पाके, हामे ने चाखे तुमखे राखे। लोगों का कहना है कि यह पक्षी काफल पकने का संदेश लाता है। बता दें कि ग्रामीण परिवेश के लोग व बच्चे दोपहर को आराम करने की बजाए जंगलों में काफल फल को चुनने के लिए व्यस्त हैं। जनश्रुति के अनुसार भगवान राम भी अपने बनवास के दौरान भूख मिटाने के लिए काफल व अन्य जंगली फलों का इस्तेमाल किया करते थे। बता दें कि राजगढ़ तथा सीमा पर लगते शिमला जिला के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में इन दिनों काफल फल पक कर तैयार हो गया है। विशेषकर हाब्बन, पालू, फागू, चंबीधार, ठंडीधार, इत्यादि गांव के लोग जंगलों में काफल को चुनने में व्यस्त हैं। काफल के पेड़ काफी ऊंचे होते है। परंतु लोग अपनी जान को जोखिम मे डालकर काफल का एक एक दाना बड़े चाव से चुनकर बेग में भर कर घर लाते हैं। अनेक गांव में काफल लोगों की आजीविका का भी साधन बन चुका है और मार्किट में काफल को लोग बड़े चाव के साथ खरीदते हैं।वरिष्ठ नागरिक एवं साहित्यकार शेरजंग

चौहान और सूरत सिंह ठाकुर का कहना है कि काफल एक जंगली फल है जोकि सभी औषधीय गुणों से भरपूर है। यह फल हिमाचल प्रदेश सहित हिमालय के अन्य क्षेत्रों में जंगली तौर पर पाए जाने वाला एक सदाबहार पेड़ है जोकि कई औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण शरीर की प्रतिशोधक क्षमता को बढ़ाने में बहुत सहायक होता है। इनका कहना है कि काफल के पेड़ 1000 से 2000 मीटर की ऊंचाई में पाए जाते है। यह फल रस से भरपूर होता है तथा इसका स्वाद खटटा-मिठा होता है।

शेरजंग चैहान का कहना है कि इन दिनों गांव में जंगली शुद्ध सब्जियों की बहार आई है जिनमें कचनार, काथी की कोपलें, रामबाण के गोव्वा, फेगड़े, खडकी के कोमल पत्ते, खडडों में उगने वाली छूछ इत्यादि जंगली सब्जियां प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। इनका कहना है कि बाजार से मिलने वाली सब्जियां के संक्रमित होने की संभावना होती है।

केंद्र में 450 सांसदों वाली कांग्रेस आज 40 पर सिमट गई : बिंदल

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने समस्त केंद्र नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी एल संतोष, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, प्रदेश प्रभारी अविनाश राय खन्ना, सह प्रभारी संजय टंडन, पूर्व मुख्यमंत्री प्रो प्रेम कुमार धूमल, शांता कुमार, नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का प्रदेश अध्यक्ष के रूप में बनने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा मैं संपूर्ण शक्तियों के साथ अपना कार्य करूंगा और भाजपा को आगे बड? का काम करूगा।

बिंदल के कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा की कांग्रेस पार्टी के नेता आज कल भाजपा पर बड़ी-बड़ी टिपनिया कर रहे हैं उनको लग रहा है की भाजपा सपप्त हो है, पर कांग्रेस पार्टी भाजपा की युग भूल गई है। भाजपा ने हारों में के से जीत का कारवां शुरू किया था और आज देश में सबसे मजबूत राजनीतिक दल बकर उभरी है।बिंदल ने भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपई जी की पंक्तियों को दोहरा कर कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाया, हार नहीं मानूंगा रार नहीं ठानुगा। उन्होंने कहा की पहले हम एक दो सांसदों के लिए लड़ते थे पर आज हम सरकारे बनाने के लिए लड़ते है। भाजपा ने संघर्ष किया है और अपने आप को मजबूत बनाया है। केंद्र में 450 सांसदों वाली कांग्रेस आज 40 पर सिमट गई है, पर 2 सांसद वाली भाजपा आज पूर्ण बहुमत की सरकार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चला रही है। कांग्रेस पार्टी आज 2 से 3 राज्यों में सरकार चला रही है और भाजपा लगभग 18 राज्यों में मजबूत सरकार चला रही है, फर्क साफ है।

बिंदल ने कहा की कांग्रेस ने छल, कपट और मायाजाल से भाजपा को सत्ता से बाहर किया है। कांग्रेस और भाजपा के सत्ता परिवर्तन का अंतर 9प्रतिशत यह पहेली बार की यह अंतर इतना कम है इससे पूर्व में यह अंतर कम से कम 4 प्रतिशत होता था। बिंदल में कहा की जयराम ठाकुर सरकार ने महिलाओं, गरीबों, पिछड़े वर्ग और सभी वर्गों के लिए काम किया। भाजपा सरकार के दौरान हमारी सरकार ने 8 लाख लोगों को पेंशन दी है, लाखों लोगों को आयुष्मान भरता और हिम केयर का लाभ हुआ है। भाजपा ने हमेशा अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की चिंता की है। उन्हीं कहा की देश के संपूर्ण विकास को आगे बढ़ेगा के लिए देश के सभी व्यक्तियों की भागेदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। भाजपा के इस कार्य को अच्छे से किया है, हमारे प्रदेश को केंद्र सरकार की आनेको योजनाओं का का बड़ा लाभ हुआ है।

अंतर्राष्ट्रीय मधुमक्खी दिवस पर बांटे किसान क्रेडिट कार्ड

टीम एक्शन इंडिया/हमीरपुर/विवेकानंद वशिष्ठ

अंतर्राष्ट्रीय मधुमक्खी दिवस के उपलक्ष्य पर नाबार्ड के हिमाचल प्रदेश क्षेत्रीय कार्यालय ने शनिवार को प्रदेश के सभी जिलों में ऋण कैंपों का आयोजन किया। इस उपलक्ष्य पर जिला हमीरपुर का ऋण कैंप धनेटा स्थित कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक की शाखा में आयोजित किया गया, जिसमें क्षेत्र के कई प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक सतपाल चौधरी और कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक जीवन कुमार ने लाभार्थियों को किसान क्रेडिट कार्ड के स्वीकृति पत्र वितरित किए।

मोदी है तो मुमकिन है : अनुराग ठाकुर

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा
केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा 9 वर्षों में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने भारत की साक पूरे विश्व में पहुचाई हैं।
भाजपा मानती है की जन संपर्क से जन समर्थन जुटाने का काम हमने करना है।उन्होंने हमरी केंद्र सरकार ने 360000 से ज्यादा लोगों को पक्का मकान देने का काम किया है, आयुष्मान भारत में 5 लाख के इलाज का पैसा केंद्र सरकार ने जनता को दिया और महिला सम्मान बचत पत्र से महिलाओं का बड़ा लाभ हुआ है। अगर सच में देखा जाए तो भारत रत्न बाबा साहिब अंबेडकर को उचित मान सम्मान नरेंद्र मोदी की सरकार ने दिया है। बाबा साहेब से जुड़े स्थानों को तीरथ बनाने का काम केंद्र सरकार ने किया है। आज से पहले कभी भी किसी सरकार नहीं है ऐसा कार्य नहीं किया। ठाकुर ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भरता मदद लेने वाला देश नहीं मदद देने वाला देश बन गया है, हर युद्ध में लोगो को सुरक्षित निकालने का काम किया है और दूसरे देशों के मुश्किल समय में भारत ने उन देश का साथ दिया है इसके कई उदाहरण हमारे समक्ष आए हैं। कोवीड संकटकाल में भारत ने अनेकों देशों को कोविड वैक्सीन मुफ्त देने का काम किया इस पर करोड़ों का खर्च आया पर अनेक देशों की मदद करने का कार्य भारत ने किया। उन्होंने कहा की रक्षा के क्षेत्र में आज से पहले भारत हथियारों को इंपोर्ट करने का काम करता था पर आज भारत ने 16000 करोड़ का एक्सपोर्ट किया है, इस वित्त वर्ष में भारत 25000 करोड़ का एक्सपोर्ट करेगा और अगले साल आने वाले समय में भारत 40000 करोड़ का एक्सपोर्ट करेगा। हमारे देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमें गुलामी की मानसिकता से निकलने का काम किया है और भारत आज विश्व की 5वी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का काम किया है।
हममें देश में हम कमल कमल कमल और कमल खिलाने का काम करना है और यह पूरी तरह संभव है। हम सभी को सरकार और संगठन की नीतियों और कार्यों पर विश्वास है और यह विश्वास हमारी नीव है। उन्होंने कहा की मोदी है तो मुमकिन हैं, मोदी जो ठान लेते है वो करते है जिससे जनता को बड़ा लाभ होता है। केंद्र सरकार ने हिमाचल को बल्क ड्रग पार्क देने का बड़ा काम किया है और जिस प्रकार से जयराम ठाकुर सरकार ने केंद्र को इसके लिए जमीन देने का काम किया वह बहुत बड़ी बात है। आज हम संकल्प लेते है को हम सब मिलकर समर्पित रूप से काम करेंगे और आने वाले समय में देश में कमल खिलाने का कार्य करेंगे।
प्रदेश प्रभारी अविनाश राय खन्ना ने कहा की एक बार फिर केंद्र में हममें मोदी सरकार को लाना है इस संकल्प से हम आगे बड़ेंगे, भाजपा सरकार के 9 साल और कांग्रेस के अनेकों वर्षों की अगर तुलना की जाए तो कांग्रेस के अनेकों वर्ष भाजपा के 9 वर्ष के आगे फीके पड़ जाते है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद विदेश में भारतीय नागरिक को अलग पहचान मिली है, आज से पहले जब हम विदेश जाते थे तो हमें किस नजर से देखा जाता था और किस सम्मान से देखा जाता हैं यह फर्क साफ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता की दर्द को समझते है जनता के मांगने से पहले ही मोदी जी जनता की मांग को पूरा कर देते है।

इसे कहते हैं व्यवस्था परिवर्तन, हुई कार्रवाई

रवि ठाकुर ने लिया पतन के लोगों की समस्याओं पर संज्ञान

टीम एक्शन इंडिया/केलांग/नरेंद्र अंगारिया
एक समय वो भी था जब ग्रामीण अपना काम या समस्या के समाधान को लेकर घंटों अधिकारियों का इंतजार करते थे और एक समय ये भी है जब समस्या पता लगते ही मौके पर समाधान करने व आपकी बात सुनने के लिए अधिकारी पहुंच रहे हैं।
ऐसा ही एक वाक्या शनिवार सुबह पेश आया जब विधायक रवि ठाकुर से पटन वैली के पांच से छह गांव के ग्रामीण मिले और सडक के मुआवजे को लेकर अपनी मांग प्रथमिकता के अधार पर रखी। ग्रामीणों का कहना था कि पूर्व की भाजपा सरकार में उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से लेकर पूर्व मंत्री लाहुल स्पीति के समक्ष कई बार रखी। जिला के अधिकारियों को भी अवगत करवाया लेकिन कहीं भी सुनवाई नहीं हुई। अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगा लगा कर वे थक गए। लेकिन अब सता परिवर्तन होते ही जहां लाहुल स्पीति के विधायक रवि ठाकुर से शनिवार सुबह उक्त ग्रामीण मिले तो अधिकारियों के कार्यालयों मैं जाना तो दूर की बात है उपायुक्त को भी मौके पर विधायक महोदय ने बुला डाला। मामले की गंभीरता को देखते हुए विधायक रवि ठाकुर ने तुरंत उपायुक्त लाहुल स्पीति राहुल जी से ग्रामीणों की समस्या का समाधान करने का आग्रह किया।

न्यूज फ्लैश

मिनर्वा स्कूल की अर्शिया ठाकुर ने विज्ञान संकाय में प्रदेश भर में हासिल किया नौवां स्थान

टीम एक्शन इंडिया/घुमारवीं/नीरज शर्मा
मिनर्वा सीनियर सेकेंडरी स्कूल घुमारवीं की अर्शिया ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित जमा दो कक्षा के वार्षिक परिणामों में 500 में से 484 अंक लेकर मेरिट में नौवां स्थान हासिल किया है। अर्शिया ठाकुर विज्ञान संकाय की छात्रा है।अर्शिया ठाकुर के पिता सुरेंद्र सिंह सरकारी स्कूल में प्रवक्ता के पद पर तैनात हैं जबकि माता अनिता कुमारी ग्रहणी है।अर्शिया ठाकुर उपमंडल झंडूता के गांव बडगांव की रहने वाली है। अर्शिया ठाकुर ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया है आशा ठाकुर का कहना है कि उसने अपना अधिकतर समय पढ़ाई लिखाई को देकर इस मुकाम को हासिल किया है। मिनर्वा सीनियर सेकेंडरी स्कूल घुमारवीं के संचालक प्रवेश चंदेल तथा राकेश चंदेल ने अर्शिया ठाकुर की सफलता खुशी जाहिर की है प्रवेश चंदेल ने बताया कि अर्शिया शुरू से ही पढ़ाई में बेहतर है। अर्शिया द्वारा 12वीं कक्षा में प्रदेश में विज्ञान विषय में मेरिट में नौवां स्थान हासिल कर स्कूल और माता-पिता का नाम रोशन किया है। इस मौके पर स्कूल प्रधानाचार्य प्रवेश चंदेल ने अर्शिया ठाकुर के सफल भविष्य की कामना करते हुए उसे शुभकामनाएं प्रेषित की।

ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी ने की गोवंश हत्या की निंदा

टीम एक्शन इंडिया/चंबा/हामिद
ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी ने एक आपात बैठक कर तीसा उप मंडल के सनवाल में घटी गोवंश हत्या की भरसक निंदा करते हुए सर्वसम्मति से फैसला लिया है कि जिन्होंने यह कृत्य किया है उन्हें समाज से बहिष्कृत किया जाए। सोसाइटी के जिलाधक्ष एडवोकेट लतीफ मोहम्मद की अगुवाई में संपूर्ण हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसके साथ साथ सोसाइटी ने जिला प्रशासन से यह मांग भी की है कि जो लोग भी इस कृत्य में शामिल हुए हैं उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए तथा सलाखों के पीछे भेजा जाए। इस कृत्य में जो और लोग भी इन लोगों के साथ हैं तथा जिन लोगों के तार इस कांड से जुड़े हैं उन्हें भी इस कृत्य में शामिल करके उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। एडवोकेट लतीफ मोहम्मद ने साफ किया कि मुस्लिम समुदाय ऐसे कृत्य करने वाले लोगों की कड़े शब्दों में निंदा करता है तथा सोसाइटी ने यह फैसला लिया कि उन्हें समुदाय से बहिष्कृत किया जाए ताकि ऐसे कृत्य करने वाले बाकी लोगों को भी सबक मिल सके। उन्होंने जिला प्रशासन तथा सरकार से मांग की है कि इन लोगों को कतई भी छोड़ा न जाए तथा उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलवाई जाए जिसके लिए ऑल हिमाचल मुस्लिम वेलफेयर सोसाइटी सरकार तथा प्रशासन के निर्णय का स्वागत करेगी तथा पूर्ण सहयोग भी करेगी।

चाइल्डलाइन चंबा द्वारा आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से बाल- संरक्षण के संबंध में किया जागरूक

टीम एक्शन इंडिया/चंबा/हामिद
शुक्रवार को चाइल्डलाइन चंबा द्वारा चंबा उपमंडल की कुठेड़ पंचायत के आंगनबाड़ी केन्द्र कुठेड़ में आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान चाइल्डलाइन टीम सदस्य विक्की व पंकज कुमार द्वारा उपस्थित स्टाफ , बच्चों एवं महिलाओं को चाइल्ड लाइन के टोल फ्री नंबर 1098 की विस्तृत जानकारी दी। टीम द्वारा मुफ्त फोन सेवा 1098 के माध्यम से अनाथ अर्ध-अनाथ, स्कूल छोड़ चुके, घर से भागे हुए, मानसिक और शारीरिक शारीरिक रूप से अक्षम, शोषित, अति निर्धन, बाल विवाह से ग्रसित, बाल-मजदूरी से ग्रसित, छेड़-छाड़ से पीड़ित व अन्य किसी भी कारण से शोषित बच्चों हेतु चाइल्ड लाइन के माध्यम से दी जाने वाली सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित लोगों को पोक्सो अधिनियम के संबंध में भी जागरूक किया गया।

मुख्यमंत्री ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को बधाई दी

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा
मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर सिद्धारमैया को बधाई दी है।
ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू भी आज बेंगलुरु में आयोजित उनके शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि सिद्धारमैया के दूरदर्शी और सक्षम नेतृत्व में कर्नाटक राज्य विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी गरीब और शोषित वर्गों का विशेष ध्यान रखने के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

प्लस टू के रिजल्ट में छाई लक्ष्मी मेमोरियल पब्लिक स्कूल की छात्रा

टीम एक्शन इंडिया/हमीरपुर/विवेकानंद वशिष्ठ
लक्ष्मी मोदी पब्लिक स्कूल की छात्रा ने प्लस टू के रिजल्ट में दर्ज किया पांचवा स्थान। लक्ष्मी मॉडल पब्लिक स्कूल की छात्रा आस्था पटेल ने प्लस टू में पांचवा स्थान दर्ज करके अपने माता-पिता गुरुजनों वह स्कूल का स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल के प्रबंधक के.सी. चौहान बेस्ट आपने वह उनके स्टाफ ने छात्र को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी जाहिर की आस्था पटियाल का कहना है कि मैंने स्कूल के लावा 8,9 घंटे पढ़ाई करती थी। छात्रा ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि मेरी वजह से मेरे परिवार माता पिता गुरुजनों एवं स्कूल का नाम सुर्खियों में छाया है आस्था ने कहा कि मेरी गुरुजन ने बहुत मेहनत की उन्होंने मेरे हर डॉट क्लियर करते थे मम्मी पापा बहुत सपोर्ट करते थे आस्था पत्याल ने कहा कि मैं बड़ी होकर डॉक्टर बनूंगी वह अपने प्रदेश देश का नाम रोशन करूंगी स्कूल के प्रबंधक के.सी.चौहान ने कहा कि आस्था पटियाल होनहार छात्रा है गुरुजनों ने बहुत मेहनत की जिसकी वजह से हमारी छात्र ने मेरिट में पांचवां स्थान हासिल किया इस के लिए मैं छात्रा उसके माता-पिता गुरुजनों का धन्यवाद व्यक्त करता हूं। के.सी. चौहान ने कहा कि या हमारे स्कूल के लिए बहुत ही गर्व की बात है भविष्य में भी हम ऐसे छात्रों का सहयोग करते रहेंगे और इससे अधिक मेहनत करके हमारे स्कूल के छात्र मेरिट में आते रहेंगे।

नहीं रहे वरिष्ठ पत्रकार हेमकांत कात्यायन

कई नेताओं का पत्रकारों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त

टीम एक्शन इंडिया/मंडी/खेमचंद शास्त्री
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग की निदेशक किरण भड़ाना, उप निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय मंडी मंजुला, जिला लोक सम्पर्क अधिकारी, विनय शर्मा, विभाग के समस्त अधिकारियों व कर्मचारियों सहित नेशनल यूनियन ऑफ जर्नालिस्ट के प्रदेशाध्यक्ष बीरबल शर्मा, मंडी प्रेस क्लब के प्रधान मुरारी शर्मा, महासचिव हंस राज सैणी, वरिष्ठ पत्रकार के.के.नूतन, खेमचंद शास्त्री सहित मंडी जिला के सभी प्रिंट व इलैक्टोनिक मीडिया प्रतिनिधियों ने वरिष्ठ पत्रकार हेमकांत कात्यायन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।
उनका गत रात्रि मंडी में हृदय गति रूक जाने से निधन हो गया। वह 80 साल के थे। हेमकांत कात्यायन द्वारा पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को सदैव याद रखा जायेगा। उन्होंने पत्रकारिता के क्षेत्र में उच्च मानक स्थापित किए।

> 8 हेमकांत कात्यायन द्वारा पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को सदैव याद रखा जायेगा

नरेश चौहान ने वरिष्ठ पत्रकार के निधन पर शोक व्यक्त किया

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा
मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहाकार मीडिया नरेश चौहान ने जिला मंडी के वरिष्ठ पत्रकार हेमकान्त कात्यायन के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि हेमकान्त कात्यायन ने विकासात्मक पत्रकारिता को नई दिशा दी। उनके आदर्श युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिजनों को इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

डॉक्टर बनेगी शिवांजली

बोर्ड की परीक्षा (साइंस) मेरिट सूची में पाया 9वां स्थान, स्कूल ने किया संमानित

टीम एक्शन इंडिया/गोहर/सुभाग सचदेवा
मंडी जिला के गोहर मण्डल के एक व्यवसायी परिवार की बेटी शिवांजली ने सरकारी स्कूलों से परहेज करने वाले तमाम लोगों को आइना दिखाया है। बेटी ने स्कूल शिक्षा बोर्ड की साइंस विषय की परीक्षा में प्रदेश भर की मेरिट सूची में 9वां स्थान हासिल कर स्कूल का नाम रोशन किया है। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूल चैलचौक की इस छात्रा के पिता जसवंत सिंह व्यवसायी हैं और माता सफल गृहणी है। शिवांजली ने कड़ी लग्न से यह सफलता प्राप्त की है।
मेरिट की सूचना पाकर स्कूल प्रिंसिपल बृजलाल ने छात्रा के घर जाकर उसे स्कूल बुलाया जहां उसे संमानित किया गया। इस सफलता कर कामर्स विषय के प्रवक्ता संजीव गुप्ता ने छात्रा को 5 हजार की राशि बतौर प्रोत्साहन स्वरूप प्रदान की। शिवांजली ने कहा कि सफल होने के लिए पहले लक्ष्य तय करना होता है। लक्ष्य तय करने के बाद अगर ईमानदारी से प्रयास किया जाए तो कभी असफलता हाथ नहीं लगती है। इसके अलावा बच्चों की हॉबी पर अभिभावकों को ध्यान देना चाहिए। इससे दिमाग शांत रहता है। शिवांजली ने कहा कि उसका पहला लक्ष्य समाज सेवा है। वह बड़ी होकर डॉक्टर बनना चाहती है। छात्रों को संदेश देते हुए शिवांजली ने कहा कि गुरुजनों का आदर करें, उनके बताए गए ज्ञान को अर्जित करें। परन्तु इसके लिए एकाग्रता और कड़ी मेहनत जरूरी है।

नैहर हरनोडा में ग्रेडिंग प्लांट में चोरी, सीसीटीवी कैमरों को बनाया निशाना

टीम एक्शन इंडिया/बिलासपुर/कश्मीर ठाकुर
नैहर हरनोडा में भी चोरों के हौसले बुलंद हैं। नैहर हरनोडा निवासी सुलेख चंद राणा के ग्रेडिंग प्लांट व ब्लाक बनाने मसीने व इसके अलावा कोल वैली पब्लिक स्कूल नैहर-हरनोड़ा में अज्ञात चोरों ने धावा बोला। नेहर जीरो चौक से आगे स्थित वैली पब्लिक स्कूल नैहर-हरनोड़ा और साथ लगते स्थित ग्रेडिंग प्लांट को निशाना बनाते हुए अढ़ाई से तीन लाख रूपए का सामान पार कर दिया। चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद होती शातिरों नेसीसीटीवी कैमरों को ही पहले अपना निशाना बनाया। पुलिस अब सलापड़ पल पर लगेसीसीटीवी कैमरों में फुटेज के आधार पर चोर की तलाश कर रही है।
दरअसल, बीते दो दिन पहले चोरों ने कोल वैली पब्लिक स्कूल नैहर-हरनोड़ा में लगे सीसीटीवी कैमरों को तोडा व फिर खिड़कियों को तोड़ने की कोशिस में जुटे, जब बात न बनी तो वहां से साथ लगते ग्रेडिंग प्लांट पर पहुंचे। वहां पर चोरों ने क्रेशर व टाइल मेकर मशीन की मोटरें, अन्य लाखों का यंत्र, सामान, बिजली मीटर, केबल वायर, पटटे आदि की वारदात को अंजाम दिया है। ग्रेडिंग प्लांटके मालिक व स्कूल के चेयरमैन सुलेख चाँद राणा ने मामले की शिकायत थाना बरमाणा में दर्ज करवाई गई है। पुलिस छानबीन में जुटी है। पीड़ित सुलेख चंद राणा ने बताया कि इससे पूर्व भी संस्था की बस जली थी। उन्होंने ऐसे लोगों से जान को खतरा भी बताया। कहा आये दिन यहां पर चिों के तस्करों का भी बोलबाला बढ़ रहा है।

लाइफ मिशन के तहत जन जैव विविधता रजिस्टरों के सत्यापन पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा
हिमाचल प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड एच.पी.एस.बी.बी ने जैव विविधता अंतर्राष्ट्रीय दिवस-2023 के उत्सव के हिस्से के रूप में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें शैक्षणिक और शोध एवं विकास संस्थानों के 150 छात्रों की क्षमता निर्माण कर उनकी 200 जन जैव विविधता पंजिका के सत्यापन में भागीदारी को सुनिश्चित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आज केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, बेम्लोई, शिमला के सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डीसी राणा, सदस्य सचिव, हिमाचल प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड रहे। उन्होंने राज्य जैव विविधता संरक्षण, जैवविविधता संबंधित समस्याओं के सफलतापूर्वक समाधान के संदर्भ में जैव विविधता जागरूकता फैलाने की आवश्यकता का विशेष रूप से उल्लेख किया। डीसी राणा नेभारत सरकार के राष्ट्रीय अभियान के हिस्से के रूप में पी.बी.आर के सत्यापनअभ्यास में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को प्रोत्साहित किया और उनका मनोबलबढ़ाया। सतपाल धीमान, संयुक्त सदस्य सचिव, हिमकॉस्ट, कार्यशाला के विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और जन जैव विविधता रजिस्टर पीबीआर के महत्व पर प्रकाश डाला और जैव विविधता प्रबंधन समितियों बीएमसी की भूमिका पर भी बात की। उन्होंने पीबीआर सत्यापन के राष्ट्रीय अभ्यास और बीएमसी को सक्रिय करने में इसके महत्व के बारे में भी जानकारी दी। डॉ. एस.पी.भारद्वाज, एसोसिएट डायरेक्टर सेवानिवृत्त क्षेत्रीय बागवानी स्टेशन, मशोबरा और डॉ. महेंद्र सिंह, एसोसिएट प्रोफेसर, जैव-विज्ञान विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से विशेष रूप से आमंत्रित थे और उन्होंने प्रतिभागियों को पीबीआर के सत्यापन और पीबीआर निर्माण प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।
सभी राज्यों की जैव विविधता प्रबंधन समितियों बी.एम.सी को सक्रिय करने के लिए भारत सरकार ने एक राष्ट्रीय अभियान के अनुसार पीएबीएआर सत्यापन का कार्य शुरू किया है जिसमें हिमाचल से 200 जैव विविधता प्रबंधन समितियों को इस प्रशिक्षण कार्यशाला के बाद छात्रों की भागीदारी द्वारा सक्रिय किया जाएगा। यह राष्ट्रीय अभियान आधिकारिक तौर पर 23 मई 2023 को माननीय मंत्री पर्यावरण एवन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा गोवा से शुरू किया जाएगा।
दिनांक 23 मई 2023 से 03 जून 2023 की अवधि के दौरान सभी गतिविधियों को एक पोर्टल मेरीलाइफ में इलेक्ट्रॉनिक रूप से अपलोड किया जाएगा। इसलिए, इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से छात्रों को 200 बीएमसी में पीबीआर के सत्यापन में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

स्नेहा ठाकुर ने कंडाघाट स्कूल में जमा दो की बोर्ड परीक्षा में हासिल किया पहला स्थान

टीम एक्शन इंडिया/सोलन/कण्डाघाट/योगेश शर्मा
हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड की जमा दो परीक्षा का परिणाम घोषित हो चुका है। सोलन जिले के कंडाघाट सीनियरी स्कूल का परीक्षा परिणाम 95.28 फीसदी रहा। सिरीनगर गांव की स्नेहा ठाकुर ने मेडिकल संकाय में 93.02 फीसदी अंक लेकर पूरे स्कूल में पहला स्थान प्राप्त किया जबकि कामर्स संकाय में अंकिता ने 454 अंक लेकर स्कूल में दूसरा स्थान हासिल किया। तीसरा स्थान रिशिता ने 450 अंक लेकर प्राप्त किया।सीनियर सकेंडेरी स्कूल कंडाघाट की छात्राओं ने पहले तीनों स्थानों प्राप्त कर रिकार्ड बनाया। स्कूल प्रशासन ने मेधावी छात्राओं को स्कूल बुलाकर बधाई दी। स्कूल की प्रधानाचार्य लक्ष्मी श्याम ने प्रथम स्थान हासिल करने वाली स्नेहा ठाकुर, दूसरे स्थान पर रहने वाली अंकिता व तीसरे स्थान पर रहने वाली रिशिता तथा नान मेडिकल दूसरे स्थान पर सिरीनगर गांव की नितिका ठाकुर को मिठाई खिलाई। दूसरी ओर अंग्रेजी के प्राध्यापक दीपक ठाकुर, विज्ञान प्राध्यापिका गीताजंलि समेत अन्य सभी अध्यापको व स्कूल प्रशासन ने मेधावी छात्राओं को बधाई दी है। उधर स्कूल में पहले स्थान पर रही स्नेहा ठाकुर ने पूर्व प्रधानाचार्य आभा चंदेल व वर्तमान प्रधानाचार्य लक्ष्मी श्याम समेत सभी प्रध्यापकों व माता-पिता को इस सफलता का श्रेय दिया है।

डीएवी पब्लिक स्कूल मनाली की निशिता ऋषिता 12वीं की परीक्षा में 92प्रतिशत अंक लेकर प्रथम

8 शोघी से सटे गांव मथोली के जंगल में मिले इस गुब्बारे का आकार हेलीकॉप्टर के आकार से मिलता जुलता है

टीम एक्शन इंडिया/मनाली/राज अग्रवाल

डीएवी पब्लिक स्कूल मनाली की छात्रा ऋषिता ने 12वीं के हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला के परीक्षा परिणाम में 92प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान हासिल किया। यह छात्रा चौथी से 12वीं कक्षा तक इसी विद्यालय की छात्रा रही है। बचपन से ही यह छात्रा अपना कार्य निष्ठा और लगन से करती

है। इसकी उपलब्धि पर डीएवी परिवार को गर्व है। ऋषिता के पिताजी मनाली में होटल व्यवसायी हैं तथा इसकी माता

इसी विद्यालय में हिंदी की शिक्षिका है। इसके बाद सानिया शर्मा ने 88.8प्रतिशत अंक प्राप्त करके दूसरा स्थान तथा प्रितिका

चौहान ने 88.6 प्रतिशत अंक प्राप्त करके तीसरा स्थान हासिल किया है। तीनों छात्राएं अपनी इस उत्कृष्ट उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता तथा अध्यापकों को देतीं हैं। विद्यालय के कुल 38 छात्रो ने 12वीं परीक्षा दी थी। सभी छात्रों ने 60प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर अपने परिवार व विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य आर एस राणा ने संपूर्ण डीएवी परिवार की ओर से 12वीं के सभी छात्रों को तथा इनके अभिभावकों को इस उत्कृष्ट सफलता के लिए बधाई दी है साथ ही उन्होंने डीएवी स्कूल के अध्यापकों को भी बधाई दी है। ऋ षिता का कहना है कि वह बड़ी होकर भारतीय सेना में अपनी सेवा दे कर देश के की सेवा करना चाहती है।

शिमला में मिला पाकिस्तानी गुब्बारा

8 शोघी से सटे गांव मथोली के जंगल में मिले इस गुब्बारे का आकार हेलीकॉप्टर के आकार से मिलता जुलता है

टीम एक्शन इंडिया/शिमला/चमन शर्मा

राजधानी शिमला के शोघी इलाके में शनिवार को एक पाकिस्तानी गुब्बारा मिला। शोघी से सटे गांव मथोली के जंगल में मिले इस गुब्बारे का आकार हेलीकॉप्टर के आकार से मिलता जुलता है। इस पर लाल रंग से पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस और एसजीए लिखा है गुब्बारा पीले रंग का है। गुब्बारे पर सबसे पहले स्थानीय लोगों की नजर पड़ी। उन्होंने तुरंत इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। बालूगंज पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और गुब्बारे को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने जांच शुरू कर दी

है। बता दें कि शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश स्थानों में से ऐसे गुब्बारे मिलना कोई नई बात नहीं है। पहले भी ऐसे कई गुब्बारे मिल चुके हैं। इसी साल फरवरी महीने में शिमला जिला के कुमारसेन में भी पाकिस्तान इंटरनेशनल के प्रतीक चिन्ह वाला पाकिस्तान गुब्बारा मिला था। बहरहाल शिमला में पाकिस्तानी गुब्बारा मिलना संदेहास्पद है। गुब्बारा मिलने की घटना के बाद जांच एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं। शिमला पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि बालूगंज पुलिस ने गुब्बारे को अपने कब्जे में ले लिया है, तथा इस बारे गहनता से जांच की जा रही है।

डीनक में एक दिवसीय जागरूकता शिविर

टीम एक्शन इंडिया/मंडी/खेमचंद शास्त्री

अल्पसंख्यक समुदाय के कल्याणार्थ सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं बारे जागरूक करने के दृष्टिगत 24 मई को ग्राम पंचायत डीनक में एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया जायेगा। यह जानकारी जिला कल्याण अधिकारी मंडी समीर ने देते हुए बताया कि जागरूकता शिविर की अध्यक्षता अतिरिक्त उपायुक्त निवेदिता नेगी करेगी। उन्होंने बताया कि जागरूकता शिविर में शिक्षा, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, श्रम एवं रोजगार, महिला एवं बाल विकास, उद्योग विभाग द्वारा अल्पसंख्यकों के कल्याणार्थ संचालित योजनाएं तथा अन्य विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जायेगी।

लोकतंत्र की मजबूती के लिए युवाओं की भागीदारी जरूरी : हेमराज बैरवा

8 एक अक्तूबर 2023 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा अपने नाम मतदाता सूचियों में दर्ज करवा सकते हैं।

टीम एक्शन इंडिया/हमीरपुर /विवेकानंद वशिष्ठ

उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हेमराज बैरवा ने कहा है कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए युवाओं की भागीदारी बहुत जरूरी है। इसके बिना सशक्त लोकतंत्र की कल्पना ही नहीं की जा सकती है। शनिवार को राजकीय डिग्री कालेज हमीरपुर में भारत निर्वाचन आयोग के जागरुकता कार्यक्रम स्वीप सिस्टेमेटिक वोटर एजूकेशन एंड इलेक्टोरल पार्टिसिपेशन के तहत

गठित कालेज के इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब ईएलसी के कार्यक्रम में युवाओं के साथ संवाद के दौरान उपायुक्त ने कहा कि भारतीय संविधान ने 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को मतदान का अधिकार दिया है। प्रत्येक नागरिक को इस अधिकार का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने फोटोयुक्त मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण कार्य को एक सरल एवं निरंतर प्रक्रिया का रूप दिया है। इसलिए 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी युवाओं को अपना नाम मतदाता सूचियों में अवश्य दर्ज करवाना चाहिए तथा प्रत्येक मतदान प्रक्रिया में अपने मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि एक अक्तूबर 2023 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले सभी युवा अपने नाम मतदाता सूचियों में दर्ज करवा सकते हैं।

इसके लिए वे अपने बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं या फिर ऑनलाइन वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से भी आवेदन कर सकते हैं।उपायुक्त ने स्वीप कार्यक्रम के तहत डिग्री कालेज के विद्यार्थियों को समझाया मतदान का महत्व इस अवसर पर निर्वाचन विभाग के तहसीलदार उपेंद्र नाथ शुक्ला और ईएलसी के नोडल अधिकारी डॉ उत्तम चंद ने क्लब के महत्व पर प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों को मतदान प्रक्रिया एवं ईवीएम के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार प्रत्येक माह के तीसरे शनिवार को स्वीप कार्यक्रम के तहत जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में राजकीय डिग्री कालेज हमीरपुर के अलावा जिले भर के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों में भी ईएलसी के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं तथा विद्यार्थियों को मतदान के महत्व से अवगत करवाया जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

किन्नौर जिला में 1766 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच व 526 व्यक्तियों को दिव्यांगता प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया

टीम एक्शन इंडिया/किन्नौर/ अनिल

किन्नौर जिला में 15 से 20 मई, 2023 तक आयोजित किए गए विशेष चिकित्सा शिविर के समापन दिवस पर उपायुक्त किन्नौर तोरूल एस रवीश ने कहा कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जिला के दिव्यांग व्यक्तियों को विशेष विकलांगता प्रमाण-पत्र प्रदान करने के उदेश्य से जिला में छः दिवसीय विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 1766 व्यक्तियों की स्वास्थ्य जांच की गई तथा 526 व्यक्तियों को दिव्यांगता प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

उन्होंने कहा कि किन्नौर जिला में चार वर्षों के उपरानत इस प्रकार के विशेष चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसके तहत जिला के दिव्यांग व्यक्तियों को उनके घर-द्वार के निकट विकलांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध करवाए गए ताकि वह केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सोनम नेगी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग किन्नौर द्वारा इस विशेष चिकित्सा शिविर का सही प्रकार से कार्यन्यवन सुनिश्चित बनाया गया तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जिला के दिव्यांगजनों को उनके घर-द्वार पर दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी किए गए तथा उनकी पूर्ण चिकित्सकीय जांच सुनिश्चित की गई। उन्होंने बताया कि जिला 15 व 16 मई, 2023 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पूह में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 250 लोगों की जांच व 28 लोगों को दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी किया गया। इसी प्रकार 17 व 18 मई, 2023 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भावानगर में जिसमें 718 लोगो की जांच व 145 लोगों का दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी किया गया तथा 19 व 20 को क्षेत्रिय अस्पताल रिकांगपिओ में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 798 लोगों की जांच व 353 लोगों का दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी किया गया।

आईएएस करके लोकभलाई को महत्व देंगी जिज्ञासा शर्मा

टीम एक्शन इंडिया/गोहर/ सुभाग सचदेवा

कौन कहता है सरकारी स्कूलों में पढ़ाई अच्छी नहीं होती अगर पढ़ने को मन हो तो सब कुछ संभव है। कहावत है हाथ कंगन को आरसी क्या पढ़े लिखे को फारसी क्या। कुछ ऐसा ही अजूबा कर दिखाया है राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गोहर की छात्रा जिज्ञासा शर्मा ने। जिज्ञासा शर्मा जो बग्गी के व्यवसाई जगदीश शर्मा की बेटी हैं उनकी माता ग्रहणी है बग्गी के पाधरु से से रोजाना 15 किलोमीटर बस का सफर करके राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला गोहर पढ़ने आती थी। पढ़ने में शुरू से ही कुशाग्र रही जमा दो के वार्षिक प्रणाम में हिमाचल भर में पांचवा स्थान प्राप्त करके उसने अपने माता-पिता व स्कूल का नाम रोशन किया है जिज्ञासा शर्मा ने बताया वह उच्च शिक्षा प्राप्त करने के आईएएस करना चाहती हैं आईएस करके लोक भलाई को महत्व देंगी जिज्ञासा शर्मा ने बताया रोजाना पांच से 6 घंटे पढ़ाई करती थी उसे सही दिशा निर्देश उसके अध्यापक वर्ग और माता-पिता द्वारा अच्छी संस्कार दिए गए हैं जिसके चलते उस मुकाम पर पहुंची है।

मैहतपुर बाजार में आज बिजली बंद

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

11 केवी लाइन मैहतपुर फीडर के जरूरी रखरखाव के लिए मैहतपुर बाजार में 21 मई को सुबह 8 से दोपहर दो बजे तक बिजली बाधित रहेगी। यह जानकारी विद्युत उपमंडल मैहतपुर के सहायक अभियंता ई. प्रताप ठाकुर ने दी। उन्होंने सभी विद्युत उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

मिशन लाइफ के तहत लाहौल स्पीति में आयोजित होंगी विभिन्न गतिविधियां

टीम एक्शन इंडिया/कुल्लू/श्याम कुल्वी

मिशन लाइफ पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली के तहत जिला लाहौल स्पीति में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। केलांग मुख्यालय में मिशन लाइफ कार्यक्रम से संबंधित जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त लाहौल स्पीति राहुल कुमार ने बताया कि मिशन लाइफ का उद्देश्य जिला के पर्यावरण को संरक्षित रखना है। इसके अंतर्गत पर्यावरण के अनुरूप जीवनशैली अपनाने को लेकर लोगों में जानकारी एवं जागरूकता के लिए जिला में विभिन्न विभागों के सहयोग से 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा आयोजित की जाने वाली गतिविधियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा पर आवश्यक निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कहा कि चूंकि जिला की सभी ग्राम पंचायतों में मिशन लाइफ के तहत गतिविधियां और कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ऐसे में अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के लिए जन सहभागिता को अभियान का हिस्सा बनाया जाएगा। वन मंडल अधिकारी अनिकेत बानवे ने बताया की राज्य पर्यावरण, विज्ञान प्रौद्योगिकी और जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा तैयार की गई कार्य योजना के आधार पर गतिविधियों का आयोजन सुनिश्चित किया जाए। वन मंडल अधिकारी ने आयोजित की जाने वाली महत्वपूर्ण गतिविधियों के तहत विभागवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए प्लास्टिक सफ ाई अभियान, पौधारोपण, प्लास्टिक के उपयोग को रोकने जल स्रोतों की साफ.सफाई, पदयात्रा गतिविधियां, शिक्षण संस्थानों में भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिताएं एवं जागरूकता कार्यशाला इत्यादि सुनिश्चित बनाई जाएगी। वन मंडल अधिकारी ने यह भी बताया कि गतिविधियों के लिए वन विभागद्व उद्यान विभाग एकृषि विभाग के अधिकरियों ने कार्य योजना को आपसी समन्वय के साथ पौधारोपण गतिविधियों में शामिल किया है।उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर कूड़े.कचरे के प्रभावी प्रबंधन पर जोर दिया जाएगा उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट कार्य करने वाली ग्राम पंचायतों को सम्मानित किया जाएगा।

जन आरोग्य समिति के अध्यक्ष बने गुलजार सिंह

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

पीएचसी देहलां की जन अरोग्य समिति के अध्यक्ष गुलजार सिंह को चुना गया। जबकि उपाध्यक्ष बीएमओ मैहतपुर राम पाल शर्मा व डॉ सुनील कुमार को सचिव चुना गया। वही पीडब्ल्यूडी के एसडीओ अरविंद चौधरी, मानव कल्याण समिति के अध्य्क्ष संजीव सोनी, प्रधान देहलां अपर राजिंदर कुमार, लोअर देहलां प्रधान संतोष कुमारी, प्रधान बडोलियाँ कलां मंजीत कौर, प्रधान चताडा नीलम ठाकुर, स्वास्थ्य कर्मचारी देहलां को सदस्य के रूप में चुना गया। शनिवार को आयोजित पहली बैठक में समिति के अध्य्क्ष गुलजार सिंह ने बताया कि पीएचसी के अंदर जितने भी सब सेंटर पड़ते है, उनकी देखभाल का ध्यान रखा जाएगा।

कैच द रैन पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

टीम एक्शन इंडिया/कुल्लू/श्याम कुल्वी

नेहरू युवा केंद्र कुल्लू युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में कैच द रेन कार्यक्रम के अंतर्गत शहीद बालकृष्ण राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला छात्र ढालपुर कुल्लू में छात्रों में जल संरक्षण के लिए जागरूकता हेतु चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, कुल 30 छात्रों द्वारा प्रतियोगिता में भाग लिया गया एवं रंगों के माध्यम से जल संरक्षण के मॉडल्स की जानकारी दी गई। निर्णायक मण्डल की भूमिका में विवेक जी साइंस अध्यापक, भावना हिन्दी अध्यापक, श्याम सुंदर अध्यापक सोशल साइंस रहे वही विधालय के प्रधानाचार्य प्रेम ठाकुर ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जल संरक्षण का तात्पर्य है कि जल को व्यर्थ न करना और इस्तेमाल

किए हुए जल का पुनर्चक्रण करना भारत के जिन राज्यों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध है वह 50प्रतिशत से भी कम है इसमें कोई संदेह नहीं कि जल का संरक्षण करना बहुत ही आवश्यक है ताकि गांव और सभी जिलों में लोगों को पीने का स्वच्छ जल उपलब्ध हो। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान ग्यारवी ऑट्र्स के छात्र हर्ष द्वारा प्राप्त किया गया, वही परमिंदर सिंह ने द्वितीय स्थान हासिल किया एवं तृतीय स्थान पर बारवी के छात्र रितेश रहे। विजयी प्रतिभागियो को स्कूल के प्रधानाचार्य एवं नेहरू युवा केंद्र के लेखा एवं कार्यक्रम पर्यवेक्षक कल्याण सिंह नेगी द्वारा कैरम बोर्ड एचैसएबैडमिंटन देकर पुरुस्कृत किया गया जिससे कि युवाओं का पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी रुझान बड़े । नेहरू युवा केंद्र कुल्लू की राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवी हर्षना, श्याम लाल हंडा, अमित कौंडल कला अध्यापक विशेष रूप में उपस्थित रहे।

नाट्य कार्यशालाओं में पहली कार्यशाला का समापन

टीम एक्शन इंडिया/कुल्लू/श्याम कुल्वी

स्थानीय संस्था ऐक्टिव मोनाल कल्चरल ऐसोसिएशन कुल्लू द्वारा कुल्लू में आसपास के स्कूलों में आयोजित की जा रही नाट्य कार्यशालाओं में पहली कार्यषाला का समापन राजकीय उच्च विद्यालय भूलन्ग में हुआ। 21 दिन तक चली इस कार्यशाला का संचालन संस्था के रंगकर्मी जीवानन्द चौहान ने किया। इस कार्यषाला में स्कूल के 15 बच्चों ने हिस्सा लिया और कार्यशाला के दौरान प्रतिभागी बच्चों के साथ एक लघु नाटक अंग्रेजो भारत मत छोड़ो भी तैयार किया और इस नाटक का मंचन विद्यालय प्रांगण में विद्यार्थियों, अविभावकों और

अध्यापकों के समक्ष सफलतापूर्वक किया गया। हरिप्रसाद द्वारा लिखित तथा जीवानन्द चौहान द्वारा निर्देषित यह नाटक बताता है भारत से अंग्रेज तो चले गए लेकिन अपनी छाप अभी तक यहाँ छोड़ गए हैं। जिसका प्रभाव हमारे देष के युवाओं, देश की व्यवस्था और लोगों के आम जीवन पर पड़ रहा है। हम अपनी संस्कृति भुलाकर पाष्चात्य संस्कृति की तरफ भाग रहे हैं और जिससे हमारे युवा अपनी जड़ों से कट रहा है। साथ ही हमारे देष की कानून व्यवस्था और प्रषासन पर भी अंग्रेजि?त का प्रभाव दिखता है। हमारे देश में ऐसे बहुत से कानून है जो अंग्रेजों के समय से चले आ रहे हैं जिससे आम आदमी को आसानी से न्याय नहीं मिलता और उच्च वर्ग को ज्यादा अहमियत दी जाती है। साथ ही हमारे देष की कानून व्यवस्था और प्रषासन पर भी अंग्रेजि?त का प्रभाव दिखता है। हमारे देश में ऐसे बहुत से कानून है जो अंग्रेजों के समय से चले आ रहे हैं जिससे आम आदमी को आसानी से न्याय नहीं मिलता और उच्च वर्ग को ज्यादा अहमियत दी जाती है। साथ ही हमारे देश की शिक्षा पद्वति भी अंग्रेजों की ही लागू हुई है जिसकी वजह से देश के युवा अपनी संस्कृति और संस्कारों से कट कर पाष्चात्य संस्कृति को अपना रहे हैं। नाटक में निशा, करना, मधु, जतिन, सोनू, इतिहासा, दिव्या, दिपांकुर तथा धर्म चन्द आदि बच्चों ने अपनी प्रतिभा निभाई। विद्यालय के मुख्य अध्यापक देवी सिंह ने संस्था के इस प्रयास का खूब सराह और कहा िकइस कार्यशाला से प्रतिभगी बच्चों के व्यक्तित्व में स्पश्ट बदलाव देखने को मिला और और इस तरह की कार्यशालाएँ भविश्य में भी आयोजित होंगी तो स्कूल इसमें संस्था का पूरा सहयोग करेगा।

12वीं में टॉप 6 में पहुंची नेहा को जिला परिषद मनोज व प्रधान निर्मला ने किया सम्मानित

टीम एक्शन इंडिया/चम्बा/हामिद

शनिवार को घोषित हुए हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड की 12वीं कक्षा के परिणामों में पलयूर पंचायत की बेटी ने अपने माता-पिता के साथ-साथ स्कूल का नाम भी रोशन किया है तथा प्रदेश भर में छठा स्थान प्राप्त कर बेटी है अनमोल कहावत को सिद्ध कर दिया है। पल्यूर पंचायत निवासी नेहा कुमारी ने यह कारनामा जमा दो परीक्षा के कला संकाय मैं प्राप्त किया है। नेहा कुमारी कला संकाय में पूरे प्रदेश में छठवें स्थान पर रही। शनिवार को हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड धर्मशाला द्वारा बाहरवीं कक्षा का परिक्षा परिणाम घोषित किया। इसमें चम्बा जिला की ग्राम

पंचायत पल्यूर के गांव ध्रापड़ा निवासी नेहा कुमारी पुत्री सुरेश कुमार ने कला संकाय में प्रदेश भर में छठा स्थान प्राप्त करके चम्बा का नाम रोशन किया है । नेहा ने बाहरवीं कक्षा की परिक्षा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बरौर से की है। इस खबर के सुनते ही पूरी साल घाटी में खुशी का माहौल है। सोशल मीडिया पर बधाई का तांता लग गया। वहीं आज पंचायत घर पल्यूर में पहुंच कर जिला परिषद सदस्य मनोज कुमार मनु ने नेहा कुमारी व उनके माता पिता को हारएटॉपीए बैज व समृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। नेहा के पिता सुरेश कुमार पेशे से दर्जी का कार्य करते हैं तो वहीं माता कांतो गृहणी है। अपनी इस कामयाबी का श्रेय नेहा ने अपने माता पिता व गुरुजनों को दी है। नेहावने बताया कि वो आईएएस ऑफिसर बनना चाहती है। वहीं जिला परिषद मनोज कुमार ने बताया कि नेहा को सम्मानित करते हुए वह अपने आप को गौरवांवित महसूस कर रहे हैं । नेहा ने प्रदेश भर में छठा स्थान प्राप्त कर पूरी साल घाटी को गौरवांवित किया है। वहीं इस कार्यक्रम में मौजूद प्रधान ग्राम पंचायत पल्यूर निर्मला देवी ने नेहा को बधाई देते हुए कहा कि हमारी पंचायत के लिये यह बहुत गर्व की बात है ।

उन्होंने अन्य बेटियों को भी नेहा से प्रेरणा लेने की बात कही है। इस मौके पर नेहा कुमारी के साथ साथ उनके पिता सुरेश कुमार उप प्रधान पल्यूर मुहम्मद सैहन अब्दुल बारी, हरीश, चिंता देवी, नरेंद्र कुमार, बिंदिया गौस्वामी, अलादित्ता, शीतल, नंदिनी आदि मौजूद रहे।

मतदाता जागरूकता अभियान आयोजित

टीम एक्शन इंडिया/ऊना/राजन पुरी

राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय ऊना के मतदाता साक्षरता क्लब द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, रोवर्स व रेंजर्स, एमए, एमकॉम के 88 छात्रों ने हिस्सा लिया। इस अभियान के अंतर्गत छात्रों को अपना मत बनवाने तथा अन्यों को भी मत बनवाने के लिए प्रेरित करने एवं आगामी लोकसभा चुनाव 2024 में अपनी सक्रिय भूमिका अदा करने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के

मतदाता साक्षरता क्लब के डॉ राजेंद्र कुमार, डॉ. प्रोमिला, डा. मोनिका खन्ना, डा. शाम सिंह बैंस, डॉ. रंजू बनोटा तथा डॉ. गगनदीप उपस्थित रहे। इस अभियान के अन्तर्गत सभी छात्रों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

न्यूज फ्लैश

यमुना एक्सप्रेस वे पर टकराई दो सवारी बस, मची चीख पुकार

मथुरा। यमुना एक्सप्रेस वे पर रात दो बसें आपस में टकराने से चीखपुकार मच गई। हादसे के समय दोनों बसों में करीब एक सैकडा सवारी थीं। जिनमें से करीब दो दर्जन सवारियां घायल हुई हैं। एक सवारी की मौत हो गई जबकि चार की हालत गंभीर बनी हुई है। आशंका जताई जा रही है कि हादसा ड्राइवर को नींद की झपकी आने के कारण हुआ। आगरा से नोएडा जा रही वोल्वो बस संख्या यूपी 81 सीटी 8892 यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन 69 पर सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान गोंडा से दिल्ली जा रही बस संख्या यूपी 22 एटी 3152 ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे की जानकारी मिलते ही नौहझील पुलिस और एक्सप्रेस वे कर्मी मौके पर पहुंच गए। पुलिस और स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने बसों में फंसे घायलों को निकाला और इलाज के लिए सीएचसी नौहझील पहुंचाया। हादसा सुबह करीब साढ़े छह बजे हुए जब बस का चालक बदलने के लिए माइलस्टोन 69 पर बस यूपी 81 सीटी 8892 के चालक ने बस को किनारे खडा कर दिया था। अभिषेक निवासी सुभाष नगर अतरौली जिला बलरामपुर, रुपेश निवासी जमानियां गाजीपुर, अनामिका चैबे निवासी दिल्ली, हरी निवासी मुबारकपुर हापुड़, अजीत निवासी कलौठरा राजस्थान, मोहम्मद अमान निवासी अंबेडकर नगर, संदीप शर्मा उत्तम नगर दिल्ली, उमाशं निवासी दिल्ली, प्रिया निवासी इंदिरा कालोनी रोहतक हरियाणा, अभिजीत निवासी निराला नगर लखनऊ, राम संजीवन निवासी मौहबा, सुशील कुमार निवासी कशाल, शाक्षी, सुनील निवासी राजस्थान आदि घायल हुए हैं।

मोबाइल चोर गिरोह से 10 लाख के मोबाइल बरामद

मथुरा। शातिर मोबाइल चोर गैंग के नौ सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 31 मोबाइल बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 10 लाख 30 हजार है। पुलिस के मुताबिक नौ लोगों का एक गैंग है, ये सभी लोग पूरे जनपद में फैल जाते है, मथुरा एक धार्मिक पर्यटक स्थल है यहां बाहर से श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं। मथुरा शहर व मथुरा के आस पास के भीड़भाड़ वाले स्थानों मन्दिरों, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन आदि से आने जाने वाले श्रद्धालुओं के मोबाइल, पैसे व पर्स आदि चोरी करते हैं। इस गैंग के कुछ सदस्य मोबाइल का लॉक तोड़ने में मदद करते हैं। फिर आस पास चलते राहगीरों को सस्ते दामों में बेच देते हैं। चोरी किये गये मोबाइलों की बिक्री से जो पैसा मिलता है उसको ये सभी नौ लोग आपस में बराबर बराबर बांटकर हिस्सा बांट कर लेते है। राजा खान उर्फ राजा बाबू पुत्र रसीद खान निवासी विसायती खिडकी कच्ची सडक थाना गोविन्दनगर, कुलदीप चौधरी पुत्र अर्जुन सिंह निवासी कच्ची सडक थाना गोविन्दनगर, इकराम पुत्र बिन्दू खां निवासी डहरूआ थाना जमुनापार, इमरान पुत्र फारूख निवासी सुखदेवनगर, इस्लाम पुत्र बिन्दू खां निवासी डहरूआ, नन्हे पुत्र गुलाब निवासी डहरूआ थाना जमुनापार, सुभाष पुत्र वेदप्रकाश निवासी डहरूआ, प्रकाश शर्मा पुत्र महावीर प्रसाद शर्मा निवासी सिद्धार्थनगर थाना जमुनापार तथा देवेन्द्र उर्फ देवू पुत्र निरोत्तम सिंह निवासी बहादुरपुरा थाना कोतवाली जिला मथुरा को छोटी रेलवे लाइन टिकट घर से 15 से 20 कदम आगे अमरनाथ स्कूल की तरफ पटरी किनारे से गिरफ्तार किया गया।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का बलिदान दिवस आज

मथुरा। जिला कांग्रेस कमेटी मथुरा के अध्यक्ष चैधरी भगवान सिंह वर्मा ने बताया कि रविवार को दोपहर 12 बजे जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय सेठ बाड़ा मथुरा पर आधुनिक भारत के निमार्ता, भारत रत्न स्व. राजीव गांधी का बलिदान दिवस मनाया जाएगा। मथुरा जनपद के समस्त एआईसीसी सदस्य, पीसीसी सदस्य, पूर्व सांसद, पूर्व सांसद प्रत्याशी, पूर्व विधायक, पूर्व विधायक प्रत्याशी, पूर्व मेयर प्रत्याशी व कांग्रेश के पार्षद व पार्षद प्रत्याशी रहे, समस्त कार्यकर्ता, जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, समस्त फ्रन्टल संगठनों के सम्मानित अध्यक्ष व उनकी कमेटियां, महिला कांग्रेस अध्यक्षा व उनकी कमेंटीयाँ, नगर पंचायत, ब्लॉक अध्यक्ष व सम्मानित सभी कांग्रेस कार्यकताओं को आमंत्रित किया गया है।

अवैध खनन में लगे ट्रैक्टर ने ली बच्चे की जान

मथुरा। बलरई गांव में करीब चार दिन पूर्व अवैध मिट्टी खनन में लगे ट्रैक्टर ट्राली के चालक की लापरवाही ने एक बच्चे की जान ले ली। पीड़ित पिता ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। मृतक बालक के पिता गौरव ने बताया कि उसके गांव में कुछ दिन से अवैध रूप से मिट्टी खनन का काम चल रहा है। जिसकी शिकायत उन्होंने खनन अधिकारी से की थी। लेकिन इस मामले में अधिकारियों ने कोई कार्यवाही नहीं की। 15 मई को उसका बेटा हर्षित गली में दुकान पर कुछ सामान लेने गया था। तभी मिट्टी भर कर ला रहे ट्रैक्टर चालक ने बेटे को टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे उपचार के लिए फरीदाबाद मेट्रो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई। ट्रैक्टर चालक ब्रह्मा नामक व्यक्ति के खिलाफ थाने में तहरीर दी है।

प्रशासन का अटके कामों को पूरा करने पर जोर

कराये जा रहे कार्यो की कार्यदायी संस्थाओं के साथ समीक्षा बैठक की

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा/लोकेश चौधरी

जिलाधिकारी पुलकित खरे ने कलेक्ट्रेट सभागार में विधानमंडल क्षेत्र विकास निधि योजना एवं सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यो की कार्यदायी संस्थाओं के साथ समीक्षा बैठक की। समस्त कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि जिन कार्यों पर अभी द्वितीय किस्त की मांग नही गई है, उन पर तत्काल द्वितीय किस्त की मांग करते हुए उन सभी कार्यों पर द्वितीय किस्त की

धनराशि प्राप्त कर 15 जून तक कार्य पूर्ण करायें। इसी प्रकार जो कार्य अभी प्रारम्भ नहीं हुए है उन्हें तत्काल प्रारम्भ कराते हुए जून तक पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा यह भी निर्देश दिये गये कि कार्यों की गुणवत्ता मानक के अनुसार ही हो, इसमें किसी भी प्रकार विचलन न किया जाय। सहायक अभियन्ता, जिला ग्राम्य अभिकरण मथुरा को निर्देशित किया गया है कि जो कार्य पूर्ण हो गये हैं तथा उनके कार्य पूर्ति प्रमाण पत्र प्राप्त हो गये हैं, उनका पुनः स्थलीय सत्यापन अनिवार्य रूप से कर लिया जाए। बैठक में मनीष मीना मुख्य विकास अधिकारी, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट ध्रुव खादिया, डा. अजय कुमार वर्मा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी फरह, अनिल कुमार अग्रवाल सहायक अभियन्ता जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, विनय कुमार अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, संजय गंगवार अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड, के.के शर्मा अधिशासी अभियन्ता जल निगम, कौशलेन्द्र चैधरी अधिशासी अभियन्ता मथुरा-वृन्दावन विकास प्राधिकरण, वाईपी सिंह क्षेत्रीय प्रबन्धक उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम, बृज बिहारी खण्ड विकास अधिकारी गोवधन एवं छाता अभियन्त्रण विभाग विकास खण्ड मथुरा देवेन्द्र कुमार अवर अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग विकास खण्ड फरह उपस्थित थे।

अंत्योदय मेलाः 66 लाभार्थियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

टीम एक्शन इंडिया / संजय शर्मा

नारनौल। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना के तहत लघु सचिवालय के नजदीक स्थित सभागार में नारनौल खंड के लाभार्थियों के लिए लगे अंत्योदय मेले का आज समापन हो गया। मेले में आज आखरी दिन 66 लाभार्थियों ने अपना पंजीकरण करवाया। जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने बताया कि नारनौल खंड के तीन दिवसीय अंत्योदय मेले में कुल 358 लाभार्थियों ने फायदा उठाया है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने बताया कि अब यह मेला आगामी 23 से 25 मई तक नांगल चौधरी के राजकीय महिला कालेज में लगेगा। इस मेले में 884 पहले से ही चिन्हित लाभार्थियों को बुलाया गया है।

जिला प्रशासन की ओर से लाभार्थियों को फोन किए जा रहे हैं। इसके अलावा अन्य माध्यमों से भी उनसे संपर्क किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने किया ग्रामीण हलका प्रधान धर्मबीर राठी के कार्यालय का उद्घाटन

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत

उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने शुक्रवार शाम को तहसील कैंप मोड स्थित जजपा के पानीपत ग्रामीण हलका अध्यक्ष धर्मबीर राठी द्वारा बनाये गये पानीपत ग्रामीण हलके के कार्यालय का रीबन काटकर उदघाटन किया। वहीं कार्यालय में पहुंचने पर उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला का धर्मबीर राठी सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कार्यकर्ताओं की समस्याएं भी सुनी और उनका मौके पर ही निदान कर दिया। वहीं ग्रामीण हलका प्रधान धर्मबीर राठी ने कार्यालय के उदघाटन पर पहुंचने पर सभी कार्यकर्ताओं व गणमान्य लोगों का आभार व्यक्त किया।

दीनदयाल उपाध्याय जन्मभूमि स्मारक समिति की कार्यकारिणी गठित

मथुरा। अंत्योदय की प्रेरणा स्थली दीनदयाल धाम की स्मारक समिति की नवीन कार्यकारिणी का गठन हुआ।चुनाव अधिकारी सतीश कुमार ने चुनाव को संपन्न कराया। चुनाव में मधुसूदन दादू को अध्यक्ष केशव देव शर्मा को मंत्री चुना गया।उपाध्यक्ष के पद पर एस एन कॉलेज के प्राचार्य डॉ प्रशांत गुप्ता तथा डॉक्टर मालती मिश्र मथुरा को चुना गया।सह सचिव राजीव गुप्ता और प्रेम अग्रवाल चुने गए। कोषाध्यक्ष अभिषेक जैन चुने गए।चुनाव संपन्न होने पर संघ के सरकार्यवाह डॉ कृष्ण गोपाल ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बताए हुए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी और कहा कि क्षेत्र में रोजगार स्वास्थ्य समाज परिवर्तन के लिए नई समिति कार्य करें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विद्यार्थियों को सभी लाभ मिल सके।

नशा तस्करों पर पुलिस ने कसा शिकंजा, हजारों नशीले कैप्सूल सहित यूपी का मेहंदी काबू

टीम एक्शन इंडिया/अम्बाला (मनीष कुमार)

अम्बाला में नशीले पदार्थों की तस्करी करने वालों की पुलिस ने एक बार फिर से शिंकजा कसना शुरू कर दिया है। पिछले दो महीने के दौरान अम्बाला में भारी मात्रा में नशीले पदार्थ बरामद किये गए है तथा कई लोगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

अंबाला में एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने नशीले कैप्सूल की बड़ी खेप के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। वैसे तो आरोपी गैस चूल्हा रिपेयर करने का काम करता है, लेकिन । पुलिस की टीम को मुखबिर ने सूचना दी थी कि आरोपी नशीले

कैप्सूल बेचने का भी धंधा करता है। पुलिस आरोपी से 3600 नशीले कैप्सूल बरामद कर पूछताछ में जुटी है। एसपी जशनदीप सिंह रंधावा ने बताया कि। पुलिसकी टीम महेश नगर रामा पैट्रोल पंप के पास गश्त पर तैनात थी। इसी बीच, गुप्त सूचना मिली कि पूजा विहार निवासी मेंहदी की करधान रोड पर मेंहदी हसन रिपेयर हाउस (गैस चूल्हा रिपेयर) नाम से दुकान है। आरोपी भारी मात्रा में नशीले कैप्सूल बेचने का धंधा करता है। आरोपी करधान रोड की तरफ से टांगरी नदी के बंधे की तरफ आएगा। सूचना ने मुखबिर की सूचना पर नाकाबंदी की। इस दौरान एक व्यक्ति हाथ में बैग पकड़े आता हुआ दिखाई दिया।

गोवर्धन परिक्रमा में तेंदुए की आहट, पहुंची टीम

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा। जतीपुरा परिक्रमा मार्ग स्थित एक कॉलोनी में दो दिनों से तेंदुआ दिखाई देने से लोगों में दहशत है। तेंदुआ के विचरण करने की तस्वीर कॉलोनी में घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई हैं। कोलोनी के लोगों ने इसकी सूचना वन विभाग और गोवर्धन पुलिस को दी। वन विभाग टीम ने सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद कहा कि दिख रहा जानवरी जंगली बिल्ली भी हो सकता है। शुक्रवार की देर शाम जतीपुरा गिरिराज परिक्रमा मार्ग स्थित श्रीजी नगर कॉलोनी में तेंदुए के विचरण करने की जानकारी लोगों को हुई तो कॉलोनी में दहशत फैल गई। दहशत में आए लोग घरों में दुबक गए।

इसकी सूचना वन विभाग और थाना पुलिस को दी। आनन फानन में वन विभाग की टीम श्रीजी नगर कॉलोनी पहुंची और ग्रामीणों के साथ तेंदुए की खोजबीन में जुट गई। वहां तेंदुआ तो नहीं मिला लेकिन उसके पैरों के निशान (चिन्ह) टीम ने देखे। एक मकान के बाहर लगे सीसीटीवी फुटेज वन विभाग की टीम ने लिए। सीसीटीवी फुटेज में एक तेंदुआ कॉलोनी में घर के बाहर विचरण करता दिखाई दे रहा है। घर के बाहर पानी की टंकी से पानी पीता दिखाई दिया।

श्रीजी नगर कॉलोनी में तेंदुए के विचरण करने की सूचना मिली थी। वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, वहां तेंदुए के पैरों के चिन्ह तो नहीं मिले। सीसीटीवी फुटेज मिला है। उसमें वह जंगली बिल्ली प्रतीत हो रही है। फिर भी उस एरिया में वन विभाग की टीम पेट्रोलिंग कर रही है। -आशीष कुमार, वन दरोगा।

समाधान दिवस में उमड़ी शिकायतकर्ताओं की भीड़

मथुरा। शनिवार को गोवर्धन के खंड विकास कार्यालय पर सम्पूर्ण समाधान दिवस एसडीएम कमलेश गोयल की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। 20 शिकायत दर्ज हुईं, एक भी शिकायत का मौके पर निस्तारण नहीं हो सका। बरसाना थाना क्षेत्र में पानी निकासी के विवाद में पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगा है। इसके अलावा गोवर्धन पुलिस पर अड़ींग के सहरा पायसा में पानी के निकास को लेकर पुलिस पर दबंगों को संरक्षण देने का आरोप है। एस डीएम कमलेश गोयल ने संबंधित थानाध्यक्षों को संबंधित प्रकरण की जांच कराकर कार्रवाई के निर्देश दिए। एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में ज्यादातर विभागों के अधिकारी अनुपस्थित थे।

मोदी जी के छोटे भाई किडनी फेल का इलाज करवाने पहुंचे हिम्स

गुरुग्राम : पीएम मोदी जी के छोटे भाई, प्रहलाद मोदी जी अपनी किडनी फेल का इलाज हिम्स डेराबस्सी, चंडीगढ़ में करवाने पहुंचे। प्रहलाद मोदी जी दो साल से किडनी फेल की बीमारी से पीड़ित है और हफ्ते में दो बार डायलिसिस करवा रहे थे। मॉडर्न पैथी के डायलिसिस से परेशान होकर अब उन्होंने आयुर्वेद में आने का निर्णय लिया। हिम्स में आ कर वे यह जानना चाहते है की क्या उनकी पुरानी किडनी ही काम कर सकती है? हिम्स में आने से पहले उन्हें सीढ़ी चढ़ने, सांस फूलने, खाना खाने के बाद बेचैनी और बैठने में तकलीफ जैसी कई समस्याएं थी। हिम्स में आने के बाद उनकी तबीयत में बहुत सुधार हुआ है। अब सीढ़ी चढ़ने पर उनका सांस नहीं फूल रहा है, उनको खाना खाने के बाद और बैठने में कोई परेशानी नही है। प्रहलाद मोदी जी कई साल से शुगर और बीपी की दवाई भी खा रहे थे। अब उनका सुगर और बीपी भी नियंत्रित है। अभी हिम्स में उनका पंचकर्म, डाइट थेरेपी और ग्रैड सिस्टम के द्वारा इलाज चल रहा है। प्रहलाद मोदीजी के दो साल से हफ्ते में दो डायलिसिस चल रहे है पर हिम्स में आयुर्वेद के माध्यम से उनके डायलिसिस को कम करने का प्रयास चल रहा है। प्रहलाद मोदी जी ने कहा, "मुझे 1992 से डायबिटीज और हाई बीपी की समस्या थी। इसके कारण मेरी दोनो किडनी फेल हो गई थी और मैं डायलिसिस पर चला गया। फिर मुझे पता लगा की चंडीगढ़ के पास आचार्य मनीष जी का एक हिम्स अस्पताल है जहां से पानी की थेरेपी से डायलिसिस मुक्त हो सकते है। इस आशा की किरण के साथ मैं हिम्स पहुंचा और यहा आ कर मेरी थेरेपी तो शुरू हुई ही पर मुझे ऐसा एहसास भी हुआ की मैं अपने परिवार के बीच ही हूं।"

चिकित्सा के अवैध अड्डों पर कार्यवाही जारी, क्लीनिक किया

टीम एक्शन इंडिया/मथुरा

चिकित्सा के अवैध अड्डों पर कार्यवाही जारी है। अवैध रूप से संचालित क्लीनिकों पर छापेमारे कार्यवाही की जा रही है। शुक्रवार को बडी संख्या में ऐसे क्लीनिकों पर कार्यवाही हुई थी। इससे अवैध रूप से चिकित्सा कार्य में लगे लोगों में हड़कंप की स्थिति है। अभी तक महानगर में चल रहा यह अभियान अब नगर पंचायत स्तर पर पहुंच गया है। शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चैमुंहा के चिकित्सा प्रभारी डॉ. संदीप चैधरी ने चौमुंहा में चल रहे झोलाछाप क्लीनिक दीपक नर्सिंग होम को सील कर मुकदमा दर्ज कराया है। सीएमओ के आदेशानुसार चिकित्सा प्रभारी ने थाने पर दर्ज किए मुकदमे में बताया कि दीपक ठाकुर पुत्र बहादुर सिंह निवासी धनगांव का अवैध दीपक नर्सिंग होम चैमुंहा को सील किया गया।

इंद्रीश फाउंडेशन ने राजकीय स्कूल छबियाना किया अडॉप्ट

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)

इंद्रीश फाउंडेशन की ओर से नए प्रकल्प की शुरूआत की गई है। इसके तहत सरकारी स्कूलों को एडॉप्ट कर संस्था बच्चों के मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता अभियान चलाएगी।

इसके अलावा समय-समय पर सफाई अभियान पौध रोपण आदि प्रकल्प भी चलाए जाएंगे। इसी कड़ी में राजकीय स्कूल छबियाना में इस कार्य की शुरूआत की। इसके तहत इंद्रीश फाउंडेशन ने रीक्रिएट अर्थ के साथ मिलकर पहले

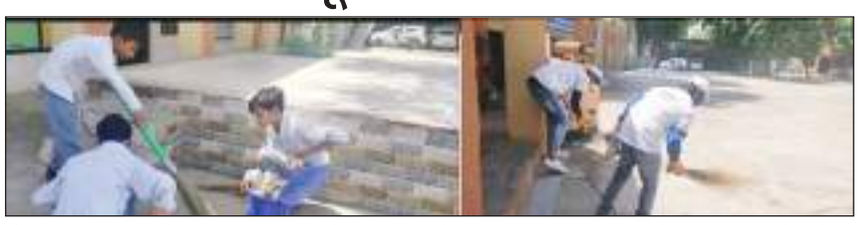

पौध रोपण किया और फिर स्कूल में सफाई अभियान चलाया गया। इसमें स्कूल की साफ सफाई की व बच्चों को साफ सफाई के लिए जागरूक किया गया। रिलायंस स्मार्ट बजार के वॉलिंटियर्स और साथ ही मैनेजर मनीष और शिव बाबू शुक्ला ने पूर्ण सहयोग किया। इसके अंतर्गत सभी बच्चों ने खुद आगे आकर स्कूल कि सफाई की व अपने कमरों व बैठने के स्थान की सफाई की और सुंदर तरीके से स्कूल को सजाने का प्रयास किया। इस दौरान बच्चों में खाद्य सामग्री भी वितरित की गई। इसमें आर्य गर्ल्स कॉलेज अंबाला कैंट की एनएसएस यूनिट प्रोग्राम ऑफिसर डॉक्टर अनिता गोदारा वा स्वयसेवकों ने हमारा पूरा सहयोग किया। इस दौरान समार्ट बाजार से शशी कुमार, मनीष, शिव कुमार, राकेश कुमार, राहुल, रीक्रिएट अर्थ से गीतांश, कशिश, गगन, मनीषा, इद्रीश फाउंडेशन से नेहा, दीपांश, अंकित, करिशमा, मुस्कान, कविता, मनप्रीति मौजूद रहे।

अब हरियाणा में कांग्रेस सरकार का बनना तय- सुनील पवार

टीम एक्शन इंडिया/अंबाला (मनीष कुमार)

हरियाणा में कांग्रेस पार्टी का आना सुनिश्चित है। कर्नाटक व हिमाचल में कांग्रेस की जीत के बाद अब हरियाणा में कांग्रेस सरकार का बनना तय हो चुका है। उपरोक्त दावा अंबाला शहर के कांग्रेस भवन में पंचायती राज संगठन के बैनर तले बुलाई गई कार्याकताओं की बैठक में बोलते हुए प्रदेशअध्यक्ष सुनील पवार ने कहे। बैठक का आयोजन कांग्रेंसी पार्षद मेघा गोयल व कांग्रेंसी नेता ईशु गोयल ने किया। पवार ने कहा कि कांग्रेंस एक थी और एक जुट ही रहेगी। उन्होनें कार्यकर्ताओं से आहवान किया कि सभी कार्यकर्ता एक होकर पार्टी को मजबूत करने

के लिए काम करें और हमारे राष्ट्रीय नेता राहुल गाधी की सोच को जन-जन तक पहुचांए। उन्होनें कहा कि राहुल गांधी का परिवार एक ऐसा परिवार है जिसने अपने खून का बलिदान देकर देश को सींचा है। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेंसी नेता निर्मला चौहान ने भी अपने विचार रखे। बैठक के आयोजक कांग्रेंस नेता ईशु गोयल

» लोग निगम प्रोपर्टी आईडी के लिए धक्के खा रहे है। इसमे बहुत घोलमाल किया जा रहा है

ने कहा कि अब समय आ गया है कि भाजपा का हरियाणा से सफाया करने का।

उन्होने कहा कि भाजपा के राज में अंबाला निगम में त्राहि-त्राहि मची हुई है।

लोग निगम प्रोपर्टी आईडी के लिए धक्के खा रहे है। इसमे बहुत घोलमाल किया जा रहा है। इस अवसर पर पार्षद मेघा गोयल ने कहा कि निगम में 100 से 200 की संख्या में ऐसे लोग आते है जिनकी फैमिली आईडी गलत कर दी गई है और इसे ठीक करवाने के लिए लोग दर दर की ठोकरे खा रहे है। गरीबों के राशन कार्ड काट दिए गए है, बुजुर्गो की पेशन काट दी गई है। जिनकी कोई सुनवाई नही की जा रही। आने वाले समय में भाजपा सरकार को इसकों खामियाजा भुगतना पडेगा। और कांग्रेंस भारी अंतराल से सत्ता में आएगी। इस अवसर पर कांग्रेंस की वरिष्ठ नेता किरण बाला जैन, राजरानी, खुशबीर, तरूण, किरण राणा, देवेन्द्र बजाज, कुलदीप सिंह राणा, हरजीत सिंह बबल, रजत अग्रवाल, बलविन्द्र पुनिया, रिकुं पुनिया, सुखविंदर शिंदा, नवनीत, बालकिशन, सुरज रशमी शर्मा, आशीष टक्कर, आदि उपरस्थित रहे।

महिपाल सिंह बने कांग्रेस पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ पानीपत ग्रामीण के हल्का अध्यक्ष

» सुभाष तंवर ने कहा कि महीपाल सिंह की नियुक्ति से ग्रामीण हलके में पार्टी संगठन को मजबूती मिलेगी

टीम एक्शन इंडिया/पानीपत

पानीपत जिला कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला चेयरमैन सुभाष तंवर ने कांग्रेस नेता महिपाल सिंह को पानीपत ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र का हल्का अध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रकोष्ठ के जिला चेयरमैन सुभाष तवंर और वरिष्ठ कांग्रेस नेता ओमवीर पंवार ने महिपाल सिंह को शनिवार को

नियुक्ति पत्र सौंपा।

सुभाष तंवर ने कहा कि महीपाल सिंह की नियुक्ति से ग्रामीण हलके में पार्टी संगठन को मजबूती मिलेगी। जबकि महीपाल सिंह ने कहा कि पिछड़ा वर्ग के साथ वंचित समाज के लोगों के हितों की आवाज उठाते हुये उनको कांग्रेस पार्टी के साथ जोडने का काम करेंगे।

संपादकीय

विकास न बने विनाश का कारण

भले ही जलवायु परिवर्तन को लेकर दुनिया के देश लाख चिंता जता रहे हों। शिखर सम्मेलनों में नित नए प्रस्ताव पारित किए जा रहे हों। पर वास्तविकता तो यही है कि दुनिया के देश पिछले आठ साल से लगातार सबसे ज्यादा गर्मी से जूझते आ रहे हैं। पिछले सालों में ग्लेशियरों के पिघलने की रफ्तार जिस तरह से बढ़ रही है। जिस तरह से जंगलों में दावानल हो रहा है। जिस तरह से समुद्री तूफान, चक्रवात या सुनामियां आए दिन अपना असर दिखा रही हैं। वास्तव में यह अत्यधिक चिंता का विषय बनता जा रहा है। इस क्षेत्र में काम कर रहे विशेषज्ञों का तो यहां तक मानना है कि ग्लेशियर किनारे बसे शहरों के अस्तित्व का संकट भी मुंह बाये खड़ा दिखाई देने लगा है। हालांकि समय पर सूचनाओं और डिजास्टर मैनेजमेंट व्यवस्था में सुधार का यह तो असर साफ दिखने लगा है कि प्राकृतिक आपदाओं के चलते जनहानि तो न्यूनतम हो रही है पर जिस तरह से धन-हानि हो रही है और आधारभूत संरचना को नुकसान पहुंच रहा है वह भी अपने आप में गंभीर है। दरअसल प्रकृति प्रदत्त उपहारों का जिस तरह से अंधाधुंध दोहन किया गया है और जिस तरह से नित नई सुविधाओं के साइड इफेक्ट जब तक हमारे सामने आते हैं तब तक हम बहुत कुछ खो चुके होते हैं। अब ग्लेशियरों के किनारों तक पहुंच और फिर पिकनिक स्पॉट की तरह उनका उपयोग होने से केवल प्लास्टिक ही नहीं अन्य कारणों से बुरा असर पड़ा है। आज वैज्ञानिक मानने लगे हैं कि जिस तरह से जीवन को आसान बनाया गया है वे सभी कारण कार्बन उत्सर्जन या यों कहें कि प्रकृति को विकृत करने में सहायक रहे हैं। आज यह सामने आ रहा है कि संवाद के सामान्य साधन ई- मेल से ही कार्बन उत्सर्जन होने लगा है। फिर आसानी से कल्पना की जा सकती है कि हमारे एसी, हमारे रेफ्रिजरेटर, ओटीजी, ओवन, दैनिक उपभोग के इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद कितना अधिक प्रभावित कर रहे हैं। केमिकल फर्टिलाइजरों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग के कारण भूमि की प्रभावित होती उर्वरा शक्ति को हम अब समझ पा रहे हैं और एक बार वापस वैदिक खेती, या जैविक खेती या परंपरागत खेती की बात करने लगते हैं। यह तो एक इशारा मात्र है। आज जंगलों को वापस आबाद करने पर जोर दिया जाने लगा है। अंधाधुंध शहरीकरण के चलते हमनें हमारी संस्कृति, परंपरा, जलवायु और पर्यावरण सभी को प्रभावित किया है। प्राकृतिक तरीके से गांवों में बने आवासों का स्थान शहरीकरण के चलते गगनचुंबी कंक्रीट के संजालों ने ले लिया है। यह केवल और केवल समय, स्थान व धन बचाने के चक्कर में परंपरागत भवन निर्माण तकनीक को नजरअंदाज करने का परिणाम है। औद्योगिकीकरण के साथ ही पर्यावरण संरक्षण के जो कार्य किए जाने थे या यूं कहें कि जो सावधानी बरतनी थी उस ओर हमारा समय रहते ध्यान गया ही नहीं। गगनचुंबी इमारतों के रहवासियों के लिए प्राकृतिक धूप और प्रकाश दूर की बात होता जा रहा है। बच्चों का मिट्टी में खेलना तो दूर की बात हो गई है। देखा जाए तो हम जिस तरफ नजर घुमाते हैं उसी तरफ अब विकृतियां सामने आने लगी है।

कांग्रेस कर्नाटक से मिले बूस्टर को हर राज्य में अपनाएगी

अशोक भाटिया,

"इसी तरह, दशकों में पहली बार, कर्नाटक में कांग्रेस चुनाव से 45 दिन पहले पार्टी प्रत्याशियों की अपनी पहली सूची जारी करने में सफल रही। जैसा कि मैंने एक अन्य स्तंभ में उल्लेख किया है, यह एक ध्यान देने योग्य विकास था क्योंकि अतीत में ए.के। एंटनी, के। पार्टी प्रत्याशियों के शीघ्र चयन की आवश्यकता 1998 से 2017 और फिर 2019-2022 के बीच पार्टी अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी के लंबे कार्यकाल में इस सिफारिश को स्वीकार किया गया, लेकिन इसे कभी लागू नहीं किया गया। खड़गे को श्रेय जाता है कि वे पदभार ग्रहण करने के छह महीने के भीतर इसे लागू करने में सफल रहे। ये भव्य पुरानी पार्टी में पुनरुद्धार या मानसिकता में बदलाव के शुरूआती संकेत हैं।"

तमाम राज्यों में मिल रही शिकस्त के बीच कांग्रेस के लिए कर्नाटक चुनाव एक बूस्टर की तरह साबित हुआ है। कर्नाटक में कांग्रेस ने भारी बहुमत के साथ सरकार बनाई है, जिसके बाद अब पार्टी कैडर में एक बार फिर जोश नजर आ रहा है, जो आने वाले चुनावों के लिए काफी अहम है। कर्नाटक के इन चुनाव नतीजों ने कांग्रेस और राहुल गांधी के लिए 2024 की जमीन तैयार करने का भी काम कर दिया है। कांग्रेस के पास इस साल नवंबर-दिसंबर में राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता पर काबिज होने और 2018 में जीते गए मध्य प्रदेश को फिर से हासिल करने की कोशिश करने का एक मुश्किल काम था , क्योकि 2020 में ज्योतिरादित्य सिंधिया के 22 विधायकों के साथ भाजपा में नाटकीय दलबदल के कारण उसे सत्ता गवानी पड़ी थी। अब उच्चतम स्तर पर, कांग्रेस नेतृत्व ने 2024 के आम चुनावों से पहले चुनाव होने वाले राज्यों में 'कर्नाटक टेम्पलेट' को दोहराने का फैसला किया है। स्थानीय रणनीति, सकारात्मक अभियान, मुफ्त उपहार, टिकटों का जल्द वितरण और कांग्रेस की विचारधारा पर जोर देना मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के लिए कांग्रेस की योजना की कुछ प्रमुख विशेषताएं हैं। हाल ही में भोपाल हवाई अड्डे पर हिमाचल प्रदेश, गुजरात, दिल्ली और उत्तराखंड के दिग्गज पार्टी नेताओं के बजाय चार एआईसीसी पर्यवेक्षकों - कुलदीप राठौर, अर्जुन मोधवाडिया, सुभाष चोपड़ा और प्रदीप टम्टा की उपस्थिति देखी गई। एमपीसीसी प्रमुख कमलनाथ और एआईसीसी महासचिव जय प्रकाश अग्रवाल की उपस्थिति में हुई एक लंबी बैठक में, पार्टी के नेताओं ने जल्द से जल्द एक चुनावी घोषणापत्र तैयार करने और 50 वर्ष से कम आयु के युवाओं के लिए टिकटों को अधिकतम करने का प्रयास करने का निर्णय लिया। कांग्रेस ने 2021 में अपने उदयपुर मंथन सत्र में 50 साल से कम उम्र के लोगों को 50 फीसदी टिकट देने का वादा किया था। 38 सेकंड का एक छोटा सा वीडियो कांग्रेस हलकों में घूम रहा है जिसमें बजरंग बली शैली में बने एक चरित्र को भगवान राम को सूचित करते हुए दिखाया गया है कि कर्नाटक में काम पूरा हो गया है। मास्टर को अपने सबसे उत्साही भक्त कमलनाथ की मदद करने के लिए कहते हुए सुना जा सकता है, जो वर्तमान में एम पी सी सी प्रमुख और कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं। संयोग से, नाथ एक साहसी हनुमान भक्त हैं। उन्होंने अपने छिंदवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र में हनुमान की 101 फीट ऊंची प्रतिमा बनवाने में सक्रिय भूमिका निभाई थी, जिसने उन्हें दस बार संसद और विधानसभा के सदस्य के रूप में चुना है। "यह देश की सबसे ऊंची हनुमान प्रतिमा है," नाथ ने इस संवाददाता को जोड़ते हुए कहा था, "छिंदवाड़ा हनुमान की मूर्ति दिल्ली के छतरपुर में एक से 8 इंच लंबी है। मैंने भगवान हनुमान की भक्ति के कारण कुछ साल पहले इस मंदिर को तैयार करवाया था। इसके अलावा, माइंडशेयर एनालिटिक्स के पोल रणनीतिकार सुनील कानुगुलो और डिजाइन बॉक्स के नरेश अरोड़ा को कार्रवाई में लगाया गया है। लो प्रोफाइल रहने वाले कानूनगोलू को कथित तौर पर 2024 के संसदीय चुनावों के लिए पार्टी के अधिकार प्राप्त पैनल में शामिल किया गया है। अरोड़ा, जो 2021 में असम विधानसभा चुनाव के बाद से कांग्रेस के लिए काम कर रहे हैं, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से जुड़े हुए हैं। एआईसीसी के अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि सुनील कानूनगोलू और नरेश अरोड़ा दोनों सीधे कांग्रेस अध्यक्ष के कार्यालय को रिपोर्ट करते हैं। छत्तीसगढ़ में, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के राजनीतिक सलाहकार, विनोद वर्मा, एक पूर्व पत्रकार, ने स्वयंसेवकों का एक

विशाल नेटवर्क विकसित किया है, जो पार्टी और उम्मीदवारों की समय-समय पर ग्राउंड रिपोर्ट, टॉकिंग पॉइंट और निर्वाचन क्षेत्रवार प्रोफाइल तैयार कर रहे हैं। ऐसा लगता है कि कांग्रेस 'बैक टू बेसिक्स' के दृष्टिकोण की ओर मुड़ रही है। जीत के तुरंत बाद, विशुद्ध रूप से दृश्य रूप में, सोनिया, राहुल और प्रियंका गांधी ने सिद्धारमैया, डीके शिवकुमार, मल्लिकार्जुन खड़गे, रणदीप सिंह सुरजेवाला और अन्य के साथ फोटो साझा करने से परहेज किया। नवनिर्वाचित विधायकों ने भी नए मुख्यमंत्री का चयन करने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष को अधिकृत किया न कि कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी को। इस छोटे से प्रतीत होने वाले विकास का अपना महत्व है क्योंकि अतीत में, सोनिया गांधी को संसद के दोनों सदनों में नेताओं का चयन करने के लिए सशक्त बनाने के लिए पार्टी संविधान में संशोधन किया गया था जब सीताराम केसरी एआईसीसी प्रमुख थे। वास्तव में, वह प्रावधान पार्टी संविधान में अब भी है। इसी तरह, दशकों में पहली बार, कर्नाटक में कांग्रेस चुनाव से 45 दिन पहले पार्टी प्रत्याशियों की अपनी पहली सूची जारी करने में सफल रही। जैसा कि मैंने एक अन्य स्तंभ में उल्लेख किया है, यह एक ध्यान देने योग्य विकास था क्योंकि अतीत में ए.के। एंटनी, के। पार्टी प्रत्याशियों के शीघ्र चयन की आवश्यकता 1998 से 2017 और फिर 2019-2022 के बीच पार्टी अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी के लंबे कार्यकाल में इस सिफारिश को स्वीकार किया गया, लेकिन इसे कभी लागू नहीं किया गया। खड़गे को श्रेय जाता है कि वे पदभार ग्रहण करने के छह महीने के भीतर इसे लागू करने में सफल रहे। ये भव्य पुरानी पार्टी में पुनरुद्धार या मानसिकता में बदलाव के शुरूआती संकेत हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि कांग्रेस अपने विश्वास और इस विश्वास को पुनः प्राप्त कर रही है कि वह नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले हाई-वोल्टेज अभियानों को जीतने या हराने में सक्षम है। राज्यों के अलावा कर्नाटक विधानसभा सीट के रिजल्ट के बाद कांग्रेस को जो नई आशा नजर आई है उससे भी कांग्रेस 2024 लोकसभा चुनाव में संभावनाएं तलाशने में जुट गई है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि कर्नाटक की जीत, 2024 के आम चुनावों की शुरूआत है। हालांकि राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि 2024 के चुनावों में पार्टी ऐसा ही प्रदर्शन दोहराएगी, यह जरूरी नहीं है। उनका कहना है कि यह देखा गया है कि मतदाता अक्सर विधानसभा और लोकसभा चुनावों में अपनी पसंद का अलग-अलग इस्तेमाल करते हैं। यह ट्रेंड नहीं देखा गया कि विधानसभा चुनाव के वोटर्स लोकसभा चुनाव में भी उसी सोच के साथ वोट करते हों। यह सही है कि कर्नाटक चुनाव परिणाम 2023 निस्संदेह कांग्रेस के लिए एक बड़ा बढ़ावा है। 2019 के संसदीय चुनावों में कांग्रेस को राज्य में सिर्फ एक लोकसभा सीट पर जीत मिली थी। यह सीट है बैंगलोर ग्रामीण। कांग्रेस पदाधिकारी सलीम अहमद का मानना है कि 'विधानसभा चुनावों ने हमें लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए बूस्टर डोज दिया है। रेकॉर्ड और वोटिंग पैटर्न दिखाते हैं कि कर्नाटक में मतदाता पारंपरिक रूप से राज्य और राष्ट्रीय चुनावों में अलग-अलग पार्टियों को चुनते हैं। भाजपा 2018 के विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनी है।

हालांकि भाजपा बहुमत को 104 सीटें ही मिली थीं और वह बहुमत से चूक गई थी। विधानसभा चुनाव में भाजपा का कर्नाटक में वोट शेयर 36% था। वहीं अगले साल हुए लोकसभा चुनावों में भाजपा का वोट शेयर 54% रहा। इतना ही नहीं भाजपा 25 संसदीय सीटें जीती थी।

कविता

इनकी छोटी-छोटी हथेलियों में,
पूरे ब्रह्मांड को समा जाने दो,
संपूर्ण संभावना के साथ
पैदा हुआ नवजात,
एक नन्हा पंछी तो है।
आंखों में भविष्य के सपने
जल की निश्छलता,
सूरज की किरणों की ताजगी,
चंद्रमा की स्निग्धतता,
सागर की गहराई और
गंभीरता लिए हुए
इन मासूमों को
आकाश की अनंत ऊंचाइयों दो, इनकी नन्ही
छोटी आंखों में
अपनी आकांक्षाएं,
अपनी जिद,
अपना अहम मत लादिए,
इन्हें गगनचुंबी ऊंचाइयों की आशाओं के दीप
जलाने दो,
यह नन्हें ही ब्रह्म है,
ब्रह्मांड हैं, और ईश्वर है,
इन्हें न रोकिए ना
टोकिए ,
इनके छोटे-छोटे होठों में
सच्चाई के गीत गाने दो,
इनकी निर्दोष आंखों में
कल का सूरज चंदा
और सितारा चमकने दो,
यह अबोध अभी
नई उड़ान के आकांक्षी हैं

संजीव

आतंकवाद के अँधेरे को मिटाना होगा

सुनील कुमार महला

किसी ने क्या खूब लिखा है- 'आतंकवाद से धरा दूषित हैं, इसे शुद्ध हो जाने दो। हाथ खोल दो वीरो के ,अब महायुद्ध हो जाने दो।' आतंकवाद नासूर है, यह एक दंश है, जिसमें जहर ही जहर भरा है, इसे आज समूल नाश करने की आवश्यकता है क्योंकि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है।आज के समय में आतंकवाद का खतरा गंभीर और वास्तविक है और आज के समय में भारत ढ़ेर सारी चुनौतियों का सामना कर रहा है जैसे गरीबी, जनसंख्या वृद्धि, निरक्षरता, असमानता आदि लेकिन आतंकवाद इनमें सबसे ज्यादा खतरनाक है जो आज पूरी मानव जाति को प्रभावित कर रहा है। वास्तव में, अपने कुछ राजनीतिक, धार्मिक या व्यक्तिगत लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये आतंकवाद द्वारा हिंसात्मक तरीकों का प्रयोग ही आतंकवाद है। आतंकवाद के बारे में भयानक बात ये है कि अंततः ये उन्हें नष्ट कर देता है जो इसका अभ्यास करते हैं। आतंकवाद किसी भी देश के राष्ट्रीय सद्भाव को,शान्ति को नुकसान पहुंचाता है। जी हां, आतंकवाद मानवहीनता की पराकाष्ठा है जिसका न कोई धर्म ही है और न ही कोई उद्देश्य। जानकारी देना चाहूंगा कि प्रत्येक वर्ष 21 मई को एंटी टेररिज्म-डे या आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में मनाया जाता है। वास्तव में, इस दिवस को मनाने के पीछे उद्देश्य राष्ट्रीय सद्भाव को बढ़ावा देना, आतंकवाद को कम करना और सभी जातियों, पंथों आदि के लोगों के बीच एकता को बढ़ावा देना है। अब बात करते हैं कि आखिर इस दिवस को मनाने के पीछे कारण क्या हैं ? तो इस बारे में जानकारी देना चाहूंगा कि आज ही के दिन यानी कि 21 मई, 1991 के दिन ही एक आंतकी हमले में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या कर दी गई थी। इस दिन राजीव गांधी भारत के तमिलनाडु राज्य के श्रीपेरंबुदूर में थे, जहां आतंकवादी संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (एलटीटीई) ने ह्यूमन बम(मानवीय बम) या यूं कहें कि एक महिला सुसाइड बम के जरिए उनकी हत्या की थी और राजीव गांधी की हत्या के बाद वी.पी. सिंह सरकार ने 21 मई को एंटी-टेररिज्म डे(आतंकवाद विरोधी दिवस) के रूप में मनाने का फैसला किया था, तब से लेकर यह दिवस मनाया जाता है ताकि आमजन में आतंकवाद के, हिंसा के गलत प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा की जा सके। आज के दिन हम सभी को यह प्रेरणा लेने की जरूरत है कि हम भारतवासी सदा सदा से अहिंसा में,शान्ति में, भाईचारे में विश्वास करते आए हैं और हम आतंकवाद व हिंसा का डटकर सामना करेंगे और समाज के ताने बाने की सुरक्षा के लिए आतंकवाद से लड़ते हुए समाज व देश के हित में कदम उठायेंगे। हमें सामाजिक शांति, सद्भाव, आपसी सहयोग, भाईचारे की भावना के लिए प्रतिबद्ध व कृतसंकल्पित होना चाहिए और मानव जीवन मूल्यों को खतरा पहुंचाने और समाज व देश को नुकसान पहुंचाने वाली हरेक प्रकार की विघटनकारी शक्तियों से लड़ने की भी शपथ लेने की जरूरत है।

विचार

हेट स्पीच पर सुप्रीम चिंता

तारकेश्वर मिश्र

देश में बढ़ती नफरत को लेकर सर्वोच्च अदालत की बार-बार की टिप्पणियां अपने में काफी अहम हैं। सुप्रीमकोर्ट की चिंता साफ-साफ टी.वी. डिबेट्स और दूसरे पब्लिक प्लेटफॉर्म्स के जरिए बेतुके और संवेदनशील मुद्दों पर असंवेदनशीलता की तरफ इशारा भी है। सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों को निर्देश दिया कि वे घृणा फैलाने वाले भाषणों (हेट स्पीच) के विरुद्ध बिना किसी शिकायत के ही मामला दर्ज करें, जिसमें देरी करने को अदालत की अवमानना समझा जायेगा। न्यायालय ने धर्म के नाम पर होने वाली जहरीली बयानबाजी पर चिंता भी जताई। घृणा फैलाने वाले भाषण किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकते। विशेष रूप से भारत जैसे देश में जहां सभी धर्मों को बराबरी से फलने-फूलने का अधिकार है और हर व्यक्ति अपनी पसंद की पूजा पद्धति अपना सकता है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच एक अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बेंच ने महाराष्ट्र सरकार से शीर्ष अदालत के आदेशों के बावजूद हिंदू संगठनों द्वारा नफरत भरे भाषणों को नियंत्रित करने में विफल रहने के लिए उसके खिलाफ दायर अवमानना याचिका पर जवाब देने के लिए कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ह्यधर्म को राजनीति से मिलाना हेट स्पीच का स्त्रोत है। राजनेता सत्ता के लिए धर्म के इस्तेमाल को चिंता का विषय बनाते हैं। इस असहिष्णुता, बौद्धिक कमी से हम दुनिया में नंबर एक नहीं बन सकते. अगर आप सुपर पावर बनना चाहते हैं, तो सबसे पहले आपको कानून के शासन की जरूरत है। दरअसल बीते कुछ वर्षों से ये देखने में आया है कि राजनीतिक और धार्मिक मंचों से इस तरह के भाषण दिए जाने लगे हैं जिनमें अन्य किसी धर्म के बारे में आपत्तिजनक और उत्तेजना फैलाने वाली बातें कही जाती हैं। उस दृष्टि से सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश समयानुकूल है किन्तु उसका पालन करते समय ये देखना भी जरूरी है कि सम्बंधित राज्य सरकार घृणा फैलाने का आधार क्या तय करती है? चूंकि हमारे देश में धर्म निरपेक्षता भी राजनीतिक लिहाज से परिभाषित होती है इसलिए एक भाषण जो राजस्थान में घृणा फैलाने वाला माना जाए उसे म.प्र की सरकार सामान्य माने तब क्या होगा ?

और फिर सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश केवल सार्वजनिक मंचों से दिये जाने वाले भाषणों के इर्द गिर्द ही सीमित रहेगा जबकि असली घृणा तो उन धर्मस्थलों में होने वाले भाषणों से फैलती है जो न समाचार माध्यमों की नजर में आते हैं, न ही पुलिस और प्रशासन के। उसके बावजूद भी उसके निर्देश स्वागत योग्य हैं क्योंकि सार्वजनिक तौर पर कतिपय नेता और धर्मगुरु जिस तरह की शब्दावली का इस्तेमाल करते हैं वह निश्चित रूप से तनाव और विवाद का कारण बनती है। हमारे यहां जब-तब स्वार्थ या लाभ की राजनीति की खातिर हेट स्पीच की घटनाओं से सामाजिक सामंजस्य बिगाडना लगभग आम सा हो चुका है। भारतीय राजनीति में जातिवाद तथा धर्म एक बड़ा कारक है। हमेशा देखा जाता है कि राजनीतिक ध्रुवीकरण के चलते किसी विशेष समुदाय या जाति के तुष्टीकरण या निशाने के लिए ही अक्सर नफरती भाषा या हेट स्पीच या फिर ईशनिंदा कुछ भी कहें, की जाती है। सामान्यतः ईशनिंदा किसी धर्म या मजहब की आस्था का मजाक बनाना होता है जिसमें धर्म प्रतीकों, चिह्नों, पवित्र वस्तुओं का अपमान करना, ईश्वर के सम्मान में कमी या पवित्र या अदृश्य मानी जाने वाली किसी चीज के प्रति नफरती भाव या अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना होता है। एक कड़वी सच्चाई भी कि बयान किसी के लिए नफरती हो सकता है तो किसी के लिए अभिव्यक्ति की आजादी। बस इसी महीन पेंच को लेकर तर्क-कुतर्क होते रहते हैं। लेकिन यह भी देखना चाहिए कि अपनी बात कहने की स्वतंत्रता की हद भी है और एकता व शांति भंग करने वाले बयानों पर पाबंदी भी। ऐसी बात, हरकत, भाव-भंगिमा, बोलकर, लिखकर, चित्रों, कार्टूनों के जरिए भड़की हिंसा के अलावा धार्मिक भावना आहत करना, किसी समूह, समुदाय के बीच धर्म, नस्ल, जन्मस्थान और भाषा के आधार पर विद्वेष पैदा करने की आशंका या कुचेष्टा है जो हेट स्पीच के दायरे में है। एक सच्चाई यह भी है कि इसमें सहनशीलता की परीक्षा होती है। जनप्रतिनिधि और जनसामान्य किसी की बात को सहन कर पाते हैं और किसी की नहीं। बस यही फर्क है जिसके लोग अपने-अपने मायने लगा बैठते हैं कि बोलने की आजादी सबको है। माना कि लब बोलने को आजाद हैं लेकिन कैसे बोल के लिए? समाज को जोडने या तोडने वाले?

एक्शन इंडिया दैनिक

भगवान शंकर जी के ग्यारहवें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

आरएनआई: HPHIN / 2012 / 48072

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक रवि भारद्वाज, एक्शन इंडिया कार्यालय कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना हिमाचल प्रदेश-174303 ने अर्थ प्रकाश प्रैस, अर्थ प्रकाश भवन, सेक्टर-29डी, चंडीगढ़ से छपवाकर प्रकाशित किया। "एक्शन इंडिया" में प्रकाशित लेखों में व्यक्त किये गये विचार एवं दृष्टिकोण संबंधित लेखक के हैं। संपादक या प्रकाशक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र हिमाचल प्रदेश ही होगा।

समूह संपादक: रवि भारद्वाज (9999889104)
स्थानीय संपादक: पंकज शर्मा (7018221146)
ई-मेल : actionindiashimla@gmail.com
actionindiauna@gmail.com

एक्शन इंडिया शिमला कार्यालय: सचदेवा निवास, डेजी बैंक इस्टेट, नजदीक जोधा निवास, लोअर जाखू, शिमला, 171001
एक्शन इंडिया ऊना कार्यालय: कृष्णा टावर, सब्जी मंडी के सामने, ऊना, हिमाचल प्रदेश-174303

वैधानिक सूचना

पाठकों को सलाह है कि एक्शन इंडिया, समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के आधार पर कोई निर्णय लेने से पहले विज्ञापन में प्रकाशित उक्त उत्पाद या सेवा के बारे में आवश्यक जांच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र प्रबंधक किसी भी विज्ञापन में गुणवत्ता, सेवा आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावे या उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता है। अत: समाचार पत्र उक्त विज्ञापनों के बारे में किसी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

चिंतन

एक बार फिर नोटबन्दी,फेल हो गए दो हजार रुपए के नोट!

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

सन 2016 का इतिहास फिर दोहराया गया है।पहले एक हजार व पांच सौ के पुराने नोट बंद किए गए थे और अब दो हजार रुपए के नोट की बलि ले ली गई। इसी कारण अब दो हजार के नोटों को वापस लिए जाने को लेकर सवाल उठ रहा है कि आखिरऐसा क्यों किया गया? क्या नोट पर अंकित 'मैं धारक को नोट पर अंकित धनराशि अदा करने का वचन देता हूं'प्रत्येक नोट पर छपे भारतीय रिजर्व बैंक के इस वचन की कोई अहमियत नही रह गई है?या फिर दो हजार रुपए का नोट देश के लिए खतरा बन गया था?जो उसे चलन से हटाना जरूरी हो गया था,यह तो केंद्र सरकार को स्पष्ट करना है।फिलहाल तो देश की जनता स्वयं को ठगा सा महसूस कर रही है कि आखिर सरकार चाहती क्या है?क्यो भारतीय मुद्रा की विश्वसनीयता को खतरे में डाला जा रहा है।सन 2016 की नोटबन्दी के कोई सार्थक परिणाम नही आए, उल्टे देश की जनता को उसके कारण कितनी फजीहत झेलनी पड़ी थी, यह किसी से छिपा नही है। अब फिर रिजर्व बैंक ने दो हजार रुपये के नोट को वापस लेने का एलान कर दिया है हालांकि, 30 सितंबर 2023 तक ये नोट वैध रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को सलाह दी है कि वे तत्काल प्रभाव से दो हजार रुपये के नोट जारी करना बंद कर दें। रिजर्व बैंक ने कहा है कि 30 सितंबर 2023 तक ये नोट सकुर्लेशन बने रहेंगे। यानी जिनके पास इस समय दो हजार रुपये के नोट् हैं, उन्हें बैंक में जाकर इन्हें बदलवाना होगा।अर्थात बैंकों की लाइन में खड़े होने का समय फिर लौट आया है। रिजर्व बैंक के अनुसार,उन्होंने सन 2018-19 में ही दो हजार रुपये का नोट को छापना बंद कर दिया था। सन 2016 के नवंबर माह में नोटबंदी के बाद 2000 हजार रुपये का नोट लाया गया था। नोटबंदी में 500 और 1000 रुपये के नोट को बंद कर दिया गया था। जब सन 2016 में रिजर्व बैंक ने हजार और पांच सौ के नोटों को बैन करके दो हजार रुपये के नोट जारी किए थे, तभी ये तय था कि इसे ज्यादा समय तक चलन में नही रखा जाएगा। जब एक हजार और पांच सौ के नोटों को बैन करके दो हजार रुपये के नोट जारी किए थे, तभी यह तय हो गया था कि इसे ज्यादा समय तक नहीं चलन में रखा जाएगा।

नो पेंशन...ऑन्ली डिप्रेशन

डॉ. सुरेश कुमार

आज जिसे देखो उस पर डिप्रेशन का भूत सवार है। आज हर घर में कोई न कोई डिप्रेशन का शिकार मिल जाएगा। इस डिप्रेशन से अनभिज्ञ हमारे पड़ोसी गोबर गणेश ने सबकी देखा-देखी इंजीनियरिंग में भर्ती ले ली। गिरते-पड़ते जैसे-तैसे बड़ी मुश्किल से पास हुए। रजिस्टर में उनका नाम जो भी हो फैकल्टी तो उन्हें ह्यबैकलॉग कुमारह्न कहकर पुकारते थे। नाम के माफिक बैकलॉग रखने में कोई कसर नहीं छोड़ी। पढ़ाई पूरी करने के बाद लगे नौकरी खोजने। नौकरी थी कि आबादी की बढ़ती संख्या के अनुरूप एक अनार लाख बीमार कहावत को चरितार्थ कर रही थी। सो उन्हें नौकरी मिलने से रही। नौकरी का इरादा छोड़ व्यापार करने की ठानी। व्यापार करना इतना आसान काम थोड़े न था। लागत लगती है लागत! जैसे-तैसे चंद हजार रुपए जुटाए और बैठ गए सड़क पर। सड़क पर एक बड़ी सी तख्ती लगा रखी थी। जिस पर लिखा था अपना डिप्रेशन सुनाइए और दस रुपए ले जाइए। पहले तो लोगों को गोबर गणेश बेवकूफ लगा। लेकिन बाद में पता चला यह तो एक नायाब धंधा है। जात-पात, ऊँच-नीच, लिंग, धर्म, भाषा का भेद भुलाकर सभी अपने-अपने डिप्रेशन के किस्से सुनाने लगे। यह दृश्य देखकर यकीन हो गया कि दुनिया सुनाने वालों से भरी पड़ी है और सुनने वाले विलुप्त होते प्राणियों की तरह धीरे-धीरे कम होते जा रहे हैं। डिप्रेशन के शिकार कोई पैसे से परेशान है तो कोई बिना पैसे के। कोई मोटापे से तो कोई दुबलेपन से। कोई पत्नी से त्रस्त तो कोई कुंवारेपन से। कोई रात से परेशान है तो कोई दिन से। कोई हँसने से परेशान है तो कोई रोने से। कोई देखने से परेशान है तो कोई न दिखने से। कोई लड़ने से परेशान है तो कोई शांत रहने से। कोई पुरुषार्ष से परेशान है तो कोई नपुंसकता से। कोई अपने पुरुष होने से परेशान है तो कोई स्त्री होने से। कोई किसी के सुख से परेशान है तो कोई किसी के दुख से। कोई परीक्षा में 99 प्रतिशत भी लाकर परेशान है तो कोई फेल होकर। जहाँ देखो वहाँ सब परेशान हैं। डिप्रेशन का शिकार हैं। इस धंधे से गोबर गणेश का सड़क पर आना तय था। लेकिन जो पहले से ही सड़क पर हो वह और कितना सड़क पर आएगा। उल्टे वह चंद दिनों में धनवान बन गया।

नींद और थकावट

आने पर ध्यान दें

- गर्मी के दिनों में थोड़ा सा ठंडा पानी पीने से आप जागृत महसूस करेंगें और थकावट दूर हो जाएगी
- जब आपको नींद आए तो अपनी खुराक पर ध्यान जरूर दें

पर्याप्त नींद लेना सेहत के लिए जरूरी है। पर्याप्त न सो पाने या रात भर पार्टी में व्यस्त रहने पर शायद आपको थकावट और नींद आने पर कुछ उपायों की आवश्यकता पड़े। जब आपके शरीर को आराम करने की सख्त जरूरत हो तो अपने आप को जगाए रखना गलत बात है। लेकिन कई बार हमें बहुत आवश्यक कार्य करने होते हैं तो हमें जागना ही पड़ता है चाहे जो भी हो। नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने के लिए सुझाए गए इन उपाय करने पर नींद से उभरा जा सकता है।

पानी ज्यादा पीएं : अगर आपके शरीर में पानी की कमी होगी तो आप ज्यादा थकान महसूस करेंगे। वैसे भी हर दिन पर्याप्त पानी पीना चाहिए लेकिन नींद आने और थकान लगने पर जागते रहने के लिए थोड़ा ज्यादा पानी पीना चाहिए। गर्मी के दिनों में थोड़ा सा ठंडा पानी पीने से आप जागृत महसूस करेंगें और थकावट में ज्यादा चौकन्ने रहेंगे।

सूर्य का प्रकाश : सूर्य का प्रकाश तुरंत और प्रभावशाली रूप से मूड को ठीक करता है। यह विटामिन-डी के उत्पादन को प्रेरित करता है और मौसम के कारण होने वाले मूड में बदलाव से बचाता है। जब आपको नींद आ रही हो तो सूर्यप्रकाश जागते रहने में सहायक है। अपने पर्दे को खोलें और सूर्य के प्रकाश को अंदर आने दें।

गहरी-गहरी सांसें लें : सांस लेने की यह विधा जागते रहने में सहायक है। अपनी नाक से सांसों को अंदर-बाहर छोड़ें तथा अपने पेट को डायफ्राम की तरफ खींचें। बेहतर परिणाम के लिए इसे शीघ्रता से करने का प्रयास करें। इसे आप भोजनावकाश में भी कर सकते हैं।

हर 30 मिनट में क्रियाशील हो जाएं : पूरा दिन कंप्यूटर या टीवी के सामने रहने से आप और भी थकान और नींद महसूस करेंगे। जागते रहने के लिए आपके शरीर को क्रियाशील रहने की आवश्यकता होती है। दिन भर कहीं ज्यादा तरोताजा रहने के लिए हर तीस मिनट पर उठकर अपने पैरों को खींचें।

थोड़ी झपकी ले लें : नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने के लिए झपकी लेना सबके लिए नहीं है, लेकिन यह कारगर है। चाहे यह केवल 10 से 15 मिनट की ही हो लेकिन यह चमत्कारी होता है। हलांकि कुछ लोगों को झपकी के बाद और नींद आती है। झपकी के बाद नींद का अहसास दूर होने में 35 मिनट तक का समय लग सकता है।

ताजी हवा : जब आपको नींद आ रही हो तो जागते रहने के लिए ताजी हवा की गहरी सांस की शायद कहीं ज्यादा फायदेमंद होगी। अगर आप काम पर हैं तो खिड़कियों को खोलें या फिर ब्रेक में या भोजनावकाश में बाहर निकलें। अगर आप कार में हैं तो खिड़कियों को खोल कर अंदर की हवा को तरोताजा करें।

थोड़ा टहलें : बैठे रहने से नींद नहीं जाती है। जब आपको नींद आए तो आपके चाहे कितने ही काम पड़े हों थोड़ा टहल कर आएं। यह नींद आने और थकावट महसूस करने पर जागते रहने में बहुत कारगर है। अगर आप काम पर हैं और बहुत दूर जाना मुमकिन न हो तो कुछ पेय बनाएं या फिर अपने सहकर्मी के पास तक जाएं।

सही भोजन चुनें : जब आपको नींद आए तो अपनी खुराक पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है। नाश्ते को न छोड़ें और दोपहर के भोजन में वसा युक्त भोजन न लें। दिन भर प्रोटीन से भरपूर कुछ हल्का-फुल्का अवश्य लेते रहें और कॉफी तथा अन्य पेय पदार्थों से परहेज करें।

दिल को बल देता है पीपल

पीपल में काफी तकत होती है। ये ऑकसीजन के साथ-साथ किडनी व दिल के लिए भी काफी फायदेमंद होता है। पीपल के 15 पत्ते लें जो कोमल गुलाबी कोंपलें न हों, बल्कि पत्ते हरे, कोमल व भली प्रकार विकसित हों। प्रत्येक का ऊपर व नीचे का कुछ भाग कैंची से काटकर अलग कर दें। पत्ते का बीच का भाग पानी से साफ कर लें। इन्हें एक गिलास पानी में धीमी आंच पर पकने दें। जब पानी उबलकर एक तिहाई रह जाए तब ठंडा होने पर साफ कपड़े से छान लें और उसे ठंडे स्थान पर रख दें, दवा तैयार। इस काढ़े की तीन खुराकें बनाकर प्रत्येक तीन घंटे बाद प्रातः लें। हार्ट अटैक के बाद कुछ समय हो जाने के पश्चात लगातार पंद्रह दिन तक इसे लेने से हृदय पुनः स्वस्थ हो जाता है और फिर दिल का दौरा पड़ने की संभावना नहीं रहती। दिल के रोगी इस नुस्खे का एक बार प्रयोग अवश्य करें।

प्रयोगकाल में तली चीजें, चावल आदि न लें

मांस, मछली, अंडे, शराब, धूम्रपान का प्रयोग बंद कर दें

नमक, चिकनाई का प्रयोग बंद कर दें

1. दिल को ताकत देते हैं ये पत्ते : पीपल के पत्ते में दिल को बल और शांति देने की अद्भुत क्षमता है।

2. किसी समय लेना चाहिए : इस पीपल के काढ़े की तीन खुराकें सवेरे आठ बजे, ग्यारह बजे व दो बजे ली जा सकती हैं।

3. नाश्ता करने के बाद लें खुराक : पीपल खुराक लेने से पहले पेट एक दम खाली नहीं होना चाहिए, बल्कि सुपाच्य व हल्का नाश्ता करने के बाद ही लें।

4. ये चीजें न लें : प्रयोगकाल में तली चीजें, चावल आदि न लें। मांस, मछली, अंडे, शराब, धूम्रपान का प्रयोग बंद कर दें। नमक, चिकनाई का प्रयोग बंद कर दें।

5. कौन सी चीजें लें : अनार, पपीता, आंवला, बथुआ, लहसुन, मैथी दाना, सेब का मुरब्बा, मौसंबी, रात में भिगोए काले चने, किशमिश, गुग्गुल, दही, छाछ आदि लें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक होंगे। पदोन्नति मिलने का योग है। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर होगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-3-4-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): पुरुषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यावसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मितव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): उच्चजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति सामान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भातृपक्ष से विरोध की संभावना है। शिक्षा में असानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, उपयुक्त कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

हंसी के फव्वारें

जज ने अभियुक्त से कहा-'तुम पर मोटर तेज चलाने का इल्जाम है. क्या तुम अपना इल्जाम स्वीकार करते हो?'

'जी हां, मीलार्ड, मगर ?'

'मैंने कोई अपराध नहीं किया.' अभियुक्त सफाई देते हुए बोला-'मेरी मोटर के ब्रेक खराब थे,इसलिये मैंने सोचा कि जल्दी से घर पहुँच जाऊं. कहीं ऐसा न हो कि कोई एक्सीडेंट हो जाए !'

एक सेठ बीमार पड़ गया.

डाक्टरों ने उसे राय दी कि वह विदेश जाकर दवा कराये तो उसने अपने मुंशी से पूछा-'मुंशी जी ! विदेश जाकर दवा कराने में कितना खर्च होगा ?'

'लगभग बीस हजार !'

'और क्रिया-कर्म में ?'

'लगभग पांच हजार !'

'तो फिर इलाज से मरना ही ज्यादा फायदेमंद रहेगा.' सेठ ने ठण्डी सांस लेते हुए कहा.

रमेश ने महेश से पूछा-'जब सेब पेड़ से नीचे गिरा तो न्यूटन को बहुत आश्चर्य हुआ.'

महेश-'पागल था वह ?'

रमेश-'वह कैसे ?'

महेश-'आश्चर्य की बात तो तब होती जब सेब नीचे से ऊपर जाता.'

काकुरो पहेली - 4060

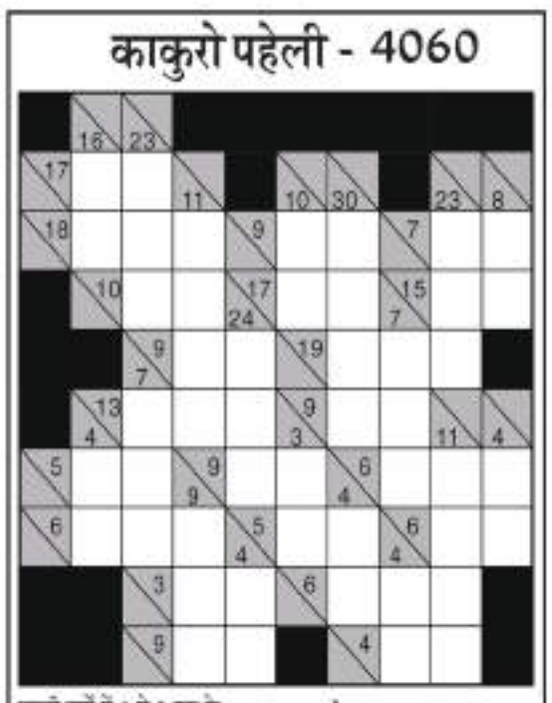

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए,किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4060 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4060

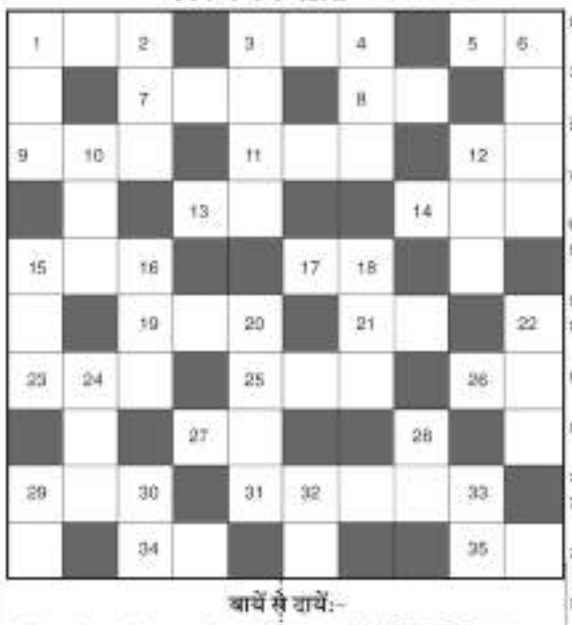

बायें से दायें:-

१. शशिकपूर, रेखा, नीना गुप्ता की 'सांझ ढले गगन तले' गीतवाली फिल्म-३
३. 'तेरी आंखों के सिवा' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-३
५. संजय दत्त, मनीषा, रवीना की 'अंख लड़ी है तो' गीत वाली फिल्म-२
७. सलीम दुर्रानी व परवीन बाबी की बी. आर. इशारा निर्देशित फिल्म-३
८. आफताब, उर्मिला की फिल्म-२
९. रवीना को किस फिल्म में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-२
११. 'झूठे नैना बोले' गीत वाली फिल्म-२
१२. धर्मेन्द्र, सायराबानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
१३. फिल्म 'मदर' में शीर्षक भूमिका निभाने की थी ?-२
१४. इच्छाधारी सांपों पर आधारित एक बहुचर्चित फिल्म-३
१५. अक्षय, लारा, प्रियंका की 'किसी से तुम प्यार करो' गीत वाली फिल्म-३
१७. गुरुदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
१९. चंद्रचूड़, अरशद वारसी, तब्बू की 'पानी पानी रे' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आओ तुम्हें चांद पे' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा, रीना की फिल्म-२
२३. फिल्म 'विनाशक' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी ?-३
२५. 'ओरी छोरी' गीत वाली फिल्म-३
२६. संजय, मैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. फिल्म 'ड्रीमगर्ल' की नायिका थी-२
२९. चंद्रचूड़, अरशद, मयूरी की फिल्म-३
३१. धर्मेन्द्र, हेमा की 'चोरों को सारे नजर आते हैं' गीत वाली फिल्म-२,३
३४. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक ?-३
३५. अक्षय, आफताब, विवेक, रितेश, लारा दत्ता, अमृताराव, ताव शर्मा, जेनेलिया की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. चंकी पांडे, जयाप्रदा, किमी की 'चोंची चाल ढलक' गीत वाली फिल्म-३
२. 'चांद मामा दूर के' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-३
३. अशोककुमार, मीनाकुमारी की 'मन रे तू काहे ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'आपकी याद आती' गीत वाली फारूख शेख, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
६. 'जंगल' में उर्मिला का नायक ?-४
१०. 'तुझ पे दर्द भरी' गीत वाली राजकुमार, माला सिन्हा की फिल्म-३
१२. 'बड़े मियां दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. संजीव कुमार और देवेन वर्मा दोनों की दुहरी भूमिकाओं वाली फिल्म-३
१६. 'रंग बरसे बहार चली' गीत वाली राजेश खन्ना, ऋषि, पूनम की फिल्म-३
१८. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की 'बहुत प्यार करते हैं' गीत वाली फिल्म-३
२०. फिल्म 'तेरे नाम' का नायक ?-४
२२. सायराबानो की पहली फिल्म जिसके नायक शम्मीकपूर थे-३
२४. 'चूड़ीवाली अंखिया' गीत वाली सनी देओल, जयप्रदा की फिल्म-३
२८. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'कोयल सी तेरी बोली' गीतवाली फिल्म-२
३०. फिल्म 'ताजमहल' की नायिका ?-२
३२. रितिक, करीना की 'ऐसी रे ऐसी क्या है ये पहेली' गीत वाली फिल्म-२
३३. 'तेरे दिल को तू जाने' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4060

सुडोकु -4060

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सुडोकु -696 का हल

4058

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1			4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

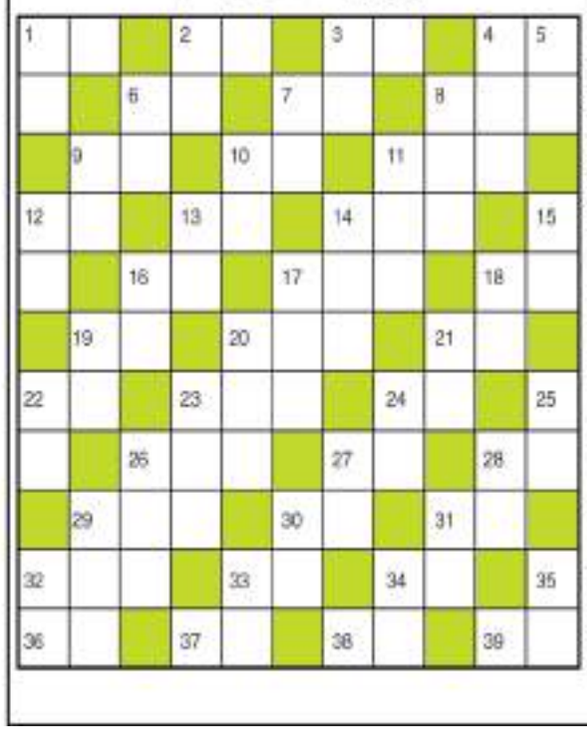

शब्द पहेली -4060

बाएं से दाएं

1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.बनराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.इच्छा, मर्जी-3
9.बंधन-2
10.बाप-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सारिका-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पानी फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.खुशबू, मिसायर-2
26.जलवाला-3
27.कोलाहल-2
28.अपरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुरी-2
36.वीर, सब-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे

1.सफाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लकि-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.साल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली -4060 का हल

माधुरी दीक्षित

के 5 यादगार गाने, सुनते ही मुंह से निकलेगा 'आजा नच ले', थिरकने से नहीं रोक पाएंगे कदम

बॉलीवुड की धक धक गर्ल माधुरी दीक्षित अपने कमाल के अभिनय के साथ ही अपने जबरदस्त डांस के लिए भी जानी जाती हैं. ये एक्ट्रेस अपने करियर के दौरान कई आइकॉनिक गानें दे चुकी हैं. आज माधुरी दीक्षित के टॉप 5 बॉलीवुड गानों के बारे में बात करेंगे.

बॉलीवुड की 'धक धक गर्ल' माधुरी दीक्षित ने अपने दशकों लंबे करियर के दौरान फिल्मों की दुनिया में कभी न मिटने वाली पहचान बनाई है. माधुरी दीक्षित न सिर्फ एक बेहतरीन अदाकारा हैं बल्कि साथ ही वह एक उम्दा डांसर भी हैं. इस एक्ट्रेस ने अपने अद्भुत डांस से बॉलीवुड के कई गानों को आइकॉनिक बना दिया है. इन गानों को आज भी सुनते ही आपके कदम अपने आप ही थिरकने लग जाएंगे.

आज माधुरी दीक्षित के कुछ ऐसे ही गानों के बारे में बात करने जा रहे हैं जिन्हें सुनते ही आपका भी डांस करने का मन करेगा. गुजरे जमाने के इन एवरग्रीन गानों का आजतक बॉलीवुड में कोई मुकाबला नहीं है. तो चलिए जानते हैं-

डोला रे डोला-

2002 में आई संजय लीला भंसाली की फिल्म 'देवदास' बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्मों में शामिल है. इस फिल्म का गाना 'डोला रे डोला' तो आपको याद ही होगा. इस गाने में माधुरी दीक्षित और ऐश्वर्या राय को एक साथ नाचता देख किसी का भी दिन बन सकता है. इस गाने में माधुरी और ऐश्वर्या का गजब का तालमेल देखने को मिलता है.

एक दो तीन –

1988 में आई फिल्म 'तेजाब' का गाना 'एक दो तीन' आज भी काफी पॉपुलर है. इस गाने ने बॉलीवुड में धूम मचा दी थी. साथ ही इसी गाने ने माधुरी दीक्षित को डांसिंग डीवा भी बनाया था.

आजा नचले-

फिल्म 'आजा नचले' का टाइटल ट्रैक 'आजा नचले' में माधुरी दीक्षित की गजब की परफॉर्मेंस देखने को मिली थी. ये फिल्म माधुरी की कमबैक फिल्म थी. हालांकि, ये फिल्म बॉक्स- ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी, लेकिन इस फिल्म के म्यूजिक वीडियो ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं.

धक- धक –

साल 1991 में आई फिल्म 'बेटा' का गाना 'धक धक' से माधुरी दीक्षित को इंडस्ट्री में एक अलग पहचान और एक अलग नाम मिला था. इस गाने के सुपरहिट होने के बाद से ही माधुरी दीक्षित को 'धक धक गर्ल' के नाम से जाना जाता है. ये गाना एक्ट्रेस के करियर में मील का पत्थर साबित हुआ था. अनिल कपूर और माधुरी दीक्षित की इस फिल्म को ऑडियंस ने काफी पसंद किया था.

चने के खेत में-

साल 1994 में आई फिल्म 'अंजाम' का गाना 'चने के खेत' में आज भी बॉलीवुड के सबसे पॉपुलर गानों में शामिल है. उस दौर में युवाओं के बीच इस गाने की गजब की पॉपुलैरिटी थी.

टाइगर-3 के रिलीज से पहले हुआ बड़ा हादसा!, सलमान खान को फिर लगा झटका, फोटो पोस्ट कर दी जानकारी

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'टाइगर-3' की शूटिंग में व्यस्त हैं. रिलीज से पहले ही इस फिल्म के काफी चर्चे हैं. सलमान खान के साथ इस फिल्म में शाहरुख खान भी कैमियो करते नजर आ सकते हैं. हाल ही में सलमान खान टाइगर-3 की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गए हैं. सलमान खान को कंधे पर गहरी चोट आई है. सलमान खान ने इसकी एक फोटो अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की है, जिसमें सलमान खान ने कंधे पर पट्टी बांध रखी है.

फोटो पोस्ट करते हुए सलमान खान ने बताया कि वे चोटिल हो गए हैं. हाल ही में रिलीज हुई सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के हिट ना हो पाने के बाद सलमान खान को एक और झटका लगा है. हालांकि फिल्म की तैयारी जोरों पर है. सलमान खान भी शाहरुख खान की पठान का रिकॉर्ड तोड़ने के ख्वाब देख रहे हैं. फिल्म दर्शकों को कितनी पसंद आती है ये तो वक्त ही बताएगा, लेकिन चोटिल होने के बाद सलमान खान ने शूटिंग से ब्रेक लिया है.

टाइगर जिंदा है बना दिए थे कई रिकॉर्ड

सलमान खान स्टारर सुपरहिट फ्रेंचाइजी टाइगर के 2 पार्ट रिलीज हो चुके हैं. साल 2017 में रिलीज हुए इसके आखिरी पार्ट टाइगर जिंदा है ने बॉक्स ऑफिस पर हंगामा काट दिया था. 22 दिसंबर 2017 को रिलीज हुई ये फिल्म वर्ल्ड वाइड 433 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही थी. साथ ही इस फिल्म ने भारत में 124 करोड़ रुपयों की कमाई की थी. बॉलीवुड की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में भी टाइगर जिंदा है चौथे नंबर पर बनी रही.

दिवाली पर रिलीज होगी सलमान खान की फिल्म

सलमान खान की फिल्म टाइगर-3 को लेकर काफी बज बना हुआ है. सलमान खान की ये सुपरहिट सीरीज की अगली फिल्म इस साल दिवाली पर रिलीज होने वाली है. इससे पहले फिल्म की रिलीज डेट 21 अप्रैल तय की गई थी. हालांकि इस फिल्म की रिलीज डेट को पोस्टपोंड कर दिया गया. अब ये फिल्म इसी साल दिवाली पर रिलीज होने वाली है. सलमान खान के फैन्स को उनकी फिल्म का बेसब्री से इंतजार है. साथ ही सलमान खान के टाइगर रोल के भी लाखों लोग दीवाने हैं.

आयुष्मान खुराना के पिता का निधन, आज ही बिगड़ी थी तबीयत, इलाज के दौरान अस्पताल में अंतिम सांस

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना के पिता का शुक्रवार को निधन हो गया. आयुष्मान के पिता पंडित पी खुराना एक जाने-माने एस्ट्रोलॉजर थे. मौत के कारणों की आधिकारिक जानकारी नहीं मिल पाई है. लेकिन बताया जा रहा है कि हार्ट अटैक के बाद उन्हें फोर्टिस अस्पताल में भर्ती किया गया था. जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली. आयुष्मान खुराना के घर शोक का माहौल है.

कई दिनों से हार्ट की समस्या

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आयुष्मान खुराना के पिता पी खुराना बीते कुछ दिनों से परेशान थे. उन्हें हार्ट की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा थी. जिसका इलाज भी पिछले कुछ समय से लगातार जारी थी. शुक्रवार को अचानक परेशानी होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जहां इलाज के दौरान पंडित पी खुराना ने अंतिम सांस ली.

मशहूर एस्ट्रोलॉजिस्ट थे पी खुराना

बता दें कि आयुष्मान खुराना के पिता पंडित पी खुराना भी मशहूर एस्ट्रोलॉजिस्ट थे. पी खुराना अपने दोनों बेटों अपारशक्ति खुराना और आयुष्मान खुराना के साथ अच्छा बॉन्ड शेयर करते थे. आयुष्मान खुराना की तरफ से जारी एक स्टेटमेंट में उन्होंने बताया, 'हमें ये बताते हुए दुख हो रहा है कि आयुष्मान खुराना के पिता एस्ट्रोलॉजर पी खुराना का मोहाली में सुबह 10.30 बजे निधन हो गया. हमें इस घड़ी में साथ देने के लिए सभी का शुक्रिया.'

पिता को ही सफलता का श्रेय देते हैं आयुष्मान खुराना

आयुष्मान खुराना अपने पिता के काफी करीब रहे हैं. आयुष्मान अपने पिता को अपना हीरो मानते हैं. फादर्स डे पर आयुष्मान ने अपने पिता के लिए एक नोट भी पोस्ट किया था. जिसमें आयुष्मान ने कहा था, 'मेरे पिता ने वकालत की पढ़ाई की थी, लेकिन उन्होंने एस्ट्रोलॉजर बनना पसंद किया. उन्हें संगीत, कविता और कला की काफी समझ रही है. उन्हीं से कला के प्रति प्रेम मेरे अंदर आया है. आज मैं जो भी हूं उसमें मेरे पिता का बड़ा हाथ है. आपने ही हमें अनुशासन सिखाया और जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया. साथ ही हर कदम हौसला बनकर खड़े रहे. 'परिणीति चोपड़ा के भाई शिवांग चोपड़ा ने पोस्ट पर कॉमेंट किया और लिखा, 'बैकग्राउंड में पापा का आंसू आना हाइलाइट है.'

करीना कपूर

ने कहा- मुझे खुशी है कि मैंने कहो ना प्यार छोड़ दी, डेविड धवन के साथ भी नहीं करना चाहती थीं काम

करीना कपूर खान (Kareena Kapoor Khan) बॉलीवुड की सबसे महंगी और चर्चित एक्ट्रेसेस में से एक हैं. करीना ने एक से बढ़कर एक हिट फिल्में बॉलीवुड को दी हैं. आलम ये है कि हर फिल्ममेकर बेबो के साथ काम करना चाहता है. साल 2000 में बॉलीवुड में एंट्री लेने वालीं करीना एक दौर में काफी मुखर थीं और अपने गुस्से को जाहिर करने में देरी नहीं लगाती थीं. लेकिन अब करीना करीना कपूर खान के स्वभाव में काफी बदलाव आ गया हैं. संजय लीला भंसाली के साथ झगड़ा हो, बहन करिश्मा की फिल्मों से मिलती-जुलती फिल्मों से दूरी हो, सलमान खान के एक्टिंग में रुचि न होना हो या ऋतिक रोशन की सुपर ब्लॉकबस्टर की फिल्म से बाहर होने की खुशी.

करीना कपूर खान (Kareena Kapoor Khan) ने साल 2000 में फिल्मफेयर को इंटरव्यू दिया, जिसने उन्होंने इस बारे में खुलकर बात की. करीना की अपनी डेब्यू फिल्म में अभिषेक बच्चन के साथ नजर आए थे, लेकिन क्या आप जानते हैं साल 2000 की शुरुआत में वह फिल्म 'कहो ना प्यार है' में नजर आने वाली थीं, लेकिन फिल्म से पूरी होने से पहले उन्होंने फिल्म को न कह दिया.

'कहो ना प्यार है' के लिए मां ने करीना को किया था मना

फिल्म 'रिफ्यूजी' से पहले करीना कपूर ऋतिक रोशन के साथ 'कहो ना प्यार है' में नजर आने वाली थीं, लेकिन, थोड़ी ही शूटिंग के बाद उनकी मां बबीता ने उन्हें ये फिल्म ना करने की राय दी और फिर उनकी जगह एक्ट्रेस अमीषा पटेल की फिल्म में एंट्री हुई. बेबो ने फिल्मफेयर से बातचीत के दौरान 'कहो ना प्यार है' को न करने का राजफाश किया.

ऋतिक के क्लोज-अप में 5 घंटे लगाते थे राकेश रोशन

करीना ने कहा, अगर वह फिल्म 'कहो ना प्यार है' को न नहीं कहतीं, तो निश्चित तौर पर स्टार बन जातीं, लेकिन उन्हें स्टार नहीं बल्कि अपनी पहचान एक एक्ट्रेस के रूप में बनानी थी. उन्होंने विस्तार से अपनी बात को आगे बढ़ाया और कहा, 'ये फिल्म ऋतिक के लिए बनाई गई थी. उनके पिता ने उनके हर फ्रेम और क्लोज-अप पर पांच घंटे खर्च किए, जबकि अमीषा पर पांच सेकंड भी खर्च नहीं किए गए.

सुजलॉन को नॉर्डिक एनर्जी से मिला 69 मेगावाट पवन ऊर्जा का ठेका

नई दिल्ली। नवीकरणीय ऊर्जा समाधान मुहैया कराने वाली कंपनी सुजलॉन को 69 मेगावाट का पवन ऊर्जा ठेका मिला है। उसे यह ठेका नॉर्डिक एनर्जी की भारतीय सहायक कंपनी से मिला है। सुजलॉन ने एक बयान में कहा कि यह ऑर्डर नॉर्डिक एनर्जी की

भारतीय सहायक कंपनी से मिला है, जो 69 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना के विकास के लिए है। कंपनी ने हालांकि ठेके की राशि के बारे में नहीं बताया। सुजलॉन समूह के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जे पी चलसानी ने कहा, हमें इस बात पर गर्व है कि नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में विख्यात नॉर्डिक एनर्जी ने यूरोप के बाहर अपनी पहली पवन ऊर्जा परियोजना के लिए सुजलॉन पर भरोसा जताया है। यह परियोजना कर्नाटक में स्थित है और इसके 2024 में चालू होने की उम्मीद है।

अडाणी समूह पर लगे आरोपों को लेकर नियामकीय असफलता का निष्कर्ष निकालना संभव नहीं: समिति

नई दिल्ली। अडाणी समूह पर लगे आरोपों की जांच के लिएगठित एक विशेषज्ञ समिति ने कहा कि शेयर की कीमतों में हेराफेरी के आरोपों की जांच में नियामकीय स्तर पर असफलता का निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है। अमेरिकी वित्तीय शोध और निवेश

कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में अडाणी समूह के बारे में लगाये गये आरोपों की जांच के लिये उच्चतम न्यायालय ने इस समिति का गठन किया था। समिति ने समूह की संबंधित इकाइयों के बीच लेनदेन के खुलासे के संबंध में भी यह बात कही। विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 24 जनवरी को जब हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट पेश की, उसके बाद भारतीय शेयर बाजार में बहुत ज्यादा उतार-चढ़ाव नहीं आया। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में उद्योगपति गौतम अडाणी की अगुवाई वाले समूह पर 'शेयरों में गड़बड़ी और लेखा धोखाधड़ी' में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। हालांकि समूह ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से आधारहीन बताया है।

हिमाचल प्रदेश में लग्जरी बसों पर लगेगा नौ लाख रुपये का कर

नई दिल्ली। पर्यटन गतिविधियों के लिए मशहूर हिमाचल प्रदेश में संचालित होने वाली लग्जरी बसों को अब सालाना नौ लाख रुपये का कर चुकाना होगा। राज्य के उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा कि करीब 250 लग्जरी बसें हिमाचल प्रदेश में आवाजाही करती हैं लेकिन किसी भी तरह का कर नहीं देती हैं। इसे देखते हुए उन पर नौ लाख रुपये का वार्षिक कर लगाने का फैसला किया गया है।

परिवहन मंत्रालय का भी दायित्व संभालने वाले अग्निहोत्री ने कहा कि इस कदम का मकसद हिमाचल सड़क परिवहन निगम (एचआरटीसी) की आमदनी बढ़ाना है। एचआरटीसी इस समय 1,355 करोड़ रुपये के घाटे में चल रही है। उन्होंने कहा कि एचआरटीसी की मासिक आय 65 करोड़ रुपये है जबकि मासिक खर्च करीब 134 करोड़ रुपये है। ऐसी स्थिति में 69 करोड़ रुपये का व्यय बोझ राज्य सरकार को ही उठाना पड़ता है। अग्निहोत्री ने कहा कि एचआरटीसी के भारे घाटे में होने से वेतन एवं पेंशन के भुगतान में भी विलंब हो रहा है। हालांकि, उन्होंने परिवहन निगम के कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि हर महीने की सात तारीख तक उन्हें वेतन मिल जाएगा।

पीएनबी का मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ पांच गुना से अधिक होकर 1,159 करोड़ रुपये पर

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) का शुद्ध लाभ 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में पांच गुना से अधिक होकर 1,159 करोड़ रुपये पहुंच गया। मुख्य रूप से फंसे कर्ज में कमी और ब्याज आय बढ़ने से बैंक का लाभ बढ़ा है। बैंक ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में एकल आधार पर 202 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

मार्च, 2023 तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 27,269 करोड़ रुपये हो गई जो मार्च, 2022 तिमाही में 21,095 करोड़ रुपये थी। बैंक की ब्याज से आय मार्च, 2022 तिमाही के 18,645 करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च, 2023 तिमाही में 23,849 करोड़ रुपये हो गई। पीएनबी की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) यानी फंसा कर्ज 31 मार्च, 2023 को घटकर कुल कर्ज का 8.74 प्रतिशत रहा जो

31 मार्च, 2022 को 11.78 प्रतिशत था। बैंक का शुद्ध एनपीए आलोच्य अवधि में घटकर 2.72 प्रतिशत रहा जो मार्च 2022 में 4.8 प्रतिशत था। पीएनबी का फंसा कर्ज कम होने से उसके एवज में प्रावधान 2022-23 की चौथी तिमाही में 3,625 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी अवधि में 4,564 करोड़ रुपये था। हालांकि पूरे वित्त वर्ष 2022-23 में बैंक का शुद्ध लाभ 27 प्रतिशत घटकर 2,507 करोड़ रुपये रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 3,457 करोड़ रुपये था। बैंक के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए दो रुपये अंकित मूल्य के शेयर पर 0.65 रुपये यानी 32.5 प्रतिशत लाभांश देने की सिफारिश की है।

गैजप्रोम की पूर्व इकाई ने भारत को एलएनजी की आपूर्ति बहाल की

नई दिल्ली। रूस की प्रमुख ऊर्जा कंपनी गैजप्रोम की पूर्व इकाई ने भारत की सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल को तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति फिर शुरू कर दी है। यह आपूर्ति रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पिछले साल जून में बंद कर दी गई थी। गैस आपूर्ति की बहाली ने देश में इसकी उपलब्धता को बढ़ा दिया है। इसके अलावा, अमेरिका की छह कंपनियों ने गेल को अपनी एलएनजी निर्यात इकाई में हिस्सेदारी का प्रस्ताव दिया है।

गेल (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संदीप गुप्ता ने बताया कि पूर्व में गैजप्रोम मार्केटिंग एंड ट्रेडिंग सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड के नाम से जानी जाने वाली सेफे मार्केटिंग एंड ट्रेडिंग सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड (एसएमटीएस) ने मार्च और अप्रैल में एक-एक कर एलएनजी की दो खेप भेजी हैं और मई व जून में चार-चार खेप और भेजने का वादा किया है। देश

में बढ़ती मांग की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए गेल ने इसी वर्ष फरवरी में अमेरिका की एक एलएनजी निर्यात कंपनी में हिस्सेदारी की इच्छा जताई थी। इस संबंध में गुप्ता ने कहा कि आधा दर्जन कंपनियों ने प्रस्ताव दिया है।

गुप्ता ने कहा, 'हम कंपनी चुनने के दूसरे चरण में हैं।' हालांकि, उन्होंने इसकी ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा, 'उम्मीद है कि आगे के महीनों में भी आपूर्ति इसी के अनुरूप जारी रहेगी।'' सेफे इसपर माह-दर-माह आधार पर मात्रा पर निर्णय लेगी। गेल ने 28.5 लाख टन एलएनजी प्रतिवर्ष खरीदने के लिए 2012 में गैजप्रोम मार्केटिंग एंड ट्रेडिंग सिंगापुर (जीएमटीएस) के साथ 20 साल का करार किया था। इसकी आपूर्ति 2018 में शुरू हुई और पूरी मात्रा 2023 में पहुंचने वाली थी।

स्विगी का खाने की ऑनलाइन डिलिवरी करने का कारोबार अब मुनाफे में आया

नई दिल्ली। खाने-पीने के सामान की ऑनलाइन डिलिवरी करने वाले मंच स्विगी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक श्रीहर्ष मजेटी ने कहा है कि कंपनी अब मुनाफे की स्थिति में

पहुंच गई है। श्रीहर्ष ने कहा कि अपनी श्रेणी में स्विगी नौ वर्ष से भी कम समय में मुनाफे की स्थिति में पहुंचने वाली कुछ वैश्विक कंपनियों में शामिल हो गई है। भारत के सफर पर मजेटी ने अपने ब्लॉग पर लिखा, 'स्विगी में अगले दो दशक में वृद्धि की भारी क्षमता है और यह खाना पहुंचाने के सेवा क्षेत्र में वृद्धि जारी रखेगा।'उन्होंने लिखा, 'नवोन्मेष पर हमारे विशेष ध्यान ने मजबूत क्रियान्वयन के साथ मिलकर एक और मील का पत्थर स्थापित किया है। मार्च, 2023 तक स्विगी का डिलिवरी कारोबार मुनाफे में आ गया है।' मजेटी ने कहा, 'खाना पहुंचाने के व्यवसाय में यह सिर्फ हमारे लिए नहीं बल्कि पूरी दुनिया में एक मील का पत्थर है क्योंकि स्विगी अस्तित्व में आने के सिर्फ नौ वर्ष के अंदर मुनाफा कमाने वाली कुछ चुनिंदा वैश्विक मंचों में शामिल हो गई है।

ब्रिटेन की दूरसंचार कंपनी बीटी इस दशक के अंत तक 55,000 नौकरियां कम करेगी

लंदन। ब्रिटेन की दूरसंचार कंपनी बीटी ग्रुप की योजना इस दशक के अंत तक 55,000 नौकरियों की कटौती की है। खर्चों में कमी लाने के लिए कंपनी यह कदम उठाने जा रही है। कंपनी ने यह जानकारी दी।

बीटी में नियमित और अनुबंधित कर्मियों की संयुक्त संख्या 1,30,000 है। कंपनी ने हाल में अपनी आमदनी रिपोर्ट में कहा कि उसके कर्मियों की संख्या 2030 तक घटकर 75,000 से 90,000 तक रह जाएगी। पूर्व में ब्रिटिश टेलीकॉम के नाम से जानी जाने वाली कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी फिलिप जानसेन ने कहा, +2020 का दशक खत्म होते-होते बीटी समूह के कर्मियों की संख्या बहुत कम हो जाएगी और खर्च भी बहुत कम हो जाएगा।+

इसके पहले यूरोप और अफ्रीका में परिचालन करने वाली ब्रिटेन की दूरसंचार कंपनी वोडाफोन ने बड़े पुनर्गठन के तहत 11,000 कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की थी।

एसएएफ मिश्रण का उपयोग कर पहली वाणिज्यिक यात्री सेवा ने भरी सफलतापूर्वक उड़ान

नई दिल्ली। भारत में पहली बार एक वाणिज्यिक यात्री विमान ने स्वदेशी रूप से निर्मित सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) मिश्रण का उपयोग कर सफलतापूर्वक उड़ान भरी । एयर एशिया की उड़ान (आई5 767) आज पुणे से दिल्ली पहुंची। इसमें प्राज इंडस्ट्रीज लिमिटेड (प्राज) के साथ साझेदारी में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा सप्लाई एसएएफ का इस्तेमाल किया गया। दिल्ली के एयरपोर्ट पर केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी इस विमान सेवा को रिसीव करने पहुंचे। इस संबंध में एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर एक कदम है। आने वाले समय में ऊर्जा क्षेत्र की आत्मनिर्भरता के लिए पेट्रोलियम क्षेत्र का बड़ा योगदान रहने वाला है। इससे 2070 तक कार्बन के शुद्ध शून्य उत्सर्जन की दिशा में देश के प्रयासों में महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। इस अवसर पुरी ने कहा, 02025 तक, अगर हम जेट ईंधन में 1 प्रतिशत एसएएफ सम्मिश्रण करने का लक्ष्य रखते हैं तो भारत को लगभग 14 करोड़ लीटर एसएएफ प्रतिवर्ष की आवश्यकता होगी। अधिक महत्वाकांक्षी रूप से यदि हम 5 प्रतिशत एसएएफ मिश्रण का लक्ष्य रखते हैं तो भारत को लगभग 70 करोड़ लीटर एसएएफ प्रतिवर्ष की आवश्यकता होगी।'

'अदाणी मामले में अभी तक नहीं मिली कोई नियामकीय गड़बड़ी', विशेषज्ञ समिति ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

नई दिल्ली।अदाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि 'वर्तमान में सेबी की ओर से मिले आंकड़ों और स्पष्टीकरणों को ध्यान में रखते हुए प्रथम दृष्टया निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है कि मूल्यों में हेरफेर या किसी तरह की नियामकीय विफलता हुई है।'

क्या है सुप्रीम कोर्ट की विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट में

विशेषज्ञ कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक ऐसा कुछ नहीं मिला है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि अदाणी ग्रुप ने शेयरों के मूल्यों में कोई गड़बड़ी नहीं की थी। आर्टिफिशियल ट्रेडिंग या एक ही पार्टी द्वारा बार-बार ट्रेडिंग के भी सबूत नहीं मिले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक की जांच में मिनिमम पब्लिक शेयर होल्डिंग का उल्लंघन भी नहीं मिला है। विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि सेबी ने 13 विशिष्ट लेनदेन की पहचान की है, जिसकी उसके द्वारा जांच की जा रही है कि क्या वह कानूनी तौर पर मान्य लेनदेन थे या फिर उनमें कोई गड़बड़ी थी। ऐसे में समिति इन लेनदेन पर अभी कोई टिप्पणी नहीं कर सकती।

बता दें कि 6 जजों वाली सुप्रीम कोर्ट की इस विशेषज्ञ समिति की अध्यक्षता पूर्व जज एएम सप्रे कर रहे हैं। समिति ने सेबी को तय समय सीमा में जांच पूरी करने के निर्देश दिए हैं। सेबी ने जांच पूरी करने के

लिए छह महीने का अतिरिक्त समय मांगा था लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने 14 अगस्त तक अपनी जांच पूरी करने का निर्देश दिया है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारतीय सिक्योरिटी मार्केट में डिस्क्लोजर आधारित काम होता है और डिस्क्लोजर कैपिटल जारी करने या लिस्टिंग के लिए जरूरी बनाए गए हैं। समिति ने कहा कि यह देखने की जरूरत है कि क्या डिस्क्लोजर में निवेशकों के सामने इतनी सारी जानकारी पहुंच जाती है, जिसके चलते बेहद आवश्यक जानकारी पर निवेशकों की नजर ही नहीं पड़ पाती।

मुकुल रोहतगी का दावा- रिपोर्ट अदाणी समूह के पक्ष में

वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट ने हिंडेनबर्ग रिपोर्ट के आरोपों की जांच के लिए एक कमेटी गठित की थी। इस रिपोर्ट में आरोप था कि अदाणी समूह ने कई गलतियां की हैं। समिति की रिपोर्ट में सारी चीजें देखी गई है जिसका निष्कर्ष अदाणी समूह के पक्ष में गया है।

सरकार को 2022-23 के लिए 87,416 करोड़ रुपये डिविडेंड देने को मंजूरी, आरबीआई के बोर्ड की बैठक में फैसला

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को 87,416 करोड़ रुपये डिविडेंड देने पर सहमति दे दी है। यह फैसला केंद्रीय बैंक के बोर्ड की बैठक के दौरान लिया गया। गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में हुई भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 602वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया। इससे पहले वित्त वर्ष 2021-22 में आरबीआई ने सरकार को 30,307 करोड़ रुपये का डिविडेंड दिया था। इसके साथ ही आरबीआई बोर्ड ने कंटीजेंसी रिस्क बफर को मौजूदा लेवल 5.5 फीसदी से बढ़ाकर 6 फीसदी करने का निर्णय लिया है।

अप्रैल 2022 से लेकर मार्च 2023 के बीच केंद्रीय बैंक के कामकाज की हुई समीक्षा

केंद्रीय बैंक की ओर से जारी

बयान में कहा गया कि शुक्रवार को हुई बोर्ड बैठक में मौजूदा ग्लोबल और घरेलू आर्थिक हालातों की समीक्षा की गई। इसके साथ ही वैश्विक राजनीतिक घटनाक्रम से जुड़ी चुनौतियों और उसके प्रभावों पर भी चर्चा की गई। गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में अप्रैल 2022 से लेकर मार्च 2023 के बीच केंद्रीय बैंक के कामकाज की भी समीक्षा की गई। बैठक के दौरान वित्त वर्ष 2022-23 के लिए आरबीआई के सालाना रिपोर्ट और अकाउंट्स को भी मंजूरी दे दी है।

कर्मियों को 18 माह के डीए का एरियर मिलने की उम्मीद, 47 लाख कर्मी व 62 लाख पेंशनरों को होगा लाभ

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के लगभग 47 लाख कर्मचारी और 62 लाख पेंशनरों को मायूस होने की जरूरत नहीं है। कर्मचारियों के सरकार की तरफ बकाया 34402.32 करोड़ रुपये का भुगतान कराने की लड़ाई दोबारा शुरू हो गई है। 'नेशनल ज्वाइंट काउंसिल ऑफ एक्शन' (एनजेसीए) के वरिष्ठ सदस्य एवं अखिल भारतीय रक्षा कर्मचारी महासंघ (एआईडीईएफ) के महासचिव सी. श्रीकुमार ने बताया, हम पुरानी पेंशन बहाली की मांग के साथ ही अब कोरोनाकाल में रोके गए 18 महीने के डीए/डीआर के भुगतान की लड़ाई भी लड़ेंगे। कैबिनेट सचिव को स्टाफ साइड' की राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) द्वारा 18 माह के डीए एरियर के भुगतान के लिए लिखा है। वित्त मंत्रालय को भी प्रतिवेदन दिया है। अब एनपीएस की समाप्ति और ओपीएस बहाली की मांग के लिए जो आंदोलन किया जा रहा है, उसी में बकाया एरियर राशि का मुद्दा भी जुड़ गया है। इस बाबत केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला भी दे दिया है। डीए के एरियर का भुगतान सरकार को करना ही पड़ेगा।

केंद्र सरकार की ओर से दी गई ये दलील

केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनर्स, कोरोनाकाल में रोके गए 18 महीने के डीए एरियर के भुगतान को लेकर लंबे समय से मांग कर रहे थे। केंद्र सरकार ने

इस वर्ष संसद के बजट सत्र में यह बात मानी थी कि डीए की बकाया राशि जारी करने के लिए कई कर्मचारी संगठनों की ओर से आवेदन मिले हैं। हालांकि सरकार ने इस संबंध में कोई ठोस भरोसा देने की बजाए साफ तौर से कह दिया कि मौजूदा परिस्थितियों में डीए जारी करना व्यावहारिक नहीं है। केंद्र सरकार अपने कर्मचारियों को 34 हजार करोड़ रुपये से अधिक की डीए/डीआर राशि का भुगतान नहीं करेगी। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा था, अभी भी केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा एफआरबीएम अधिनियम में दर्शाए स्तर से दोगुने से अधिक चल रहा है। ऐसे में डीए/डीआर का एरियर देना संभव नहीं है। सी. श्रीकुमार बताते हैं, सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि ऐसे मामलों में कर्मचारी को छह फीसदी ब्याज के साथ उसका भुगतान करना होता है।

कोरोनाकाल में रोका गया था डीए का भुगतान

केंद्र सरकार ने कोरोनाकाल के दौरान जनवरी 2020 से जून 2021 तक 18 महीने का महंगाई भत्ता और महंगाई राहत की 3 किस्तें रोक ली थीं। उस वक्त सरकार ने आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने की बात कही थी। राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) के सचिव शिव गोपाल मिश्रा ने उस वक्त कैबिनेट सचिव के साथ हुई बैठक में इस मुद्दे को उठाया। कर्मियों को उम्मीद थी कि उन्हें बकाया राशि मिल जाएगी। गत बजट सत्र में इस मांग को सरकार ने सिरे से खारिज कर दिया। 'एआईडीईएफ' महासचिव सी. श्रीकुमार के मुताबिक, सरकार के मन में खोट आ चुका है। केंद्र ने 2020 के प्रारंभ में कोविड-19 की आड़ लेकर सरकारी कर्मियों और पेंशनरों के डीए/डीआर पर रोक लगा दी थी। उस वक्त कर्मियों के 11 फीसदी डीए का भुगतान रोक कर केंद्र सरकार ने 40 हजार करोड़ रुपये की राशि बचा ली थी। उसके बाद कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने 18 माह के एरियर के भुगतान को लेकर सरकार को कई तरह के विकल्प सुझाए थे। इनमें एरियर का एकमुश्त भुगतान करना भी शामिल था। स्टाफ साइड के सचिव शिव गोपाल मिश्रा व श्रीकुमार ने तो यहां तक कह दिया था कि एरियर जारी करने को लेकर सरकार किसी दूसरे तरीके पर चर्चा करना चाहती है, तो कर्मचारी संगठन उसके लिए भी तैयार है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कोरोनाकाल के बाद यह घोषणा की थी कि कर्मचारियों को 28 फीसदी के हिसाब से महंगाई भत्ता मिलेगा। उस वक्त उन्होंने एरियर को लेकर कोई बात नहीं कही। केंद्रीय मंत्री की घोषणा का अर्थ यह था कि बढ़े हुए डीए की दर एक जुलाई 2021 से 28 फीसदी मान ली जाए। इसके अनुसार जून 2021 और जुलाई 2021 के बीच डीए में एकाएक 11 फीसदी वृद्धि हो गई, जबकि डेढ़ साल की अवधि में डीए की दरों में कोई वृद्धि दर्ज नहीं की गई। एक जनवरी 2020 से लेकर एक जुलाई 2021 तक डीए/डीआर फ्रीज कर दिया गया था। कोरोना संक्रमण काल में डीए की तीन किस्त (01 जनवरी 2020, 01 जुलाई 2020, 01 जनवरी 2021) रोक दी गई थी। इसके बाद सरकार ने जुलाई 2021 में महंगाई भत्ते को बहाल कर दिया था। तब 18 महीने की बकाया तीन किस्तों का पैसा देने पर सरकार चुप हो गई। एरियर के लिए कर्मचारी संगठनों ने केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला दिया था। श्रीकुमार के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसलों में कहा था कि वेतन और पेंशन कर्मियों का पूर्ण अधिकार है। राष्ट्रीय परिषद (जेसीएम) के सचिव/कर्मचारियों ने अपने पत्र दिनांक 16/04/2021 के माध्यम से डीए/डीआर को फ्रीज करने के सरकार के फैसले का बड़ा विरोध किया था।

तीन दिन के बाद बाजार हरे निशान पर बंद

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शेयर बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। सेंसेक्स 297.94 अंकों की बढ़त के साथ 61,729.68 अंकों पर जबकि निफ्टी 73.45 अंक मजबूत होकर 18203.40 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी सेशन के दौरान टाटा मोटर्स के शेयर तीन प्रतिशत की बढ़त के साथ जबकि टेक महिंद्रा के शेयर दो प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के रिसर्च हेड विनोद नायर के अनुसार हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन हालांकि घरेलू शेयर बाजार में निर्णायक दिशा की कमी देखी गई, लेकिन आखिरकार यह सकारात्मक रुख के साथ बंद हुआ।

अमेरिकी रोजगार के आंकड़ों का बाजार पर पड़ा सकारात्मक असर

नायर के अनुसार अमेरिकी बाजार में ऋण सीमा वार्ता में प्रगति और उम्मीद बेरोजगारी के मजबूत आंकड़ों से सकारात्मक रुझान दिखा। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मजबूती इस बात के संकेत देते हैं कि फेडरल रिजर्व एक विस्तारित अवधि के लिए नीतिगत दरों को ऊंचा बनाए रख सकता है। शुक्रवार को रुपया पांच पैसे की गिरावट के साथ 82.67 रुपये (अस्थायी) के लेवल पर कारोबार करता दिखा।

ट्विटर ने माइक्रोसॉफ्ट पर लगाया अपने डाटा के दुरुपयोग का आरोप, कानूनी जंग शुरू होने की आशंका

वाशिंगटन। ट्विटर के एक वकील ने प्रौद्योगिकी दिग्गज कंपनी माइक्रोसॉफ्ट पर अपनी सेवाओं से जुड़े डाटा के दुरुपयोग का आरोप लगाया है और बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी से उसका ऑडिट कराने की मांग की है। पत्र में प्राथमिक तौर पर माइक्रोसॉफ्ट पर ट्विटर के

ट्वीट डाटाबेस के दुरुपयोग का आरोप है। लेकिन, यह कदम दोनों कंपनियों के बीच कानूनी जंग शुरू होने का आभास देता है।

पेन अमेरिका गाला में सम्मानित हुए रुश्दी

नौ माह पूर्व जानलेवा हमले में बाल-बाल बचे सलमान रुश्दी पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए और उन्हें पेन शताब्दी साहस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

रुश्दी मैनहट्टन में 'अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नैचरल हिस्ट्री' में न्यूयॉर्क शहर में साहित्यिक और स्वतंत्र अभिव्यक्ति संगठन 'पेन अमेरिका' के वार्षिक कार्यक्रम में शामिल हुए। वह इस संगठन के अध्यक्ष रह चुके है। कार्यक्रम में बोलते हुए रुश्दी ने कहा, आतंकवाद हमें आतंकित न करे। हिंसा हमें रोक न पाए। संघर्ष जारी है।

चीन से संबंधित मुद्दों पर बाइडन और किशिदा ने जताई एकजुटता, हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर की चर्चा

टोक्यो। दुनिया की सात विकसित अर्थव्यवस्थाओं के समूह के नेताओं ने यहां चीन को लेकर इस बात पर चर्चा की कि चीनी चिंता को कार्रवाई में कैसे बदला जाए। इस बीच जापान के पीएम फुमियो किशिदा ने अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बैठक में चीन से संबंधित मुद्दों पर मिलकर काम करने और साझा चुनौतियों पर एकजुटता पर सहमति जताई। दोनों नेताओं ने क्षेत्रीय मुद्दों पर वैचारिक आदान-प्रदान किया। बाइडन और किशिदा ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र, विशेष रूप से पूर्वी एशिया में चीनी बल द्वारा यथास्थिति को बदलने के किसी भी एकतरफा प्रयास को बर्दाश्त न करने का संकल्प भी लिया। बाइडन इस वक्त जी-7 बैठक में हिस्सा लेने के लिए हिरोशिमा में हैं। दोनों नेताओं ने ताइवान स्ट्रेट में शांति-स्थिरता के महत्व को दोहराया और जापान-अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार समिति के आधार पर गठबंधन क्षमताओं को और मजबूत करने पर सहमति जताई। बाइडन ने जापान-दक्षिण कोरिया के बीच रिश्तों में सुधार का स्वागत किया। बाइडन और किशिदा ने ग्लोबल साउथ का समर्थन करने की पुष्टि भी की। बता दें कि बाइडन प्रशासन गत दो वर्षों से वाशिंगटन और कुछ पश्चिमी लोकतंत्रों से मिलकर चीन के आर्थिक जबरदस्ती पर लगातार मजबूत प्रतिक्रिया देने की मांग करता रहा है। लेकिन जी-7 में जलवायु परिवर्तन, उत्तर कोरिया, यूक्रेन तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की बढ़ती संख्या की ऋण समस्याओं पर भी चीन से सहयोग की जरूरत बताई। बाइडन-किशिदा ने साझा होकर कहा कि क्षेत्र के आर्थिक क्रम में अमेरिकी जुड़ाव तेजी से अहम होता जा रहा है। उन्होंने हिंद-प्रशांत आर्थिक ढांचा (आईपीईएफ) पर भी चर्चा की। दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के महत्व को साझा किया। जापानी विदेश मंत्रालय ने किशिदा के हवाले से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति व स्थिरता को आधारशिला बताया।

इंसानी लापरवाही और जलवायु परिवर्तन ने सुखा दीं दुनिया की आधी से ज्यादा झीलें

काठमांडू। जलवायु परिवर्तन और इंसानी लापरवाही के चलते दुनियाभर की आधी से ज्यादा बड़ी झीलें तेजी से सूख रही हैं। अमेरिका के वर्जीनिया विश्वविद्यालय के फांगफैंग याओ ने शोध के आधार पर दावा किया है कि 1990 के बाद से इन झीलों का अरबों लीटर पानी भाप बनकर उड़ चुका है और फिर से इनके पूरी तरह भरने की संभावनाएं कम हैं। इस शोध को हाल ही में साइंस जर्नल में प्रकाशित किया गया है। याओ के नेतृत्व में विज्ञानियों ने दुनिया के 95 फीसदी झील जल का प्रतिनिधित्व करने वाली 2,000 सबसे बड़ी झीलों का अध्ययन किया। इस अध्ययन में पता चला कि हर साल झीलों से 215 खरब लीटर पानी कम हो रहा है। अध्ययन के मुताबिक इलाकों में पहले से ज्यादा बारिश के बाद भी झीलें लगातार सूखती जा रही हैं, क्योंकि तापमान बढ़ने से ज्यादा पानी भाप बन कर उड़ रहा है।

हिरोशिमा में हुई मोदी-बाइडन मुलाकात, मोदी के पास आकर गले मिले बाइडन

टोक्यो। जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने हिरोशिमा पहुंचे भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की मुलाकात गर्मजोशी से भरी रही। जो बाइडन स्वयं मोदी के पास आए और फिर दोनों नेता गले मिले।

जापान के हिरोशिमा में हो रहे जी-7 सम्मेलन में भारत को बतौर मेहमान देश के रूप में आमंत्रित किया गया है। भारत के अलावा इस सम्मेलन में इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और ऑस्ट्रेलिया भी बतौर मेहमान देश शामिल हो रहे हैं।

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब इस शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पहुंचे, उसी समय अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन भी वहां पहुंचे। बैठक हॉल में प्रवेश करते ही बाइडन खुद पीएम मोदी के पास आए। पीएम मोदी ने उनसे गले मिलकर अभिवादन किया, जिसके बाद दोनों नेताओं के बीच कुछ बातें भी हुई। पीएम मोदी जी-7 सम्मेलन के लिए जापान में 19 से 21 मई तक रहेंगे।

पद्मश्री डॉ. तोमियो मिजोकामी से मिले

इससे पहले मोदी ने आज जापान के हिंदी व पंजाबी भाषा के जानकार और पद्मश्री से सम्मानित

मशहूर लेखक डॉ. तोमियो मिजोकामी और जापान की मशहूर चित्रकार हिरोको ताकायामा से भी मुलाकात की। डॉ. तोमियो से मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने ट्वीट करते हुए कहा कि प्रोफेसर तोमियो मिजोकामी से मिलकर उन्हें खुशी हुई। वह हिंदी और पंजाबी भाषा के जानकार हैं और जापान के लोगों के बीच भारतीय संस्कृति को लोकप्रिय बनाने में उनकी अहम भूमिका है।

कोरिया के राष्ट्रपति से मुलाकात

भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की कोरिया गणतंत्र के राष्ट्रपति के साथ अहम बैठक हुई। अच्छे दोस्त रहे भारत और कोरिया गणतंत्र सांस्कृतिक तौर पर भी जुड़े हैं। इस बैठक में दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने की दिशा में अहम बातचीत हुई।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि भारत और कोरिया के कूटनीतिक रिश्तों को इस साल 50 साल पूरे हो रहे हैं। इस मौके पर दोनों देशों के नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर सहमति जताई। दोनों देश व्यापार, निवेश, उच्च तकनीक, आईटी हार्डवेयर, मैन्युफैक्चरिंग, डिफेंस, सेमीकंडक्टर और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में रिश्तों को मजबूत करने पर सहमत हैं। साथ ही भारत की जी20 बैठक की अध्यक्षता और हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र में कोरिया की रणनीति पर भी चर्चा हुई।

पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा सहित 500 अमेरिकी नागरिकों के रूस प्रवेश पर पाबंदी

रूस से जुड़े 100 संस्थानों और लोगों पर अमेरिका ने लगाया प्रतिबंध

मॉस्को। रूस ने 500 अमेरिकी नागिरकों के रूस प्रवेश पर पाबंदी लगा दी है। इससे पहले अमेरिका ने 100 रूसी संस्थानों व लोगों को प्रतिबंधित कर दिया था। यूक्रेन पर हमले के बाद रूस पर अमेरिका की ओर से लगातार प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। अब रूस ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा और टेलीविजन जगत की ओर से कई बड़ी हस्तियों सहित 500 अमेरिकी नागरिकों के रूस में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है।

रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि बाइडन प्रशासन की तरफ से बार-बार रूस पर लगाए जा रहे

प्रतिबंधों के मद्देनजर अब पुतिन सरकार भी 500 अमेरिकियों के लिए अपने दरवाजे बंद कर रही है। इससे पहले अमेरिका ने रूस से जुड़े 100 से ज्यादा संस्थानों और लोगों को प्रतिबंधित कर दिया था। रूस के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका को काफी पहले सीख लेना चाहिए था कि उसका कोई भी दुश्मनी वाला कदम बिना जवाब के नहीं होगा। रूस ने जिनको प्रतिबंधित किया है, उनमें टीवी होस्ट स्टीफन कोल्बर्ट, जिमी किमेल और सेथ मायर्स भी शामिल हैं।

सीएनएन एंकर एरिन बर्नेट और एमएसएनबीसी प्रेजेंटर्स जो स्कारबरो के नाम भी इस सूची में हैं। रूस ने कहा है कि उसने अमेरिकी सांसदों और रूस के खिलाफ गलत जानकारी फैलाने वाले थिंक टैंक के लोगों को भी काली सूची में डाल दिया है। इसके अलावा यूक्रेन को हथियारों की आपूर्ति करने वाली कंपनियों के प्रमुख अधिकारियों को भी प्रतिबंधित कर दिया गया है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का जापान जाने का कार्यक्रम

वाशिंगटन। रूस के आक्रमण का सामना कर रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की का इस सप्ताहांत जापान की यात्रा का कार्यक्रम है। वह इस दौरान हिरोशिमा पहुंच सकते हैं। इसका मकसद जी-7 समूह के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे सदस्य देशों के नेताओं मुलाकात करना है। अमेरिका मीडिया की कुछ रिपोर्टों में यूक्रेन की राष्ट्रीय रक्षा परिषद के प्रमुख ओलेक्सी डेनिलोव के हवाले से यह जानकारी दी गई है। ओलेक्सी डेनिलोव ने राष्ट्रपति जेलेंस्की की यात्रा की घोषणा राष्ट्रीय टेलीविजन पर की है। इसमें कहा गया है कि जेलेंस्की शिखर सम्मेलन के समूह में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहेंगे। एक यूक्रेनी अधिकारी ने कहा है कि जेलेंस्की जापान कब पहुंचेंगे, इसे सुरक्षा कारणों की वजह से स्पष्ट नहीं किया गया है। उल्लेखनीय है कि इस शिखर सम्मेलन में रूस-यूक्रेन संघर्ष पर भी चर्चा होने की संभावना है।

सऊदी अरब में भारतीय को घर के गेट पर स्वास्तिक बनाना पड़ा महंगा, भेजा गया जेल

रियाद। सऊदी अरब में एक भारतीय इंजीनियर को अपने घर के गेट पर स्वास्तिक बनाना महंगा पड़ गया। पड़ोसी की शिकायत पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आंध्र प्रदेश के गुंटूर के रहने वाले 45 वर्षीय केमिकल इंजीनियर एक साल से भी ज्यादा समय से सऊदी अरब में रहकर नौकरी कर रहे हैं। पिछले माह इंजीनियर ने अपने परिवार को भी सऊदी अरब बुला लिया था। परिजनों ने अपनी धार्मिक मान्यता के चलते अपने फ्लैट के गेट पर स्वास्तिक का निशान बना दिया। इसे उनके पड़ोसी एक स्थानीय अरब व्यक्ति ने हिटलर का नाजी निशान समझ लिया।

पड़ोसी ने इसकी शिकायत पुलिस को की और अपनी जान को खतरा बताया। शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आंध्र के इंजीनियर को गिरफ्तार कर लिया। इंजीनियर ने काफी समझाने की कोशिश की कि यह नाजी निशान नहीं बल्कि हिंदू धर्म का पवित्र निशान है लेकिन पुलिस अधिकारी नहीं माने और इंजीनियर को जेल भेज दिया।

सूचना मिलने पर एनआरआई एक्टिविस्ट मुजम्मिल शेख, भारतीय इंजीनियर की मदद के लिए आगे आए और उन्होंने अधिकारियों को समझाया तो आखिरकार पुलिस वाले मान गए। हालांकि शनिवार और रविवार को छुट्टी का दिन होने के चलते भारतीय इंजीनियर को बिना किसी अपराध के दो दिन जेल में बिताने होंगे। मुजम्मिल शेख ने बताया कि संस्कृति की गलतफहमी के चलते यह घटना हुई। हमने अधिकारियों को बताया कि स्वास्तिक का निशान हिंदू धर्म में काफी पवित्र माना जाता है और सुख-समृद्धि के लिए इसे घरों के गेट पर बनाया जाता है। सऊदी अरब में भारतीय समुदाय के लिए काम करने वाले केरल के नैस शौकत अली ने भी भारतीय इंजीनियर की मदद की।

निजगढ़ में नेपाल के चौथे इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण की घोषणा

काठमांडू। निजगढ़ में नेपाल का चौथा इंटरनेशनल एयरपोर्ट बनने जा रहा है। प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार ने अपनी नीतियों और कार्यक्रमों में इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण को बढ़ाने का उल्लेख किया है। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को संसद में वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए नीति एवं कार्यक्रम पेश करते हुए बारा जिले के निजगढ़ में इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण की प्रक्रिया तेज करने की घोषणा की। अनुमान है कि निजगढ़ में इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण के लिए 3 मिलियन पेड़ों को काटने की जरूरत है । पर्यावरणविद् इसका विरोध करते रहे हैं। निजगढ़ बिहार के सीमावर्ती शहर रक्सौल से 50 किमी दूर है। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने भी निजगढ़ में एयरपोर्ट नहीं बनाने का आदेश जारी किया था। हालांकि, बाद में एक और आदेश जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि इसे कम पर्यावरणीय क्षति के साथ बनाया जा सकता है। नेपाल पर्यावरणविद् इसका विरोध करते रहे हैं। नेपाल में त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के अलावा पोखरा और भैरहवा में इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। हालांकि, केवल काठमांडू का त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट ही चालू है।

बांग्लादेश पहुंचने पर शंकराचार्य अधोक्षजानंद का भव्य स्वागत

हवाई अड्डे पर पंकज नाथ समेत कई सांसदों ने की शंकराचार्य की आगवानी

-गौड़िया मठ में बांग्लादेश के भक्तों ने किया जगद्गुरु की परंपरागत ढंग से स्वागत

-बांग्लादेश स्थित शक्ति पीठों का दर्शन और पूजन करेंगे शंकराचार्य अधोक्षजानंद

ढाका। 52 शक्तिपीठ और 12 ज्योतिर्लिंग दर्शन हेतु भारत समेत अन्य देशों के भ्रमण पर निकले गोवर्धन पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज का बांग्लादेश पहुंचने पर भव्य स्वागत हुआ। जगद्गुरु शंकराचार्य बांग्लादेश स्थित शक्ति पीठों का दर्शन और पूजन करेंगे। ढाका हवाई अड्डे पर बांग्लादेश के सांसद, पंकज नाथ, सांसद श्रीमती अर्चना गोरो, त्रिपुरा विधानसभा के उपाध्यक्ष राम प्रसाद पाल, वरिष्ठ पत्रकार सुभाष राय और सुशांतो चक्रवर्ती समेत कई जनप्रतिनिधियों ने जगद्गुरु शंकराचार्य की आगवानी की।

इसके बाद शंकराचार्य जी का काफिला गौड़िया मठ पहुंचा, जहां भारी संख्या में उपस्थित स्थानीय श्रद्धालुओं और मठ के भक्तों ने गाजे-बाजे के साथ पारंपरिक तरीके से जगद्गुरु देव तीर्थ का भव्य स्वागत किया। शंकराचार्य जी ने मठ में उपस्थित लोगों को आशीर्वाद भी दिया।

गौड़िया मठ में उपस्थित प्रमुख लोगों में विश्व हिन्दू परिषद, बांग्लादेश चैप्टर के संयुक्त महामंत्री सुजन डे, बांग्लादेश में सत्तारुढ़ राजनीतिक दल के वरिष्ठ नेता एसके बादल, बांग्लादेश हिन्दू परिषद के महामंत्री एसके मित्रा समेत विभिन्न हिन्दू संगठनों और छात्र संगठनों के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल रहे। गोर्वधन पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज बांग्लादेश में प्रवास कर यहां स्थित विभिन्न शक्ति पीठों का दर्शन और पूजन करेंगे। इस दौरान जगद्गुरु जगह-जगह श्रद्धालुओं को आशीर्वचन भी देंगे। शंकराचार्य जी के स्वागत में 20 मई को ढाका में एक विशाल कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है। बांग्लादेश प्रवास के दौरान जगद्गुरु शंकराचार्य ढाका स्थित ढाकेश्वरी शक्ति पीठ, शिकारपुर में सुगन्धा शक्ति पीठ, सतखीरा जिले में यशोरेश्वरी शक्ति पीठ, चिट्टागौंग जिले में चन्द्रनाथ पर्वत शिखर पर चट्टल भवानी शक्ति पीठ, खागुरा में अपर्णा शक्ति पीठ और सिलहट जिला में श्री शैल महालक्ष्मी शक्ति पीठ पहुंचकर देवी माता के सभी मंदिरों में दर्शन और पूजन करेंगे। गोवर्धन पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अधोक्षजानंद देव तीर्थ जी महाराज 19 नवम्बर 2021 से 12 ज्योतिर्लिंगों एवं 52 शक्ति पीठों की यात्रा पर हैं। सम्पूर्ण भारत का भ्रमण कर अधिकतर ज्योतिर्लिंगों और शक्ति पीठों का दर्शन-पूजन सम्पन्न कर लेने के बाद शंकराचार्य जी ने पड़ोसी देशों में स्थित शक्ति पीठों के दर्शन की यात्रा दूसरे चरण में प्रारम्भ की है। नेपाल और श्रीलंका की यात्रा के बाद अब वह बांग्लादेश पहुंचे हैं। शंकराचार्य के साथ भारत के संतों और विद्वानों का एक सात सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल भी बांग्लादेश की यात्रा पर है। इस क्रम में जल्द ही वह तिब्बत और पाकिस्तान स्थित शक्ति पीठों की भी यात्रा करेंगे।

'ये गलत शब्द है..', रूस-यूक्रेन युद्ध में भारत पर दबाव बनाने के सवाल पर भड़के अमेरिकी सुरक्षा सलाहकार

टोक्यो। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 सम्मेलन में शामिल होने के लिए जापान दौरे पर हैं। इस दौरान उनकी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से भी मुलाकात का कार्यक्रम है। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन से सवाल किया गया कि क्या अमेरिका, रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत पर दबाव बनाएगा? इसके जवाब में अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवन ने कहा कि - लगता है कि दबाव, गलत शब्द है।'

अमेरिकी एनएसए ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि 'दबाव एक गलत शब्द है। मेरा मतलब है कि राष्ट्रपति बाइडन अहम नेताओं के साथ इस तरह काम नहीं करते। हालांकि हम इस

अवसर पर भारतीय प्रधानमंत्री और ब्राजील के राष्ट्रपति से बातचीत करेंगे कि किस तरह से दोनों देश उत्पादक भूमिका निभा सकते हैं। सुलिवन ने कहा कि ब्राजील ने कई यूएन जनरल असेंबली के प्रस्तावों का समर्थन किया है और इसके लिए राष्ट्रपति लुला को धन्यवाद दिया जाएगा।%

जैक सुलिवन ने कहा कि यूक्रेन मुद्दे के अलावा भी कई अन्य अहम मुद्दों पर भी बातचीत होगी। बता दें कि जापान के हिरोशिमा में हो रहे जी-7 सम्मेलन में भारत को बतौर मेहमान देश के रूप में आमंत्रित किया गया है। भारत के अलावा इस सम्मेलन में इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और ऑस्ट्रेलिया भी बतौर मेहमान देश शामिल हो रहे हैं। जापान में जी-7 सम्मेलन के अलावा क्वाड की बैठक भी होनी है। पहले यह बैठक ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में आयोजित होनी थी लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा अपना दौरे में कटौती की है, जिसकी वजह से अब क्वाड की बैठक जापान में आयोजित होगी। जी-7 की बैठक में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिरी जेलेंस्की भी शामिल होंगे और उनकी पीएम मोदी से द्विपक्षीय मुलाकात भी हो सकती है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 सम्मेलन में शामिल होने के लिए जापान दौरे पर हैं। इस दौरान उनकी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से भी मुलाकात का कार्यक्रम है। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जैक सुलिवन से सवाल किया गया कि क्या अमेरिका, रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भारत पर दबाव बनाएगा? इसके जवाब में अमेरिकी एनएसए जैक सुलिवन ने कहा कि 'मुझे लगता है कि दबाव, गलत शब्द है।'

कौन हैं पद्मश्री से सम्मानित मिजोकामी, जिनसे नेताओं की बैठक के बीच मिलने पहुंच गए पीएम मोदी?

टोक्यो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-7 के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए जापान के हिरोशिमा पहुंच गए हैं। वह जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के न्योते पर हिरोशिमा आएं हैं। दरअसल जापान, जी-7 समूह के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में इसके शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है और भारत को इसमें अतिथि देश के रूप में आमंत्रित किया गया है। इस दौरान, पीएम मोदी ने प्रसिद्ध जापानी लेखक पद्मश्री डॉक्टर तोमियो मिजोकामी से मुलाकात की।

पीएम मोदी ने की तारीफ

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि पीएम मोदी और मिजोकामी के बीच बातचीत हुई। जापान में भारतीय साहित्य को बढ़ावा देने और दोनों देशों को करीब लाने में योगदान के लिए पीएम ने मिजोकामी की सराहना की। पीएम नरेंद्र मोदी ने तोमियो से हुई मुलाकात को लेकर कहा कि हिरोशिमा में प्रोफेसर तोमियो मिजोकामी के साथ बातचीत करके बहुत खुशी हुई। वह एक प्रतिष्ठित हिंदी और पंजाबी भाषाविद् हैं। उन्होंने जापान के लोगों के बीच भारतीय संस्कृति और साहित्य को लोकप्रिय बनाने के लिए कई प्रयास किए हैं। इसके अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने प्रमुख जापानी चित्रकार हिरोको ताकायामा से भी बातचीत की। पीएम ने कहा कि उन्होंने भारत के साथ घनिष्ठ संबंध रखने वाली सम्मानित कलाकार हिरोको ताकायामा से मुलाकात की।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत से आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगे : शेन वॉटसन

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की टीम दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में टाटा आईपीएल 2023 के अपने आखिरी मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से भिड़ने के लिए तैयार है। मैच से पहले दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच शेन वॉटसन ने कहा, एक फ्रेंचाइजी के रूप में और व्यक्तिगत रूप से खेलने के लिए हमारे पास निश्चित रूप से बहुत कुछ है। उम्मीद है, हम वास्तव में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं और पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी जीत से आत्मविश्वास ले सकते हैं। वॉटसन ने यह भी कहा कि आईपीएल 2023 सीजन ने डीसी कैंप में युवा खिलाड़ियों के विकास में एक बड़ी भूमिका निभाई है, उन्होंने कहा, इस सीजन के दौरान युवा भारतीय बल्लेबाजों के लिए बहुत प्रगति और विकास हुआ है। हम खिलाड़ियों को जितनी जल्दी हो सके उन्हें बढ़ने में मदद करने के लिए व्यक्तिगत रूप से काम कर रहे हैं। इस साल ने युवा खिलाड़ियों के विकास में एक बड़ी भूमिका निभाई है; उम्मीद है, हमने उन्हें आगामी सीजन के लिए तैयार कर लिया है। इस सीजन में पृथ्वी शॉ के फॉर्म के बारे में पूछे जाने पर, वॉटसन ने कहा, पृथ्वी शॉ सबसे खूबसूरत बल्लेबाजों में से एक है। हमारे पिछले गेम में निश्चित रूप से उन्होंने फॉर्म में कुछ वापसी की है।

ईगा स्वियातेक चोटिल होने के कारण इटालियन ओपन से बाहर

रोम। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी और यहां पिछले दो बार की चैंपियन ईगा स्वियातेक को जांघ की चोट के कारण इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में आधे मैच से बाहर होना पड़ा। स्वियातेक ने विंबलडन चैंपियन इलेना रयबाकिना के खिलाफ तीसरे सेट में तब हटने का फैसला किया जब स्कोर 2-2 से बराबरी पर था। स्वियातेक ने पहला सेट 6-2 से जीता था जबकि रयबाकिना ने दूसरा सेट 7-6 (3) से जीतकर मैच को तीसरे और निर्णायक सेट तक खींच दिया था। इस चोट से स्वियातेक के 28 मई से शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन में खेलने को लेकर भी आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं जहां पोलैंड की यह खिलाड़ी गत चैंपियन है। यह तीसरा अवसर है जबकि रयबाकिना ने स्वियातेक को हराया। सेमीफाइनल में उनका मुकाबला वेलेना ओस्टापेंको से होगा जिन्होंने एक अन्य क्वार्टर फाइनल में पाउला बाडोसा को 6-2, 4-6, 6-3 से पराजित किया। महिला वर्ग के दूसरे सेमीफाइनल में रूस की वेरोनिका कुदेरमेतोवा का सामना यूक्रेन की एलिना कालिनिना से होगा।

इटली में बाढ़ के कारण फार्मूला वन एमीलिया-रोमाग्ना ग्रां प्री रद्द

इमोला। उत्तरी इटली में इस सप्ताहांत होने वाली एमीलिया-रोमाग्ना ग्रां प्री फार्मूला वन रेस को क्षेत्र में भयंकर बाढ़ के कारण रद्द कर दिया गया। फार्मूला वन (एफवन) ने कहा कि उन्होंने इटली के नेताओं से सलाह मशविरे के बाद सुरक्षा कारणों और आपात सेवाओं पर अतिरिक्त बोझ डालने से बचने के लिए यह फैसला किया है। एफवन ने बयान में कहा कि यह फैसला किया गया क्योंकि हमारे प्रशंसकों, टीम और कर्मचारियों के लिए प्रतियोगिता का सुरक्षित आयोजन संभव नहीं था और क्षेत्र के नगर और शहर जिस स्थिति का सामना कर रहे हैं उसे देखते हुए यह सही और जिम्मेदारी भरी चीज है।

विशेष आम बैठक के बाद विश्व कप को लेकर बड़ी घोषणा कर सकता है बीसीसीआई

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 27 मई को अहमदाबाद में एक विशेष आम बैठक (एसजीएम) बुलाई है और ऐसी संभावना है कि बैठक के बाद कोई महत्वपूर्ण घोषणा हो सकती है।

एसजीएम एजेंडे के पांच बिंदुओं में से एक आईसीसी विश्व कप 2023 के लिए कार्य समूह का गठन है और चर्चा है कि अक्टूबर-नवंबर चैंपियनशिप के स्थानों को उस दिन सार्वजनिक किया जा सकता है। आयोजन समिति के सदस्यों की भी घोषणा हो सकती है।

विश्व कप की तारीखों की घोषणा अभी तक नहीं की गई है, लेकिन ऐसी अटकलें हैं कि यह टूर्नामेंट 5 अक्टूबर से शुरू होगी और 19 नवंबर को देश भर में 12 स्थानों के साथ समाप्त होगी। जैसा कि सर्वविदित है, अहमदाबाद फाइनल की मेजबानी करेगा। इस बीच, बीसीसीआई महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के लिए एक समिति के गठन की घोषणा करेगा। डब्ल्यूपीएल का पहला संस्करण मार्च में आईपीएल की गवर्निंग काउंसिल द्वारा आयोजित किया गया था। अब बीसीसीआई महिला लीग के लिए एक अलग निकाय का गठन कर सकता है, जिसे हितधारकों (मुख्य रूप से मालिकों और प्रसारकों) और जनता दोनों से समान रूप से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है।

इस बीच, यह बात सामने आई है कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए टीम के सदस्य तीन बैच में इंग्लैंड के लिए रवाना होंगे।आईपीएल के लीग चरण के समापन के तुरंत बाद पहला बैच 23 मई को उड़ान भरेगा। दूसरा बैच 23 और 24 मई को पहले दो प्ले-ऑफ मैचों के बाद चलेगा और अंत में आखिरी बैच 28 मई को होने वाले फाइनल मुकाबले के बाद 30 मई को रवाना होगा। बीसीसीआई टीम के लिए एक अभ्यास मैच आयोजित करने की योजना बना रहा है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल 7 से 12 जून तक ओवल में खेला जाएगा।

पैरा वर्ल्ड रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में श्याम सुंदर ने भारत को दिलवाया स्वर्ण पदक

जयपुर। यूरोप के चेक रिपब्लिक में आयोजित पैरा वर्ल्ड रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में भारत के लिए इतिहास रचने वाला दिन रहा। तीरंदाज प्रशिक्षक अनिल जोशी ने बताया कि भारतीय कंपाउंड टीम श्यामसुंदर स्वामी व राकेश कुमार की युगल जोड़ी ने फ्रांस को फाइनल मुकाबले में जबरदस्त टक्कर देखकर प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। फ्रांस के साथ फाइनल मुकाबला में भारत में 141 वह फ्रांस ने 138 अंक बनाएं 2 अंकों की बढ़त के साथ भारत ने स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। श्यामसुंदर स्वामी के बेहतरीन प्रदर्शन से स्वर्ण पदक हासिल किया। श्याम सुंदर स्वामी का व्यक्तिगत मुकाबला शनिवार, 20 मई को कांस्य पदक के लिए खेला जाएगा। स्वामी के पदक पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राजस्थान सरकार के शिक्षा मंत्री डॉ बी डी कल्ला, महापौर सुशीला राजपुरोहित, शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल, संभागीय आयुक्त नीरज के पवन ने प्रशिक्षक अनिल जोशी को बधाई दी।

घुटने की चोट को कारण महेंद्र सिंह धोनी निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हैं : माइक हसी

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बल्लेबाजी कोच माइक हसी ने कहा है कि घुटने की चोट को कारण कप्तान महेंद्र सिंह धोनी निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हैं। हसी ने यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा, यह बहुत स्पष्ट है कि वह आखिरी के कुछ ओवरों में आना पसंद करते हैं, यही उनकी योजना है। उनका घुटना 100 प्रतिशत सही नहीं है, और वह पूरे टूर्नामेंट में जितना हो सके उतना अच्छा करने की कोशिश कर रहे हैं। वह जल्दी नहीं आना चाहते, क्योंकि पहले आने पर तेज सिंगल्स और डबल्स दौड़ने पड़ेंगे, जिससे घुटने पर दबाव पड़ेगा। धोनी को लंगड़ाते हुए और विकेटों के बीच दौड़ते समय कठिनाइयों का सामना करते हुए देखे जाने के बावजूद, उन्होंने विकेट कीपिंग जारी रखी है और मूल्यवान योगदान दिया है।

धोनी की प्रतिबद्धता पर हसी ने कहा, वह पूरे टूर्नामेंट में जितना हो सके उतना अच्छा करने की कोशिश कर रहे हैं। धोनी के प्रभाव और उन्हें मिलने वाले समर्थन की प्रशंसा करते हुए, हसी ने जोर देकर कहा, हमें जो समर्थन मिला है वह अविश्वसनीय रूप से हर जगह है, इसने हमें जोश से भर दिया है। एमएस खेल के दिग्गज हैं। उन्होंने आगे यह विश्वास जताया कि धोनी अगले पांच वर्षों तक खेलना जारी रख सकते हैं, उन्होंने कहा, वह अभी भी बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है, अभी भी प्रशिक्षण में आने और अपने खेल पर काम करने और गेंद को अच्छी तरह से हिट करने के लिए प्रेरित है ... उसने अभी भी छक्का लगाया है, वह अपनी हिटिंग क्षमता का आनंद ले रहा है और टीम में योगदान दे रहा है तो कोई कारण नहीं है कि वह अगले पांच साल तक नहीं खेल सकता है।

यह भारतीय गेंदबाज भविष्य का सितारा है, उसका सही से ध्यान रखने की जरूरत : मोर्केल

लखनऊ। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्केल का मानना है कि भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहसिन खान 'भविष्य के सितारे' की तरह है लेकिन 24 साल के इस खिलाड़ी की अच्छी तरह से देखभाल की जानी चाहिए। घरेलू क्रिकेट में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले मोहसिन ने इंडियन प्रीमियर लीग में पिछले सत्र (नौ मैच में 14 विकेट और 5.97 का इकोनॉमी रेट) के अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए इस सत्र में लखनऊ सुपर जायंट्स को पिछले मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ यादगार जीत दिलाई। मोहसिन ने टिम डेविड और कैमरून ग्रीन जैसे आक्रामक बल्लेबाजों के खिलाफ आखिरी ओवर में 11 रन का बचाव करते हुए सिर्फ पांच रन खर्च किये थे। मोहसिन गंभीर चोट के कारण लगभग 12 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे। उनकी चोट इतनी गंभीर थी कि अगर सही समय पर इलाज नहीं होता तो चिकित्सकों को उनका हाथ काटना पड़ता।

मोर्केल ने लखनऊ सुपर जायंट्स के कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ सत्र के आखिरी लीग मैच से पहले कहा, ''उसके लिए करियर में आगे बढ़ना बहुत बड़ा कदम है। मैं इस बात को लेकर रोमांचित हूं कि वह चयन के लिए उपलब्ध है। मोर्केल ने कहा, ''बिना कोई मैच खेले, सिर्फ कुछ सत्र की अभ्यास के बाद आईपीएल खेलना मुश्किल होता है। लेकिन उसने उन परिस्थितियों में कमाल की गेंदबाजी की जहां गलती की गुंजाइश काफी कम थी। यह उसके धैर्य और आत्मविश्वास को दर्शाता है। मैं मोहसिन से काफी प्रभावित हूं। चोट के कारण उसने अपना हाथ लगभग गंवा दिया था और वापसी पर इस तरह की गेंदबाजी करना प्रेरणादायी है।' उन्होंने कहा, ''वह हमारी फ्रेंचाइजी ही नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट के लिए काफी शानदार खिलाड़ी होंगे। वह भविष्य का सितारा होगा। उसे सही से तैयार करने की जरूरत है।'

भारतीय ईफुटबॉल टीम ने लगातार दूसरी बार फीफा नेशंस कप के लिये किया क्वालीफाई

नई दिल्ली। भारत ने लगातार दूसरी बार फीफा नेशंस कप के लिये क्वालीफाई कर लिया है। भारत ने पहली बार 2021 में फीफा नेशंस सीरीज में भाग लिया था, और टूर्नामेंट के लिए तीन साल में दो बार क्वालीफाई कर लिया है, जिसे व्यापक रूप से 'फीफा एस्पोर्ट्स के विश्व कप' के रूप में जाना जाता है। जुलाई 2022 में डेनमार्क में आयोजित फीफा नेशंस कप 2022 के ग्रुप चरण से भारत बाहर हो गया था। हालांकि इस बार भारत उन 24 देशों के बीच अपने रिकॉर्ड को बेहतर बनाने की कोशिश करेगा, जो फीफा नेशंस कप 2023 के लिए क्वालीफाई करेंगे।भारत के अलावा, तीन अन्य देशों - ऑस्ट्रेलिया, मलेशिया और सिंगापुर ने फाइनल इवेंट के लिए एशिया और ओशिनिया क्षेत्र से क्वालीफाई किया है। वे यूरोप से 11 टीमों, मध्य पूर्व और अफ्रीका से तीन, दक्षिण अमेरिका से तीन और उत्तर और मध्य अमेरिका से दो मेजबान राष्ट्र के साथ शामिल होंगे, जिसकी घोषणा अभी तक नहीं की गई है। भारत ने प्ले-इन चरण में दिसंबर, 2022 में अपनी फीफा नेशंस सीरीज 2023 यात्रा शुरू की और प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने से पहले अप्रैल में ऑनलाइन क्वालिफायर मैच खेला। चरणजोत सिंह, सहांश जैन, सिद्ध चंद्राना और सक्षम रतन के प्रतिनिधित्व वाली भारतीय टीम डबल एलिमिनेशन बैकेट के पहले राउंड के एक करीबी मुकाबले में इंडोनेशिया से 2-3 के कुल स्कोर से हार गए, लेकिन इसके बाद न्यूजीलैंड (कुल मिलाकर 0-9) और जापान (कुल मिलाकर 1-2) के खिलाफ बैक-टू-बैक जीत हासिल कर फीफा नेशंस कप 2023 में अपना स्थान पक्का किया। भारतीय टीम के कप्तान चरणजोत सिंह ने कहा, 'लगातार दूसरी बार फीफा नेशंस कप कराना शानदार अहसास है। जिस तरह से सभी ने प्रदर्शन किया उस पर मुझे गर्व है। कड़ी मेहनत आखिरकार हमारे लिए रंग लाई है। हमने इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की और अब समय आ गया है कि हम और भी बेहतर हों और इवेंट के लिए कड़ी मेहनत करें। बता दें कि भारतीय ईफुटबॉल टीम की यात्रा जनवरी 2021 में शुरू हुई जब एआईएफएफ ने फीफा नेशंस सीरीज 2021 के लिए फीफा के साथ भागीदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। भारत भाग लेने वाले 60 देशों में से था और उसे मध्य पूर्व और अफ्रीका क्षेत्र में रखा गया था। भारत अपने क्षेत्र में तीसरे स्थान पर रहा, फीफा नेशंस प्लेऑफ 2021 में एक स्थान से चूक गया।

शारजाह मास्टर्स शतरंज - प्रज्ञानन्दा की लगातार दूसरी जीत , सयुंक्त बढ़त पर पहुंचे

शारजाह। शतरंज इतिहास के सबसे मजबूत ओपन इंटरनेशनल ग्रांड मास्टर शतरंज टूर्नामेंट का दूसरा राउंड 39 मुकाबलों मे से सिर्फ 10 परिणाम लेकर आया जबकि 29 मुकाबले ड्रॉ पर समाप्त हुए । दूसरे दिन के बाद सिर्फ दो खिलाड़ी भारत के आर प्रज्ञानन्दा और विश्व महिला शतरंज चैम्पियन जू वेंजुन दो ही ऐसे खिलाड़ी है जो 2 अंको और खेल रहे है और अगले राउंड में दोनों के बीच मुकाबला होगा ।प्रज्ञानन्दा और जू के बीच इससे पहले दोनों के बीच 2019 में एक मुकाबला हुआ था जिसमें उस समय 13 वर्षीय प्रज्ञानन्दा जीतने में सफल रहे थे ।दूसरे राउंड में प्रज्ञानन्दा का मुकाबला था हमवतन रौनक साधवानी से , सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए प्रज्ञानन्दा नें राय लोपेज एक्स्चेंज वेरिएशन में रौनक के राजा के ओर के हिस्से में शुरुआत से दबाव बनाना शुरू कर दिया था पर खेल की 15वीं चाल में रौनक अपने घोड़े की कुछ चाले चलते समय उनके राजा पर होने वाले आक्रमण को ठीक तरह से नहीं समझ पाये और उसके बाद उनका खराब ऊंट और राजा की खराब स्थिति 37 चालों में उनकी हार का कारण बनी ।वहीं भारत के दिग्गज खिलाड़ी विदित गुजराती को चीन की महिला विश्व शतरंज चैम्पियन जू वेंजुन के हाथो अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा , विदित सफ़ेद मोहरो से वेंजुन के खिलाफ सफ़ेद मोहरो से किंग्स पान ओपनिंग में एंडगेम में लगातार गलतियों के चलते 51 चालों में बाजी हार गए ।

अन्य प्रमुख परिणामों में ईरान के परहम मघसूदलू नें उक्रेन के अंटोन कोरोबोव से ,भारत के डी गुकेश नें बुल्गारिया के इवान चेपारिनोव से , भारत के एसएल नारायनन नें चीन के यू यांगयी से ,भारत के अर्जुन एरिगासी नें टरकी जे यिलमज मुस्तफा से ,भारत के अरविंद चितांबरम नें रूस के आन्द्रे एसीपेंकों से और भारत के निहाल सरीन नें जॉर्जिया के मिखाइल मिखिशिवली से बाजी ड्रॉ खेली ।

भारतीय महिला हॉकी टीम पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 2-4 से हारी

एडीलेड। भारतीय महिला हॉकी टीम की ऑस्ट्रेलिया दौरे की शुरुआत निराशाजनक रही जब टीम को यहां मेट स्टेडियम में तीन मैच की श्रृंखला के पहले टेस्ट में मेजबान टीम के खिलाफ 2-4 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। पहले क्वार्टर में दोनों ही टीम गोल करने में नाकाम रही जिसके बाद दुनिया की तीसरे नंबर की टीम ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे क्वार्टर में पदार्पण कर रही ऐसलिंग वूटरी (21वें मिनट) और मैडी फिट्जपैट्रिक (27वें मिनट) के गोल से 2-0 की बढ़त बनाई। मेजबान टीम के लिए तीसरे क्वार्टर में एलिस आर्नोट (32वें मिनट) और कर्टनी शोनेल (35वें मिनट) ने गोल किए। दुनिया की 8वें नंबर की टीम भारत की ओर से संगीता कुमारी (29वें मिनट) और शर्मिला देवी (40वें मिनट) ने गोल दागे। श्रृंखला का दूसरा मैच इसी स्थल पर शनिवार को खेल जाएगा। भारतीय टीम दौरे के दौरान ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ भी दो मैच खेलेगी। इस दौरे के साथ भारतीय महिला हॉकी टीम की हांगझोउ एशियाई खेलों की तैयारी शुरू होगी। ऑस्ट्रेलिया ने मैच में आक्रामक शुरुआत की।

टीम को शुरुआत में ही लगातार 2 पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन दोनों मौकों पर भारतीय कप्तान और गोलकीपर सविता ने विरोधी टीम के प्रयास को नाकाम किया। भारत को भी दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन मेहमान टीम भी इनका फायदा नहीं उठा सकी जिससे पहला क्वार्टर गोल रहित रहा। ऑस्ट्रेलिया को दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में भी दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन इस बार भी सविता गोल के आगे अडिग डटी रहीं। ऐसलिंग ने हालांकि 21वें मिनट में मिले क्रॉस पर सविता को छकाकर ऑस्ट्रेलिया को बढ़त दिलाई। ऑस्ट्रेलिया ने इसके बाद आक्रामक तेवर अपनाए और टीम को भारत के खराब डिफेंस का फायदा मिला। फिट्जपैट्रिक ने छह मिनट बाद पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मेजबान टीम को 2-0 से आगे किया। भारत ने हालांकि मध्यांतर से एक मिनट पहले स्कोर 1-2 किया जब संगीता ने निक्की प्रधान के शॉट को गोल में पहुंचाया। तीसरे क्वार्टर में दो मिनट के भीतर ही ऑस्ट्रेलिया ने फिर दो गोल की बढ़त बना ली जब पदार्पण कर रही एलिस ने कप्तान जेन क्लेक्सटन के पास को गोल में पहुंचाया। शोनेल ने इसके बाद रिवर्स हिट से गोल दागकर ऑस्ट्रेलिया को 4-1 की बढ़त दिलाई। शर्मिला ने पेनल्टी कॉर्नर पर डिफलेक्शन से मिली गेंद को गोल में पहुंचाकर भारत के हार के अंतर को कम किया।

सैफ कप : भारत-पाकिस्तान 5 साल बाद होंगे आमने-सामने

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान की फुटबॉल टीम लगभग पांच साल बाद आपस में भिड़ती नजर आएंगी क्योंकि दोनों पड़ोसी देशों को बेंगलुरू में 21 जून से चार जुलाई तक होने वाले सैफ कप के लिए समान ग्रुप में रखा गया है।

दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ (सैफ) कप के 14वें टूर्नामेंट का ड्रॉ बुधवार को यहां हुआ जिसमें गत चैंपियन भारत, पाकिस्तान, कुवैत और नेपाल को ग्रुप ए में जगह मिली जबकि लेबनान, मालदीव, बांग्लादेश और भूटान को ग्रुप बी में रखा गया है। ग्रुप मुकाबले राउंड रोबिन प्रारूप के आधार पर खेले जाएंगे और प्रत्येक ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली दो टीम सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। आठ देशों का यह टूर्नामेंट कांतीवा स्टेडियम में खेला जाएगा।

भारत की रैंकिंग है 101

टूर्नामेंट को और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए दक्षिण एशिया से बाहर के दो देशों लेबनान और कुवैत को प्रतियोगिता में खेलने के लिए आमंत्रित किया गया है। लेबनान 99वें स्थान के साथ टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीम है। पाकिस्तान की रैंकिंग 195वें स्थान के साथ सबसे खराब है। भारत 101वें स्थान के साथ दूसरी सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाली टीम है।

आखिरी मुकाबला

भारत और पाकिस्तान की टीम पिछली बार ढाका में सैफ कप के 12वें सत्र के दौरान सितंबर 2018 में आपस में भिड़ी थी। भारत ने यह मैच 3-1 से जीता था लेकिन फाइनल में उसे मालदीव के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था।

हैड टू हैड

भारत और पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर कुल मिलाकर 20 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। इनमें भारत ने दबदबा बनाते हुए एक दर्जन से अधिक मैच जीते हैं। भारत ने आठ बार सैफ कप का खिताब जीता है जबकि चार बार वह उप विजेता रहा। भारत सिर्फ 2003 में ढाका में पांचवें सत्र के दौरान फाइनल में पहुंचने में नाकाम रहा था। तब टीम ने तीसरा स्थान हासिल किया था। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि पाकिस्तान टूर्नामेंट में हिस्सा लेगा। लेकिन वीजा जारी करना, टीम को सुरक्षा देना, सरकार का काम है। हम मंत्रालय से बात करेंगे। एआईएफएफ महासचिव शाजी प्रभाकरन ने पीटीआई से कहा कि पाकिस्तानी दल भारत की यात्रा के लिए वीजा का आवेदन कर चुका है और आवेदन से जुड़ी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

ACTION INDIA

एक्शन इंडिया

Fro- t Page - 2

एक्शन इंडिया ▸ ऊना ▸ 21 मई 2023 ▸ पृष्ठ 12 ▸ आरएनआई: HPHIN / 2012 / 48072

RKB GROUP Rakesh Bhardwaj Group

न्यूज फ्लैश

उद्यम पोर्टल: रजिस्ट्रेशन के लिए 1 जून से चलेगा अभियान

मुरादाबाद: उद्यमियों के उद्यम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए 1 जून से 15 जून 2023 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। संयुक्त आयुक्त उद्योग योगेश कुमार द्वारा बताया गया कि सूक्ष्म ,लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश के सभी उद्यमियों के उद्यम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन के लिए 1 जून 2023 से 15 जून 2023 तक एक विशेष अभियान चलाया जाएगा जिसके माध्यम से सभी उद्यमी अपना उद्यम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

पशु तस्करों से मुठभेड़ में दो घायल

कुशीनगर। कुशीनगर पुलिस के गो वंशीय पशुओं की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में शनिवार की भोर पूर्व हुई पशु तस्करों से मुठभेड़ हो गई। कार्रवाई के दौरान दो पशु तस्कर पुलिस की गोली से घायल हो गए। दोनों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने प्रेस वार्ता कर शनिवार को बताया कि थाना कप्तानगंज, खड्डा, पड़रौना, जटहा एवं स्वाट की संयुक्त टीमों ने गुप्त सूचना पर हसनगंज भियूरा धुस के पास गो तस्करों को पकड़ने के लिए घेराबंदी की। इस दौरान एक पिकअप वाहन आता दिखाई दिया। जिसको रोकने का प्रयास किया गया तो तस्करों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में तस्कर विक्की प्रसाद पुत्र लड्डू प्रसाद निवासी गोपालगढ़ थाना कसया व सदरे आलम पुत्र रियासत अली साकिन वीर अब्दुल हमीद नगर खिरिया टोला थाना पड़रौना घायल हो गए। जिनको गिरफ्तार कर लिया गया। मौके से एक पिकअप वाहन (बिना नम्बर) से तस्करी कर वध के लिए ले जायी जा रही छह गोवंश, दो असलहा मय कारतूस बरामद किया गया है। तस्करों पर 65 हजार का इनाम घोषित था। दोनों तस्करों पर 12 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

आकांक्षा दुबे मौत: समर सिंह को अभी जेल में रहना होगा

टीम एक्शन इंडिया/वाराणसी

भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की मौत मामले में आरोपी गायक समर सिंह को अभी जेल में ही रहना होगा। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने समर के जमानत की अर्जी खारिज कर दिया। अदालत ने सुनवाई के दौरान पटल पर रखे गये वारदात से जुड़े सीसीटीवी फुटेज,विवेचना की प्रगति और सभी साक्ष्यों का अवलोकन किया। शनिवार को अभिनेत्री की मां वादिनी मधु दुबे के अधिवक्ता शशांक शेखर त्रिपाठी ने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बीते शुक्रवार को समर सिंह के जमानत प्रार्थना पत्र पर जिला एवं सत्र न्यायाधीश डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में बहस हुई। दोनों तरफ से जोरदार बहस के बाद जिला जज ने समर सिंह के जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया। सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह रहा कि समर सिंह द्वारा बार-बार यह कहा जाता रहा कि वह घटना के समय गोरखपुर में थे, परंतु सीडीआर में समर सिंह की लोकेशन वाराणसी में पाई गई। पुलिस की जांच में तथ्य सामने आया कि घटना की सुबह कॉल डिटेल रिकॉर्ड में आरोपी की लोकेशन बनारस में बताई गई। अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की मां मधु दुबे ने घटना की सुबह आरोपी समर सिंह को कई बार फोन किया, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अब तक आरोपी की आकांक्षा से 390 बार बात हुई, इसमें 95 बार आरोपी ने ही कॉल की थी। अदालत को विवेचक ने बताया कि घटना में कलमबंद बयान जरूरी नहीं प्रतीत हुआ, इसलिए नहीं लिया।

उप्र: मेगा परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

योगी सरकार ने शुरू की मेगा परियोजनाओं को दी जाने वाली रियायतों की पहली किस्त की प्रतिपूर्ति

अहम पहल

अब उन्हें रफ्तार देने के लिए प्रोत्साहन, विशेष सुविधाएं और रियायत देने की दिशा में योगी सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं

टीम एक्शन इंडिया/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में निवेश की नई बयार को गति देने के लिए प्रयासरत योगी सरकार अब मेगा परियोजनाओं की स्थापना और संचालन की दिशा में अहम पहल करने जा रही है। प्रदेश में 10 से 12 फरवरी के बीच हुई ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट-2023 के दौरान जिन मेगा परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की दिशा तय हुई थी, अब उन्हें रफ्तार देने के लिए प्रोत्साहन, विशेष सुविधाएं और रियायत देने की दिशा में योगी सरकार ने कदम बढ़ा दिए हैं। प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने शनिवार को बताया कि प्रदेश में मेगा परियोजनाओं की स्थापना और सफल संचालन के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश औद्योगिक निवेश नीति के तहत आठ मेगा परियोजनाओं को रियायतों की पहली किस्त की प्रतिपूर्ति जारी करने की मंजूरी दे दी गई है। इसके अंतर्गत 146 करोड़ रुपये से ज्यादा की धनराशि आवंटित करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। जिन मेगा परियोजनाओं को प्रोत्साहन प्रतिपूर्ति की पहली किस्त जारी की गई है, उनमें जेपी सीमेन्ट अलीगढ़, आरसीसीपीएल प्रा.लि. रायबरेली और गैलेन्ट इस्पात लि. गोरखपुर मुख्य तौर पर शामिल हैं।

पात्रता के आधार पर प्रोत्साहन प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया शुरू: हाल ही में अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आईआईडीसी) मनोज कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद इस संबंध में निर्णय लिया गया, जिसके फलस्वरूप इन औद्योगिक उपक्रमों को इनकी पात्रता के अनुसार प्रोत्साहन प्रतिपूर्ति की प्रक्रिया की शुरूआत कर दी गई है। जेके सीमेन्ट वर्क्स अलीगढ़ (जेके सीमेन्ट लि. की एक इकाई) को वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए कुल 21.85 करोड़ रुपये और 2021-2022 के लिए 12.52 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन प्रतिपूर्ति की जाएगी। इसी प्रकार मेसर्स पसवारा पेपर्स लि. मेरठ को प्रोत्साहन राशि के तौर पर 12.65 करोड़ की प्रतिपूर्ति होगी। इसमें से 11.02 करोड़ रुपये की एसजीएसटी प्रतिपूर्ति और पूंजिगत ब्याज उपादान प्रतिपूर्ति के तौर पर 1.63 करोड़ रुपये की धनराशि प्राप्त होगी। हरदोई के सण्डीला स्थित वरुण बेवरेजेस लि. को वर्ष 2021-22 के लिए 8.52 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रतिपूर्ति होगी। वहीं, गैलेन्ट इस्पात लि. गोरखपुर को दो केटेगरी में कुल 15.96 करोड़ रुपए (6.88 और 9.08 करोड़ रुपये) की पहली प्रतिपूर्ति राशि आवंटित होगी। इसके अलावा, स्पर्श इंडस्ट्रीज प्रा.लि. कानपुर देहात को 3.66 करोड़ रुपये, आरसीसीपीएल प्रा.लि. रायबरेली को 46.55 करोड़ रुपये और श्री सीमेन्ट प्रा.लि. बुलन्दशहर को तीन केटेगरीज के तहत कुल 24.28 करोड़ रुपये की पहली प्रोत्साहन राशि प्रतिपूर्ति की जाएगी।

प्रदेश का हो रहा चतुर्दिक विकास: स्वतंत्र देव

टीम एक्शन इंडिया/गाजीपुर

केन्द्र में सतारुण नरेन्द्र मोदी व उत्तर प्रदेश में आदित्यनाथ योगी के नेतृत्व में चतुर्मुखी विकास हो रहा है। जिससे विपक्षी दल निराश होकर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। जो अपने मंसूबों में सफल नहीं होंगे। यह बातें शनिवार को गाजीपुर के दौरे पर पहुंचे जल शक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने कही। कैबिनेट मंत्री ने जल जीवन मिशन के अंर्तगत सरवरनगर व मुस्लिमपुर ग्राम में हर घर पेयजल योजना के तहत नवनिर्मित जल निगम टंकी का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि पूरे प्रदेश में शुद्ध पेयजल के लिए हर घर नल योजना, आवास, स्वास्थय, शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएं चलायी जा रही हैं। पानी का दुरुपयोग रोकने के लिए नल को खुला न छोड़ें। बरसात के पानी को गांव में संचय करें। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि परिवार को खुशहाल रखने के लिए माता-पिता सेवा करें, बेटा या बेटी से शराब व गुटका न मंगाये। मजदूरों का सम्मान व उचित मजदूरी दें, हो सके तो पानी अवश्य पिलाये। महिलाएं घर, गांव, परिवार की स्वच्छता पर ध्यान दें। स्वस्थ रहने के लिए नियमित योगासन करें। गांव में विधवा, पीड़ित व कमजोर वर्ग की जमीन पर कब्जा न करें। केन्द्र में मोदी व प्रदेश में योगी के रहते देश सुरक्षित है। विषम परिस्थितियों में विदेशों से भारतीयों को सुरक्षित लाने में हमारा देश समर्थ है।

मास्टर प्लान के कार्यों को पूरा करें: सीएस

टीम एक्शन इंडिया/गोपेश्वर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना बदरीनाथ मास्टर प्लान के अन्तर्गत संचालित पुनर्निर्माण कार्यों का जायजा लेने शनिवार को मुख्य सचिव डॉ. सुखबीर सिंह संधू बदरीनाथ पहुंचे। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि युद्ध स्तर पर कार्य करते हुए निर्धारित समय से पहले मास्टर प्लान के कार्यों को पूर्ण करना सुनिश्चित करें। इस दौरान मुख्य सचिव ने लेक फ्रंट, रिवर फ्रंट डेवलपमेंट, मंदिर का सौन्दर्यीकरण, अराइवल प्लाजा, वन-वे लूप रोड, बीआरओ बाईपास, अन्तरराष्ट्रीय बस अड्डा और अस्पताल विस्तारीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मैनुअल कार्यों में अतिरिक्त मजदूर लगाए जाए। रिवर फ्रंट डेवलपमेंट कार्यों में तेजी लाते हुए मानसून के लिए अभी से प्लान तैयार करें। उन्होंने सभी निर्माणदायी संस्थाओं को बेहतर तालमेल के साथ कार्य करते हुए इस महत्वपूर्ण कार्य को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय से पहले पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने कहा कि निर्माण कार्यों की वजह से बदरीनाथ धाम में दर्शन करने आ रहे तीर्थ यात्रियों को कोई असुविधा न हो। इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने मुख्य सचिव को बदरीनाथ में संचालित पुनर्निर्माण कार्यों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। इस दौरान मुख्य सचिव ने भगवान बदरीनाथ के दर्शन व पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की और बदरीनाथ में यात्रा व्यवस्थाओं का जायजा भी लिया।

पंजाब आप नेता समेत 4 के खिलाफ एफआईआर

टीम एक्शन इंडिया/अबोहर

पंजाब में आम आदमी पार्टी के नेता दीप कंबोज सहित 4 नेताओं के खिलाफ राजस्थान के श्रीगंगानगर थाने में एक महिला द्वारा शारीरिक शोषण की शिकायत देकर एफआईआर दर्ज कराई गई है। श्रीगंगानगर निवासी महिला का आरोप है कि उक्त नेताओं ने उसका शारीरिक शोषण किया, जिससे वह गर्भवती हो गई और उसके बाद नेता ने उसे बिना बताए गर्भपात की दवा भी खिला दी। महिला का आरोप है कि वह किसी काम से नेता के संपर्क में आई थी। वह काम करवाने का झांसा देकर शोषण करता रहा।

श्रीगंगानगर और चंडीगढ़ ले जाकर शोषण किया: श्रीगंगानगर पुलिस ने महिला की शिकायत पर दीप कंबोज, विजय कंबोज, स्माइल कंबोज, अमन कंबोज के खिलाफ धारा 376, 313, 506, 354 व 120बी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने अबोहर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके दीप कंबोज के खिलाफ शारीरिक शोषण जैसे गंभीर आरोप लगाए।

गंभीर आरोप

श्रीगंगानगर निवासी महिला का आरोप है कि उक्त नेताओं ने उसका शारीरिक शोषण किया, जिससे वह गर्भवती हो गई

किया, हनीट्रैप बताया:

आप नेता दीप कंबोज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके महिला द्वारा लगाए गए शारीरिक शोषण के आरोपों को पूरी तरह से खारिज किया। उन्होंने कहा कि महिला हनीट्रैप की मास्टरमाइंड और उसने उन्हें भी हनीट्रैप में फंसाया है। महिला करीब 6 माह पहले उसके संपर्क में आई थी। उनकी बातचीत होती रही और वह उसके जाल में फंस गया। महिला का कहना है कि वह एक के लिए दीप कंबोज के कार्यालय उससे पहली बार मिली थी, जिसके बाद दीप कंबोज व उसके साथी काम करवाने के बहाने उसका शारीरिक शोषण करते रहे। दीप कंबोज ने श्रीगंगानगर व चंडीगढ़ में उसका शारीरिक शोषण किया।

दीप कंबोज ने आरोपों खारिज

हेमकुंड साहिब-लोकपाल के कपाट खुले

टीम एक्शन इंडिया/जोशीमठ

सिखों के पवित्र तीर्थ हेमकुंड साहिब के कपाट शनिवार को पूरे विधि विधान के साथ खोल दिए गए। बर्फ की सफेद चादर में लिपटे हेमकुंड साहिब धाम के कपाट खुलने के अवसर पर करीब पंद्रह सौ से अधिक श्रद्धालु मौजूद रहे। इसी के साथ लक्ष्मण मंदिर-लोकपाल तीर्थ के कपाट भी वैदिक रीति रिवाज के अनुसार तय मुहूर्त पर खोले गए। हेमकुंड साहिब में अभी भी चार से पांच फीट तक बर्फ जमी है। श्रद्धालुओं को करीब ढाई किमी बर्फ की गली से गुजरकर हेमकुंड साहिब पहुंचना पड़ा।

मोदी सरकार ने ही सभी को आरक्षण दिया: सम्राट चौधरी

टीम एक्शन इंडिया/पटना

प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कार्यसमिति के पहले दिन शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश कुमार 18 साल से बिहार को लूट रहे हैं। राजद चिल्लाती है कि आरक्षण खत्म होने नहीं देंगे। लालू प्रसाद यादव ने 15 साल में कितने को आरक्षण दिया। पीएम नरेन्द्र मोदी की सरकार ने अपने नौ साल के कार्यकाल में 10 फीसदी अगड़ों को आरक्षण के साथ सभी को आरक्षण दिया है। पहली कार्यसमिति की बैठक में सम्राट ने कहा कि हम बूथ जीतेंगे तो चुनाव जीतेंगे।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और केंद्रीय पर्यावरण, वन जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव, प्रदेश के वन मंत्री सुबोध उनियाल ने शनिवार को मोतीचूर रेंज में संयुक्त रूप से राजाजी नेशनल पार्क का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्र से लाई गई एक बाघिन को राजाजी टाइगर रिजर्व के मोतीचूर वन क्षेत्र के बाड़े में छोड़ा।

मोक्ष मनोकामना राष्ट्र के लिए प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों, हुतात्माओं की शांति के लिए ऋषिकेश से 1008 कलश जम्मू कश्मीर जाएंगे

'कलश यात्रा ऋषिकेश से 13 जून को होगी प्रारंभ'

टीम एक्शन इंडिया/ऋषिकेश

श्री पंच दशनाम आह्वान अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर एनवायरमेंट अवधूत बाबा अरुण गिरी महाराज के नेतृत्व में वीरगति को प्राप्त सैनिकों सहित आमजन की हुतात्माओं की शांति के लिए ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट से 1008 गंगाजल कलश जम्मू कश्मीर के श्रीनगर स्थित आदि गुरु शंकराचार्य टेकरी ले जाए जाएंगे। मोक्ष मनोकामना यज्ञ पर्यावरण यात्रा के दौरान 3 जुलाई को रुद्राभिषेक के बाद शिवलिंग पर हजारों की संख्या साधु जलाभिषेक करेंगे। यह जानकारी षड दर्शन साधु समाज अखिल भारतीय सनातन धर्म रक्षा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत गोपाल गिरी ने दी। महंत गोपाल गिरी ने बताया कि आगामी 3 जुलाई को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्रीनगर जम्मू कश्मीर में पाक सेना से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त सैनिकों और आमजन की हुतात्माओं की शांति के लिए आयोजित उत्तराखंड की देव भूमि ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट से इस यात्रा का शुभारंभ आगामी 13 जून को किया जाएगा, जिसका समापन 3 जुलाई को नाग पंचमी के अवसर पर शिवलिंग पर जलाभिषेक के बाद किया जाएगा। इससे पूर्व 22 मई को त्रिवेणी मंदिर पर रुद्राभिषेक एवं महामृत्युंजय मंत्र से जल कलश को अभिमंत्रित वैदिक विद्वानों द्वारा किया जायेगा। इसके बाद यह मोक्ष मनोकामना यज्ञ पर्यावरण यात्रा जम्मू कश्मीर के लिए रवाना होगी। इस दौरान जम्मू कश्मीर तक पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए सवा लाख फलदार पेड़ों का रोपण भी किया जाएगा।